हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 31.07.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 10 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

रांची में राष्ट्रपति के दौरे को लेकर 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित

रांची : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित रांची दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर विशेष तैयारी की है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लेकर हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक और राजभवन तक के 200 मीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। यह आदेश ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसी उड़ने वाली सभी गतिविधियों पर लागू होगा। यानी इस क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति या संस्था इनका इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। अनुमंडल दंडाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार ने बताया कि बीएनएसएस की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया गया है। साथ ही यह निषेधाज्ञा 31 जुलाई की सुबह 6 बजे से शुरू होकर 1 अगस्त की रात 10 बजे तक लागू रहेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 31 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आयेंगी। राष्ट्रपति का विमान गुरुवार को कोलकाता से उड़ान भरेगा और दिन के 12.20 बजे देवघर पहुंचेगा। राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे देवघर एम्स जायेंगी और एम्स के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगी। उसके बाद शाम 4:00 बजे वह देवघर एयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगी और शाम 5.25 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगी।

पुंछ में आतंकियों के साथ मुठभेड़, दो आतंकियों के मारे जाने की सूचना

पुंछ : पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच बुधवार तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई है जिसमें दो आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। हालांकि इसकी अभी तक अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार आग्रिम ठिकानों के आगे संदिग्ध गतिविधियों की कुछ सूचनाओं के बाद पुंछ सेक्टर में पूरी नियंत्रण रेखा को खासकर बाबा बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर हाई अलर्ट पर रखा गया था।

ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का किया ऐलान, एक अगस्त से होगा लागू

'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे के साथ ट्रंप ने भारत को दी आर्थिक चेतावनी

एजेंसी

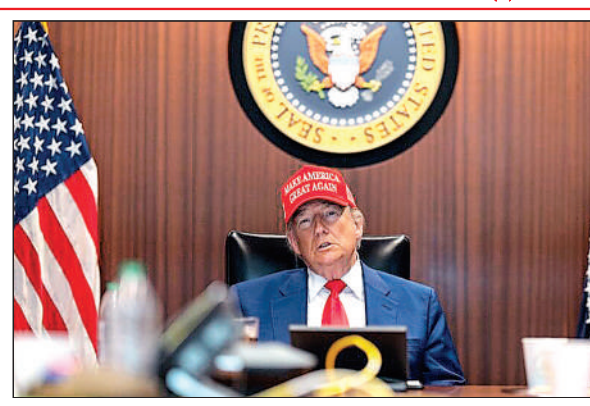

वाशिंगटन : भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक अगस्त से भारत पर 25 फीसदी टैरिफ (शुल्क) लगाने का ऐलान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है। इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। ट्रंप ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं, जो एक अगस्त से लागू होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल आयात करने के लिए भारत से आयातित सभी वस्तुओं पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की है। ये 25 फीसदी शुल्क से अलग होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने आगे लिखा है कि इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन! भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम 25 अगस्त को भारत का दौरा करेगी। इस वार्ता में भारत के दृष्टिकोण से अतिरिक्त 26 फीसदी के टैरिफ को हटाना और स्टील, एल्युमीनियम तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्र पर टैरिफ में ढील देना प्राथमिकता है। इससे पहले दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता पर बातचीत का पिछला दौर वाशिंगटन में हुआ था, जहां भारत के मुख्य वातार्कार राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में विश्व बैंक के भारत स्थित कंट्री निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर ऑगस्टे तानो कौमे ने झारखंड के आर्थिक विकास तथा गरीबी उन्मूलन उत्थान की प्रमुख योजना (मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना) की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल को राज्य में हो रहे ग्रामीण आर्थिक विकास, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन, उत्पादन, कृषि, शिक्षा एवं प्राकृतिक संसाधन में हो रहे कार्य तथा अन्य विकासात्मक गतिविधियों सहित निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया। श्री कौमे और उनकी टीम ने भारत में विश्व बैंक द्वारा समर्थित परियोजनाओं के अनुभव साझा किए और राज्य सरकार को विकास योजनाओं, कार्यक्रम डिजाइनिंग तथा क्रियान्वयन तंत्र को मजबूत करने में सहयोग देने की इच्छा जताई, जिससे राज्य के नागरिकों को लाभ मिल सके। मौके पर दोनों पक्षों ने बातचीत को आगे बढ़ाने और रांची में एक संयुक्त चर्चा एवं कार्यशाला आयोजित करने पर सहमति जताई, जिससे सार्थक सहयोग स्थापित हो सके।

इसरो और नासा के निसार उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण

▶ पृथ्वी की बेहतर निगरानी से भारत को मिलेगा शक्ति

एजेंसी

नेल्लोर : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में नया इतिहास रच दिया है। इसरो और नासा का संयुक्त उपग्रह, जीएसएलवी-एफ16 निसार, कक्षा में प्रवेश कर गया है। इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा द्वारा संयुक्त रूप से विकसित अपनी तरह का पहला नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह की कक्षा में प्रवेश कर गया है। प्रक्षेपण बुधवार शाम 5.40 बजे हुआ। इसरो के वैज्ञानिकों ने 2,392 किलोग्राम वजनी निसार उपग्रह को भू-समकालिक प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी-एफ16) रॉकेट से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। निसार को पृथ्वी से 743 किलोमीटर की ऊंचाई पर 98.40 डिग्री के झुकाव के साथ सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित किया गया। पृथ्वी के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला यह उपग्रह लगभग 10 वर्षों तक सेवा देगा। पृथ्वी की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने के लिए, नासा और इसरो ने मिलकर लगभग 11,200 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना को पूरा किया है। इसरो-नासा भविष्य में और भी संयुक्त प्रयोग करेंगे। इसरो के अध्यक्ष डॉ. के. नारायणन ने कहा कि इसरो और नासा ने इस प्रयोग के अवसर पर अपने संबंधों को और मजबूत किया है और आने वाले समय में तीन और संयुक्त प्रयोग करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वे चंद्रयान-4 प्रयोग कार्य शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक गगनयान-1 नामक प्रक्षेपण की व्यवस्था की जा रही है। पीएसएलवी श्रृंखला में चार और प्रक्षेपण करने का भी लक्ष्य है। इसरो प्रमुख ने सफलतापूर्वक लॉन्च के लिए टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी।

चिकित्सा सेवा को जनकल्याण का माध्यम बनाएं : राष्ट्रपति

एजेंसी

कोलकाता : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने युवा डॉक्टरों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। उन्होंने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से अपील की कि वे चिकित्सा सेवा को केवल पेशा न मानें, बल्कि इसे जनकल्याण का माध्यम बनाएं और डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। बिधान चंद्र रॉय स्वतंत्रता सेनानी और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री थे। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी के समय भारत में औसत आयु केवल 32 वर्ष थी, जो अब बढ़कर लगभग 70 वर्ष हो गई है। उन्होंने इसे चिकित्सा जगत के योगदान का परिणाम बताया। राष्ट्रपति ने हाल के वर्षों में टीकाकरण के क्षेत्र में हुई प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि कई बीमारियों का उन्मूलन हो चुका है, जैसे भारत को पिछले वर्ष ट्रेकोमा-मुक्त घोषित किया गया था। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार के जरिये अधिकांश बीमारियों से बचा जा सकता है। डॉक्टर जब खुद अनुशासित जीवन जिएंगे, तो समाज पर उसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने युवा डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे सिर्फ दवाएं ही नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ी सलाह भी मरीजों को दें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि एम्स कल्याणी के पहले बैच के रूप में वे इस संस्थान की पहचान के निमार्ता हैं और उनके प्रयासों से यह संस्थान राष्ट्रीय गौरव बन सकता है। राष्ट्रपति ने चिकित्सा विज्ञान में हो रहे तेज बदलावों की ओर ध्यान दिलाते हुए डॉक्टरों से जीवनभर सीखते रहने की सलाह दी। उन्होंने कल्याणी शहर की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए बताया कि इसकी आधारशिला डॉक्टर बीसी (बिधान चंद्र) रॉय ने रखी थी, जो मुख्यमंत्री रहते हुए भी निःशुल्क सेवा करते थे। राष्ट्रपति ने एम्स के शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रशासन से आग्रह किया कि वे इस संस्थान को राष्ट्रीय सम्मान का केंद्र बनाने का संकल्प लें। समारोह में राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस, केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव, पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य राज्यमंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य और केंद्रीय पोर्ट्स, शिपिंग एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर भी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में कुल 48 एमबीबीएस छात्रों और नौ पोस्ट-डॉक्टोरल सर्टिफिकेट कोर्स (पीडीसीसी) के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।

एक नजर

श्मशान घाट सेवा समिति ने निःशुल्क लकड़ी दिया

बड़कागांव : शमशान घाट सेवा समिति के द्वारा दिन प्रतिदिन एक से बढ़कर एक गरीबों का मसीहा बनकर उभर रहे हैं बताते चलें कि ग्राम सांढ निवासी मसोमत कबिलास को देहांत हो गया जिसका अग्नि संस्कार के लिए निशुल्क लकड़ी दिया गया श्मशान घाट सेवा समिति अध्यक्ष दिनेश सिंहा ने कहा इस संस्था के द्वारा कई गरीब व्यक्तियों को निशुल्क लकड़ी दिया गया है। मौके पर संतोष राम, सहेस कुमार, बिरसा राम,मिथिलेश पासवान, इत्यादि लोग उपस्थित हैं।

देवघर में मृतक कांवरियों के परिजनों को सरकार से 5-5 लाख देने की मांग

बड़कागांव : देवघर बासुकिनाथ मंदिर मार्ग में कांवर यात्रा के दौरान दर्दनाक सड़क हादसा हुई। जिसमें 5 कांवरियों की मौत हो गई । मृतक परिवार को 5 – 5 लाख रुपए एवं घायलों को दो–दो लाख रुपए की सहायता राशि देने की मांग सरकार से की है। मौत पर बड़कागांव पूर्वी मंडल के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त किया है। मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, उपाध्यक्ष अशोक साहू, पूर्व मुखिया अशोक महतो, महामंत्री सुमन गिरी ,दिनेश करमाली , किशोर राणा, कृष्णा गुप्ता, विनोद महतो, बेचन साव,नागेश्वर महतो एवं अन्य लोग शामिल हैं।

पुलिस छापामारी मे 60 मोटरसाइकिल एवं 5 फोर व्हीलर पकड़े गए

बड़कागांव : बड़का गांव केरेडारी मार्ग स्थित सीकरी थाना राजा बागी के पास अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में सीकरी थाना के पुलिस के द्वारा वाहनों की जांच की गई । जिसमें भारी संख्या में दो पहिए वाहन एवं चार चक्के वहां को पुलिस ने पकड़ा है। जिसमें कई लोगों के पास हेलमेट लाइसेंस इंश्योरेंस पेपर के अलावा वाहन चालान के लिए अन्य आवश्यक चीजों की जांच की गई है। मामले को लेकर एसडीपीओ पवन कुमार ने बताया कि तकरीबन 60 टू व्हीलर एवं पांच फोर व्हीलर वाहन पकड़े गए हैं सभी की जांच की जा रही है।

जिस्म टू महामाया स्टील एवं लाइट साउंड का हुआ उद्घाटन

विष्णुगढ़ : प्रखंड के नवादा बजरंग नगर गांव में महामाया स्टील थोक एवं खुदरा विक्रेता और साउंड,लाइट नामक प्रतिष्ठान का पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया गया। प्रतिष्ठान का उद्घाटन मुख्य अतिथि मांडू विधानसभा के विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो व विशिष्ट वरिष्ठ विश्व हिंदू कल्याण फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ साव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। दुकान के संस्थापक चूरामन साव ने कहा कि उक्त प्रतिष्ठान खुलने से विष्णुगढ़ नवादा,बनासो इत्यादि गांवों के लोगों को काफी लाभ होगा। प्रतिष्ठान के संचालन राजेश कुमार साव ने कहा कि उक्त सामान की खरीदारी को लेकर अब यहां के लोगों को दूसरे जगह जाने की जरूरत नहीं है।

हजारीबाग को मिलेगा रिंग रोड और चौड़ा सड़क मार्ग, सांसद ने गडकरी से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को संसद भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र के लिए दो अत्यंत महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा और उन्हें ज्ञापन भी सौंपा। इन प्रस्तावों पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तत्काल सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इन दो प्रमुख परियोजनाओं में हजारीबाग रिंग रोड शामिल है। इस पथ के संबंध में सांसद मनीष जायसवाल ने चतरा रोड से नगवां फ्लाईओवर और सिलवार एनएच-522 तक रिंग रोड के निर्माण का अनुरोध मंत्री नितिन गडकरी से किया, जिसकी अनुमानित लागत ?450 करोड़ है। उन्होंने बताया कि इस रिंग रोड के बन जाने से शहर के भीतर यातायात जाम, प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से चतरा की ओर से आने वाले भारी वाहन, जिनमें कोयला ढुलाई करने वाले ट्रक भी शामिल हैं, शहर में प्रवेश किए बिना ही सीधे डायवर्ट हो सकेंगे। इससे शहर की आंतरिक सड़कों पर दबाव कम होगा और नागरिकों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगी। वहीं दूसरी परियोजना के बाबत सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि सुल्ताना-सिमरिया-चतरा मार्ग का चौड़ीकरण बेहद जरूरी है। यह मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके चौड़ीकरण होने से क्षेत्रीय आवागमन में अभूतपूर्व सुधार होगा। इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। यह मार्ग मगध, आम्रपाली, एनटीपीसी जैसी प्रमुख कोयला परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है, जहाँ बड़ी मात्रा में कोयले का परिवहन होता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद मनीष जायसवाल के दोनों ही प्रस्तावों पर अपनी सकारात्मक सहमति व्यक्त की और तुरंत संबंधित अधिकारियों को इन परियोजनाओं पर काम शुरू करने के निर्देश दिए। उम्मीद है कि जल्द ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र को इन प्रस्तावित योजनाओं के रूप में विकास की एक बड़ी सौगात मिलेगी।

203 कोबरा वाहिनी स्थापना दिवस के अवसर पर लगाया गया रक्तदान शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : केरिपुबल का 87 वा तथा 203 कोबरा वाहिनी ने अपने 17 वे स्थापना दिवस के अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन एवं शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया ।शिविर का उद्घाटन कमांडेंट पवन कुमार सिंह वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन मेडिकल कॉलेज के प्रणित सहाय ने संयुक्त रुप से किया। शिविर का शुभारंभ कमांडेंट पवन कुमार सिंह, कमान अधिकारी गौरव कुमार, कावा अध्यक्ष अनुपमा सिंह ,श्वेता कुमारी, और उपासना सिंह ने रक्तदान कर के किया तत्पश्चात शिव कुमार अविनाश कुमार सिंह डॉक्टर राहुल रेवरिया डॉक्टर भूपेंद्र सिंह अर्जुन प्रसाद आदि 46 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया ।रक्तदान के पश्चात वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्जवल भविष्य की? कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया साथ ही रक्तदाताओं एवं आयोजकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया कमांडेंट पवन कुमार सिंह ने कहा की प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप रक्तदान करती रहना चाहिए इससे शरीर तो स्वस्थ रहता है साथ ही किसी की जान बचाने में सहायक बनते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पांचवीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए सदर विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बीएसएफ मेरु, हजारीबाग में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पाँचवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसमें विधायक समेत विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं अतिथियों ने सम्मिलित होकर मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और राष्ट्रसेवा की भावना का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में जीवंतता भर दी। बच्चों ने गीत, नृत्य के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शिक्षा की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा सौर ऊर्जा आधारित नवाचारों पर केंद्रित विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा किया गया। उन्होंने प्रत्येक मॉडल को ध्यानपूर्वक देखा, बच्चों से संवाद किया और उनके वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता की खुले दिल से सराहना की। इस अवसर पर विधायक ने विद्यालय परिसर में पी एम श्री योजना के अंतर्गत बनाए गए शिलापाट का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को सशक्त, समावेशी और नवोन्मुखी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। अपने संबोधन में विधायक प्रदीप प्रसाद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत की शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के प्रति आभार प्रकट किया।

ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की मांग को लेकर 6 अगस्त को होगा राजभवन घेराव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला सर्किट हाउस में प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के अध्यक्ष अभिलाष साहू के निर्देश-अनुसार प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजित किया गया है प्रेस कांफ्रेंस की अध्यक्षता कर रहें ओबीसी कांग्रेस प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने बताया की आगामी 6 अगस्त को रांची राजभवन का समक्ष राजभवन घेराव का कार्यक्रम रखा गया है धरना का मूल उद्देश्य ओबीसी 14 प्रतिशत से 27 परसेंट प्रतिशत आरक्षण बढ़ा कर लागू करने,जाति जनगणना , पिछड़ा मंत्रालय का गठन, निजी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण, 50% आरक्षण बैरियर को खत्म करने को लेकर राजभवन के समीप धरना प्रदर्शन है 6 अगस्त को राजभवन धरना प्रदर्शन को लेकर पूरे राज्यभर में राजनीति बन रही हैं। जिसमे हजारीबाग के जिले से 400 के संख्या में कांग्रेस के नेता जुटेंगे। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता डॉ प्रकाश कुमार ने कॉन्फ्रेंस में विषय वस्तु को रखते बताया की पूरे राजभर से ओबीसी टपके लोगों को 27 % आरक्षण लागू करने के लिए धरना-प्रदर्शन किया जा रहा हैं प्रेस कॉन्फ्रेस में मुख्य से रूप से प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला, प्रदेश प्रवक्ता डॉ प्रकाश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश गोप, प्रदेश सचिव रेणु कुमारी, उपस्थित थे । मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुरजीत नागवाला ने कहा की झारखंड बनने के समय ओबीसी टपके के लोगों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू था लेकिन झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया, जिससे आज तक ओबीसी के लोगों आरक्षण को सही तरीके से लाभ नहीं मिल रहा हैं।

धान की खेती में दिखा बदलाव : अमूल्य चंद्र पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

विष्णुगढ़ : महिला किसानों की आय में वृद्धि एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित परियोजना ₹उन्नत कृषि एवं पशुधन के विकास के माध्यम से महिला किसानों के आय में सतत वृद्धि₹ का क्रियान्वयन हजारीबाग जिला अंतर्गत विष्णुगढ़ प्रखंड के 11 गांवों में स्वयंसेवी संस्था जन जागरण केन्द्र द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को पारंपरिक खेती से उन्नत वैज्ञानिक तकनीकों की ओर ले जाना है ताकि वे कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकें और उनकी आय में स्थायी रूप से वृद्धि हो सके। प्रशिक्षण का मुख्य फोकस धान की खेती में SRI श्री विधि को बढ़ावा देना था। SRI/लाइन विधि से खेती के इस उन्नत पद्धति की विशेषता यह है कि इसमें कम बीज की आवश्यकता होती है, जिससे किसानों को बीज पर खर्च घटता है। खेतों में पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखने से जड़ें मजबूत होती हैं और फसल रोग-प्रतिरोधी बनती है। फसल की सिंचाई और निराई-गुड़ाई में आसानी होती है जिससे श्रम की आवश्यकता कम होती है। खेत में हवा और धूप का संचार अच्छा होता है जिससे उपज में 25-30% तक की वृद्धि होती है। महिला किसानों ने बताया कि इस तकनीक से मिट्टी की गुणवत्ता भी बनी रहती है और जल संरक्षण में मदद मिलती है। प्रशिक्षण के बाद महिला किसानों ने SRI विधि को अपनाते हुए अपने खेतों में धान की रोपाई की परिणामस्वरूप, उन्होंने न केवल खेती में समय और संसाधन की बचत की।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रामगढ़ में टीबी मरीजों को फूड बास्केट का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : उपायुक्त, रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर रामगढ़ जिला अंतर्गत 2 लाख लोगों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाना है। इसे लेकर पूर्व में जिला स्तर पर सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने को लेकर प्रशिक्षण देकर 3229 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। उपायुक्त के निर्देश पर 15 अगस्त 2025 तक जिले में 1 लाख लोगों को सीपीआर एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही अब तक जिले में हजारों लोगों को आकस्मिक परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट ऐड संबंधित प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी क्रम में बुधवार को दुलमी प्रखंड अंतर्गत दुलमी एवं इचातु, गोला प्रखंड अंतर्गत सूतरी, रकुवा, हुप्पु, कुम्हरदगा, पतरातू प्रखंड अंतर्गत हनुमानगढ़ी, कटिया पंच मंदिर, कटिया बस्ती, हेसला, शाह कॉलोनी, कोतो एवं हफुआ, रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत बारलौंग एवं कुंदरु कला, चितरपुर प्रखंड अंतर्गत चितरपुर दक्षिणी एवं चितरपुर पश्चिम, मांडू प्रखंड अंतर्गत रतवे, हेसागढ़ा, बारुघुटु मध्य, इचाकडीह, कुज्जु दक्षिणी एवं नावाडीह के पंचायत सचिवालय में अनुभवी चिकित्सकों एवं जिला स्तर से तैयार किए गए मास्टर ट्रेनरों के द्वारा ग्रामीण एवं आम जनों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर देने एवं फर्स्ट एड उपयोग को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही लोगों को प्रैक्टिकल कराकर भी आकस्मिक परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान लोगों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों जैसे कार्डियक अरेस्ट, चोकिंग, ब्लीडिंग, बर्न, फ्रैक्चर, वज्रपात, डूबना, शॉक, सांप का काटना एवं दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया एवं सभी की दुविधाओं को दूर किया गया। गौरतलब होकि अगले एक माह में अभियान मोड में जिले के पंचायतों, विद्यालयों, कारखानों, खदानों आदि में सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के द्वारा सभी जिले वासियों से अपने नजदीकी प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर सीपीआर देने एवं फर्स्ट एड उपचार करने संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपील की गई है।

संक्षिप्त खबरें

टीबी मरीजों को फूड बास्केट का वितरण

रामगढ़ : बुधवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला यक्ष्मा केंद्र रामगढ़ में निक्षय मित्र PVUNL पतरातु के द्वारा गोद लिए गए रामगढ जिला अंतर्गत मरीजों को फूड बास्केट का वितरण किया गया। सभी MDR-TB मरीज की आवश्यक जांच करवाया गया। सभी मरीजो को समय से निरंतर दवा का सेवन कर पुर्णतः स्वस्थ होने की शुभकामना दी गयी। इलाजरत TB मरीज को इलाज के दौरान मरीज के बैंक खाता मे 1000रुपए प्रति माह डी बी टी के माध्यम से पोष्टिक आहार खाने हेतू भेजा जाता है कि जानकारी दिया गया। मरीजो एवं उनके परीजनो को नशा नही करने की सलाह दिया गया। सभी मरीजो को उनके सम्पर्क मे आये लोगो को बलगम जांच, एवं चेस्ट एक्स–रे सरकारी स्वास्थ्य केंद्र मे निःशुल्क होता है करवाने का अनुरोध किया गया। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी रामगढ़ डॉ स्वराज एवं यक्ष्मा कर्मी की उपस्थिति थे।

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु "MDA-IDA अभियान 2025 को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

हजारीबाग : समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से MDA-IDA अभियान 2025 की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने आगामी 10 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक प्रस्तावित अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर संक्रामक रोग है, जिसकी रोकथाम एवं उन्मूलन हेतु जन–जन को दवा सेवन कराना अनिवार्य है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को तत्काल प्रभाव से अभियान की तैयारी प्रारंभ करने के निर्देश दिए तथा जनजागरूकता, प्रचार–प्रसार एवं सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया। अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र, वार्ड कार्यालय, स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय, महाविद्यालय एवं तकनीकी संस्थानों, निजी एवं सरकारी विभागों में टऊ्र–क्रऊ्र की दवाएं निःशुल्क खिलाई जाएंगी। छूट हुए लाभार्थियों को स्वास्थ्यकर्मी घर–घर जाकर दवाएं उपलब्ध कराएंगे। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में फाइलेरिया के मामले अपेक्षाकृत अधिक हैं, वहां वरीय पदाधिकारियों को विशेष रूप से निगरानी एवं पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी जाए। साथ ही, अभियान की उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड विश्वविद्यालय विधेयक का अभाविप ने किया विरोध

हजारीबाग : गुरुवार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हजारीबाग द्वारा हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें उक्त विधेयक कुलपति एवं विश्वविद्यालयों की नियक्ति प्रणाली में प्रस्तावित संशोधनों पर गहरी आपत्ति जताई गई है। परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि यह विधेयक राज्य सरकार को विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक, प्रशासनिक और नियुक्ति संबंधी मामलों में असीमित अधिकार देने का प्रयास है, जिससे न केवल शिक्षा की स्वायत्तता पर आघात होगा, बल्कि विश्वविद्यालयों की गृणवत्ता भी प्रभावित होगी। परिषद ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि कुलपति, शिक्षक और अन्य शैक्षणिक पदों की नियुक्ति पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में आ जाएगी जिससे राजनीतिक हस्तक्षेप की आशंका बढ़ेगी। ज्ञापन में विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने यह भी कहा है कि झारखंड एकेडमिक काउंसिल झारखंड लोक सेवा आयोग और विश्वविद्यालयों की नियक्तियों की प्रक्रिया को एक समान और पारदर्शी बनाए रखने के लिए स्वायत्त निकायों की स्वतंत्रता आवश्यक है। परिषद ने इस विधेयक को शिक्षा विरोधी, अलोकतांत्रिक और संविधान की मूल भावना के विरुद्ध बताया है। अभाविप हजारीबाग के जिला संयोजक रुद्र राज द्वारा हस्ताक्षरित इस ज्ञापन में विधायक से आग्रह किया गया है कि वे विधानसभा में इस विधेयक के विरोध में स्वर उठाएं और राज्य की शिक्षा प्रणाली की गुणव्ता एवं स्वतंत्रता की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं।

केरेडारी में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर बैठक

केरेडारी : सांसद खेल महोत्सव के तहत नमो फुटबॉल टूनार्मेंट के आयोजन को लेकर केरेडारी में एनडीए कार्यकताओं की बैठक 30 जुलई को केरेडारी में हुई। बैठक में उपस्थिति एनडीए कार्यकताओं के बीच सर्व सहमति से चर्चा किया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 12 अगस्त से केरेडारी कृषि फॉर्म मैदान में नमो फुटबॉल टूनार्मेंट का आगाज किया जाएगा। जिसके मुख्य अतिथि हजारीबाग लोक सभा सांसद मनीष जायसवाल होंगे। टूनार्मेंट के सफल आयोजन व संचालन को लेकर कमिटी का भी गठन किया गया। जिसमें मैच रेफरी दीपक कुमार दीन्हा अध्यक्ष नरेश महतो भाजपा मंडल महामंत्री उपाध्यक्ष नारायण यादव सचिव प्रकाश कुमार गुप्ता व कोषाध्यक्ष बहादुर राम को बनाया गया है। वहीं संरक्षक सह निर्णायक मंडली में भाजपा मंडल अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि कर्मचारी साव उपेंद्र सिंह प्रीतम साहू महेंद्र सिंह बालगोविंद सोनी राजू साव रामचरित्र महतो आजसू पार्टी प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा आजसू प्रखंड सचिव कंचन यादव राजेंद्र सिंह को रखा गया है।

एक नजर

रांची से अपहृत छात्रा रामगढ़ से सकुशल बरामद

रांची : रांची से अपहृत स्कूली छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। छात्रा को रामगढ़ जिले के कुजू थाना क्षेत्र से बरामद किया गया। पुलिस के डर से अपराधी छात्रा को सड़क पर फेंक कर भाग गए। पुलिस अपराधियों का पीछा कर रही है। रांची के एसएसपी सह डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा ने छात्रा की बरामदगी की पुष्टि की है। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि रांची पुलिस को लड़की के अपहरण की सूचना मिली थी। इसके बाद पूरी रामगढ़ पुलिस सड़क पर निगरानी कर रही थी। इसी बीच मांडू और कुजू के बीच एक कार 150 किलोमीटर की रफ्तार से भागती हुई दिखाई दी। मांडू थाना प्रभारी सदानंद ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। पुलिस को पीछा करते देख अपराधी कार को और भी तेज भगाने लगे। कार भगाते हुए एक भीड़भाड़ वाले इलाके में पहुंच गए। इस दौरान पुलिस ने अपनी कार से अपराधियों के कार में टक्कर भी मारी, लेकिन अपराधी नहीं रुके। इसके बाद थाना प्रभारी सदानंद ने अपनी पिस्तौल निकाली और अपराधियों पर निशाना साधा। इसी दौरान उन्होंने कार की पिछली सीट पर छात्रा को देखा, जिसे अपराधियों ने बंधक बना रखा था। इसके बाद थाना प्रभारी ने छात्रा को गोली लगने के डर से गोली नहीं चलाई। हालांकि, उनकी पिस्तौल और बाकी पुलिस के डर से अपराधियों ने छात्रा को चलती कार से कुजू में बैंक के पास सड़क पर फेंक दिया। छात्रा को रांची भेजवाया जा रहा है। एसपी ने बताया कि छात्रा बिल्कुल सुरक्षित है। पुलिस अपराधियों का पीछा कर रही है। हजारीबाग पुलिस भी इसमें सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराधी मास्क पहने हुए थे। उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

आदिवासी छात्र संघ ने कुलपति से सुधारों के लिए जताया आभार

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में बुधवार को प्रभारी कुलपति डॉ अंजनी कुमार मिश्रा से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय में बीते एक माह में हुए सुधारात्मक परिवर्तनों के लिए कुलपति के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक और शैक्षणिक स्तर पर पारदर्शिता एवं अनुशासन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे छात्र समुदाय में विश्वास बहाल हुआ है। छात्र संघ ने विशेष रूप से प्रवेश प्रक्रिया में आई पारदर्शिता का उल्लेख करते हुए बताया कि पूर्व में देखी जाने वाली अनियमितताएं अब काफी हद तक समाप्त हो चुकी हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना सं.: डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-81 एवं 84-86-2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), राँची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं., सूचना सं. एवं कार्य का नाम** निम्नानुसार हैं: **(1) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-81-2025,** राँची मंडल के टाटीसिलवे साइडिंग में रेलवे वैगन/हॉपरों में 100250 घनमीटर 50 मिमी माप के हार्ड स्टोन मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट का निर्माण, आपूर्ति एवं लदान तथा इनकी स्टैकिंग एवं खाली करना। **निविदा मूल्य:** रु.18,24,40,130.12, **बयाना राशि:** रु. 10,62,200/-, **(2) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-84-2025,** वरिष्ठ डीईएन (दक्षिण)/राँची के कार्यक्षेत्र में नगजुआ-लोहरदगा शाखा में ब्रिज नं. 115 पर स्पैन नं. 5 एवं 6 में भूकंपीय रिस्ट्रेनर प्रदान करते हुए गर्डर का सुदृढ़ीकरण एवं लघु ब्रिजों का सुदृढ़ीकरण और पियर नं. 5 के फाउंडेशन को चौड़ा करना तथा हटिया-ओरगा शाखा में ब्रिज नं. 520 (11X18.3 एम जी) के सब-स्ट्रक्चर के सुदृढ़ीकरण सहित आरसीसी जैकेटिंग कार्य एवं एमआईडीएएस रेल-ट्रैक मॉड्यूल का उपयोग करते हुए रेल स्ट्रक्चर इंट्रैक्शन विश्लेषण एवं रिपोर्ट जमा करना। **निविदा मूल्य:** रु. 11,72,55,231.14, **बयाना राशि:** रु. 7,36,300/-, **(3) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-85-2025,** राँची मंडल के कार्यक्षेत्र में बाकुडीह/राजग्राम/पिनरगड़िया क्वैरी साइडिंग में 50 मिमी माप में 84861 घनमीटर मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट की रेलवे वैगनों/हॉपरों में आपूर्ति एवं लदान और इन्हें खाली करना (माप गंतव्य पर किया जाएगा)। **निविदा मूल्य:** रु. 12,38,95,362.78, **बयाना राशि:** रु. 7,69,500/-, **(4) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-86-2025,** राँची मंडल के कार्यक्षेत्र में पाकुड़/तालझारी/बड़हरवा क्वैरी साइडिंग में 50 मिमी माप में 85266 घनमीटर मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट की रेलवे वैगनों/हॉपरों में आपूर्ति एवं लदान और इन्हें खाली करना (माप गंतव्य पर किया जाएगा)। **निविदा मूल्य:** रु. 12,44,86,654.68, **बयाना राशि:** रु. 7,72,400/-, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 18.08.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 हेतु) और दिनांक 22.08.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 2, 3 एवं 4 प्रत्येक हेतु)। निविदाकार ऑनलाइन निविदा करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। **(PR 457)**

रेड क्रॉस की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और जन-कल्याणकारी बनाएं : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की स्टेट मैनेजिंग कमेटी की बैठक हुई। बैठक में राज्यपाल ने रेड क्रॉस की भूमिका को और अधिक प्रभावी तथा जन-कल्याणकारी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से स्वैच्छिक रक्तदान को एक सामाजिक जनांदोलन का रूप देने पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए और इनमें विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड जैसी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। रक्तदान एक पुनीत कार्य है, सभी को इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि उन्हें भी अपने जीवन में 15 से 20 बार रक्तदान करने का

सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि रक्त की बबार्दी नहीं होनी चाहिए, यदि रक्त अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाए, तो उसे समीपवर्ती जिलों में भेजा जाए। उन्होंने यह निर्देश भी दिया कि रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए और ऐसे रक्तदाताओं को सम्मानित किया जाए, जिन्होंने 50 बार या उससे अधिक बार रक्तदान किया है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी सौ से भी अधिक वर्षों से निःस्वार्थ मानव सेवा कर रही है। यह संस्था आपदा, विपदा और स्वास्थ्य संकट के समय लोगों की संवेदनशील, त्वरित और मानवीय सहायता के लिए जानी जाती है। सेवा, करुणा और परोपकार भारतीय संस्कृति के मूल मूल्य हैं और ऐसी अपेक्षा है कि रेड क्रॉस की झारखण्ड शाखा इन मूल्यों का जीवंत उदाहरण आगे भी प्रस्तुत करती रहेगी। राज्यपाल ने कहा कि यदि किसी की मृत्यु समय पर रक्त न मिलने के कारण होती है, तो यह न केवल संबंधित अस्पताल प्रबंधन, बल्कि रेड क्रॉस से जुड़े सभी व्यक्तियों की भी असफलता और निष्क्रियता मानी जाएगी। उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि कुछ स्थानों पर रक्त की बिक्री की शिकायतें प्राप्त होती हैं। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि रेड क्रॉस सुनिश्चित करे कि कोई भी मरीज या परिजन विवश होकर रक्त न खरीदे। संस्था को एक समर्पित और भरोसेमंद रक्तदाता मंच के रूप में समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करनी चाहिए। राज्यपाल ने भारत रत्न नानाजी देशमुख के जरिए किए गए देहदान का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मानवीय उदाहरण रेड क्रॉस के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने रेड क्रॉस की जिला इकाइयों को अधिक सक्रिय और प्रभावशाली बनाने, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक सेवा का विस्तार करने तथा संस्था के सभी कार्यों में वित्तीय पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संकट से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि रेड क्रॉस के स्वयंसेवक हर परिस्थिति में सक्षम और तत्पर रहें। उन्होंने संस्था को जीवंत बनाए रखने के लिए सतत सदस्यता अभियान चलाने की बात कही। यदि संस्था अच्छा कार्य करेगी, तो कई संस्थाएं अनुदान और सहयोग के लिए स्वयं आगे आएंगी। बैठक में सभी जिला इकाइयों को वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने के निदेश भी दिए गए। इस अवसर पर यह भी कहा गया कि रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला इकाइयां लावारिस शवों का अंतिम संस्कार भी कर सकती हैं, जो एक संवेदनशील सामाजिक दायित्व है।

अपनी जिम्मेवारियों से बचना चाहती है भाजपा : राकेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा है कि जिस पार्टी को इस राज्य में अभी तक मंडल अध्यक्ष नहीं मिला। उन्होंने कहा कि 27 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति हो गई लेकिन झारखंड में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए कोई योग्य व्यक्ति नहीं मिला। लेकिन भाजपा महागठबंधन सरकार के विकास पर लगातार प्रश्न खड़ा कर रही है। सिन्हा बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सीएनटी और एसपीटी एक्ट में बदलाव का प्रस्ताव लाकर आदिवासियों की भावनाओं को आहत किया। लेकिन महागंठबंधन ने सरना धर्मकोड को विधानसभा से पारित कर केन्द्र को भेजा, लेकिन भाजपा के किसी सांसद ने लोकसभा में यह प्रश्न नहीं पूछा सका कि सरना धर्मकोड अभी तक क्यों नहीं लागू हुआ। संसद में झारखंड से भाजपा के नौ सांसद है, जिसमें दो केन्द्रीय मंत्री हैं। लेकिन इसके बावजूद वे राज्य की जनता का बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास की चिंता भाजपा को नहीं है। भाजपा सिर्फ बयानवीर बनकर अपनी जिम्मेवारियों से बचना चाहती है। सिन्हा ने कहा कि जिस पार्टी में समन्वय नहीं है वे हमारी समन्वय की बात कर रहे हैं। हमारा समन्वय बिलकुल मजबूत है। उन्होंने कहा कि सत्ता से दूर होने का प्रतिकूल प्रभाव भाजपा पर पड़ा है और यही कारण है कि सरकार के हर अच्छे कार्यों पर भाजपा प्रश्न खड़ा कर रही है, यही उसके जलन की वजह है।

ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही सरकार : दीपिका पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ग्रामीण विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षत्रों में योजनागत और जमीनी स्तर पर काम हो रहा है। रोजगार और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित हो रही हैं। यह बातें राज्य के ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से कही। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और आम जनता के जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण विकास की दिशा में योजनागत और जमीनी स्तर पर कार्रवाई हो रही है। राज्य सरकार न सिर्फ वर्तमान कार्यों को ससमय पूरा करने पर ध्यान दे रही है, बल्कि

भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं की दिशा में भी गंभीरता से काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण सड़क निर्माण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी (जेएसएलपीएस) के तहत कार्यरत महिला समूहों के माध्यम से रोजगार और स्वावलंबन को बढ़ावा देने जैसी अनेक योजनाएं चल रही हैं। पिछले वर्ष पारित किए गए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। साथ ही नई योजनाओं को भी गति दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य हर जनकल्याणकारी योजना को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करना है। गांवों को आत्मनिर्भर बनाना, महिलाओं को सशक्त करना और हर नागरिक तक समृद्धि और अवसर पहुंचाना, राज्य सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि उनकी सोच स्पष्ट है और यही सोच उनकी कार्यशैली और विभागीय विजन की पहचान है।

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने नर्सिंग कौशल कॉलेज का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुधवार को चान्हों प्रखंड स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज की प्रबंधन समिति के साथ बैठक कर कॉलेज के संचालन, आधारभूत संरचना और भविष्य की योजनाओं को लेकर विचार-विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री लिंडा ने कॉलेज परिसर की भौतिक स्थिति, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने कॉलेज के छात्राओं से संवाद भी किया और उनकी शैक्षणिक एवं बुनियादी आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

मंत्री ने आश्वस्त किया कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा ताकि छात्राओं को बेहतर और सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण मिल सके। लिंडा ने कॉलेज प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि यह कैंपस अत्यंत सुव्यवस्थित और संसाधनों से परिपूर्ण है। इसका समुचित उपयोग करते हुए हम यहाँ मेडिकल शिक्षा से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक कोर्स जैसे - नर्सिंग की शुरूआत कर सकते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं को अत्यधिक लाभ मिलेगा। वे एएनएम जीएनएम बनकर राज्य एवं देश की सेवा करेंगी। मंत्री चमरा लिंडा ने कॉलेज प्रबंधन से कहा कि वे इस दिशा में विस्तृत योजना बनाकर विभाग को प्रस्ताव भेजें।

सीआईडी को एक्सटॉर्शन का हथियार बनने से रोकें मुख्यमंत्री : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल ने हेमन्त सरकार पर बुधवार को एक बार फिर से निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से उपराध जांच विभाग (सीआईडी) पर जबरदस्ती वसूली का आरोप भी लगाया। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री , ये जानकारी शायद आपतक न पहुंच रही हो या जानबूझकर पंहुचने नहीं दी जा रही हो कि आजकल आपका सीआईडी विभाग कुछ जरूरत से ज्यादा ही सक्रिय है। उन्होंने कहा, मेरी सलाह है कि अपने अन्य सूत्रों से भी इस विभाग के कार्यकलापों पर नजर रखिये और

इसे एक्सटॉर्शन (जबरदस्ती वसूली) और व्यक्तिगत हित साधने का हथियार की तरह इस्तेमाल होने से बचाइये, ताकि विभाग की छवि और साख के साथ ही सरकार की प्रतिष्ठा भी बची रहे। मरांडी ने कहा कि आप (मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन) आंखें मूंदे रहेगें, तो कहीं ऐसा न हो कि एक दिन ये आपके लिये जी का जंजाल बन जाये। सोचा पहले की तरह यह बिन मांगी सलाह भी आपको दे ही दूं।

आईसीएआई जीपीटी से बदलेगा सीए प्रोफेशन का भविष्य : सुमित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की रांची शाखा की ओर से ऑडिट और टेक्नोलॉजी, कैसे आईसीएआई जीपीटी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को आगे बढ़ने में कर रहा है मदद विषय पर कमिटी फॉर एआई ऑन आईसीएआई के तत्वावधान में सेमिनार का आयोजन सीएमपीडीआई के कोयल हॉल में बुधवार को आयोजित किया गया। यह संगोष्ठी विशेष रूप से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और सीए छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। इस अवसर पर कोलकाता से पहुंचे सीए सुमित बिहानी ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को आईसीएआई जीपीटी के उपयोग पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी। उन्होंने बताया आज के डिजिटल युग में ऑडिट

और लेखांकन के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों की भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने इस दिशा में एक नई पहल करते हुए आईसीएआई जीपीटी टूल की शुरूआत की है, जो विशेष रूप से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की पेशेवर जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि आईसीएआई जीपीटी एक एआई आधारित जनरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफॉर्मर (जीपीटी) टूल है, जो सीए को तकनीकी, नियामकीय और अनुपालन संबंधी जटिलताओं को समझने और हल करने में सहायता करता है। यह टूल आईसीएआई और माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया गया है और इसमें विशेष रूप से आईसीएआई की कोर जानकारी, ऑडिट, जीएसटी, आयकर, लेखा मानक, कंपनी कानून से जुड़ी जानकारी को समाहित किया गया है। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में सीए अभिषेक केडिया ने भी उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित किया और तकनीकी प्रगति के इस युग में सीए पेशेवरों द्वारा तकनीक को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह सेमिनार सभी प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई। कार्यक्रम का संचालन सीए हरेंद्र भारती ने किया। सेमिनार को सफल बनाने में आईसीएआई, रांची शाखा के उपाध्यक्ष सीए अनीश जैन, कोषाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए दिलीप कुमार, सीपीई कमिटी के सदस्य सीए गौरव मुंजाल, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ऋषि बरुवा, सचिव अक्षत कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से निर्मला बहन ने की मुलाकात बांधा रक्षासूत्र

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को हरमू रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल को ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने रक्षासूत्र बांधा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की। राज्यपाल ने ब्रह्मकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना एवं महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

विधानसभा के समक्ष पांच अगस्त को धरना देगा मोर्चा

रांची : वित्त रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा अपनी दो सूत्री मांगों को लेकर पांच अगस्त को विधानसभा के सामने एक दिवसीय महाधरना देगा। महाधरना में राज्य भर के हजारों शिक्षक कर्मचारी भाग लेंगे। मोर्चा की मांगों में 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि के प्रस्ताव को मंत्रीपरिषद में रखना और राज्य कर्मी के कर्ज देने संबंधी कार्मिक विभाग के पत्र पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का कोई कार्रवाई नहीं करना शामिल है। यह निर्णय मोर्चा के अध्यक्ष मंडल की बैठक में बुधवार को लिया गया। उल्लेखनीय है कि 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि के प्रस्ताव पर विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद रिपोर्ट वित्त विभाग को भेजी गई थी। वित्त विभाग ने संलेख प्रस्ताव पर अपना सहमति देकर रिपोर्ट प्रशासी विभाग को भेज दिया। इसके बाद प्रशासी विभाग ने विदिक्षा के लिए विधि विभाग को संचिका भेज दिया। वहीं प्रशासी विभाग ने कैबिनेट की सहमति के लिए कैबिनेट भेज दिया। लेकिन अंततः मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद में मामले को नहीं रखकर रिपोर्ट को विमर्श के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव को भेज दिया। मोर्चा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने किस बिंदु पर सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से विमर्श करना चाहते हैं। मोर्चा का कहना है कि जब विधि विभाग सहित अन्य विभागों ने सहमति दे दी तो फिर शिक्षा सचिव से विमर्श का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। बैठक में निर्णय लिया गया किमोर्चा इस संबंध में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन देगा। इसके बाद पांच अगस्त को विधानसभा के सामने महाधरना दिया जाएगा। इसमें राज्यभर के मोर्चा के शिक्षक कर्मचारी भाग लेंगे। सात अगस्त को पूरे राज्य में इसे लेकर शैक्षणिक हड़ताल रहेगा और उस दिन स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे और गेट पर ताला लगा रहेगा। बैठक में कुंदन कुमार सिंह, रघुनाथ सिंह, हरिहर प्रसाद कुशवाहा, फजलुल कादरी अहमद, डॉ देवनाथ सिंह, गणेश महतो, नरोत्तम सिंह, रघु विश्वकर्मा,मनीष कुमार, मनोज कुमार, शीतल उरांव, संजय कुमार, पशुपति महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

आरटीआई से डरती है सरकार : विजय शंकर

रांची : झारखंडी सुचना अधिकार मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष सह आपुर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कही इन्होने आगे कहा की यह देश का संभवतः पहला राज्य होगा जहाँ सुचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रकिरिया पांच वर्षो से लंबित पड़ी है। मंच का मानना है की झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 को लागू करने में अपनी नाकामी को छिपा नहीं सकती। पिछले पांच वर्षों से राज्य सूचना आयोग को जानबूझकर पंगु बनाए रखा गया है। क्या सरकार को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 से एवं पारदर्शिता और जवाबदेही से डर लगता है। नायक ने आगे कहा की झारखंड राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के पद 2020 से रिक्त हैं। - लंबित आवेदन: हजारों आरटीआई आवेदन और अपीलें आयोग में धूल फांक रही हैं, जिनमें से 20,000 से अधिक मामले लंबित है । जबकि सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाई कोर्ट ने सरकार को आयुक्तों की नियुक्ति के लिए बार-बार निर्देश दिए, फिर भी अगस्त 2025 तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सूचना आयोग की निष्क्रियता के कारण 80 प्रतिशत से अधिक आरटीआई आवेदनों का समय पर निपटारा नहीं हुआ, जिससे नागरिकों के संवेधानिक अधिकारो का हनन हुआ। नायक ने यह भी कहा की कांग्रेस की उदासीनता ने यह शाबित किया है की कांग्रेस सिर्फ कानून बनाना जानती है उसे लागु करने में वह दिलचस्पी नही रखती है, क्योंकि कांग्रेस की केंद्र सरकार ने ही सुचना अधिकार कानून 2005 में काननु बना कर पुरे देश में लागु की थी आज झारखण्ड में 2020से सरकार की सहयोगी पार्टनर है मगर आज तक इस दिशा में कोई आवाज नही उठाई बीएस सत्ता का मलाई चाट कर वह सूचना का अधिकार अधिनियम कानून को खत्म करने में झामुमो सरकार को साथ देने का कार्य कर रही है। सूचना का अधिकार कानून लोकतंत्र का आधार है, जो नागरिकों को सरकार के कामकाज की जांच का हक देता है। लेकिन सरकार एवं कांग्रेसीयों की निष्क्रियता ने इस अधिकार को ठेंगा दिखाया है। आयोग के पास न आयुक्त हैं, न कर्मचारी, और न ही संसाधन। यह स्थिति संदेह पैदा करती है कि क्या सरकार जानबूझकर पारदर्शिता को दबाना चाहती है? सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बावजूद नियुक्तियों में देरी और लंबित मामलों का ढेर इस बात का सबूत है कि सरकार आरटीआई को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही।

व्यक्तित्व का निर्माण होता है वाणी और अंतःकरण के संतुलन से : परिपूणार्नंद

रांची : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची में कक्षा 11वीं के नवप्रवेशित छात्रों के लिए बुधवार को व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय की अनुशासनात्मक और सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत कराते हुए उनके व्यक्तित्व को समग्र रूप से विकसित करना था। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि स्वामी परिपूणार्नंदजी महाराज, आचार्य, चिन्मय मिशन को शिशु विकास मंदिर समिति के संरक्षक पवन मंत्री ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर समिति के मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने कहा कि यह शिविर छात्रों के भीतर आत्मचिंतन, लक्ष्य निर्धारण और नैतिक मूल्यों की भावना विकसित करने का माध्यम है। मुख्य अतिथि स्वामी परिपूणार्नंदजी महाराज ने कहा कि व्यक्तित्व का निर्माण वाणी, अंतःकरण, व्यवहार और भावनाओं के संतुलन से होता है। अध्यक्षीय आशीर्वचन में समिति अध्यक्ष शक्तिनाथ लाल दास ने कहा कि विद्या से विनय और विनय से गुणों की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कैरियर काउंसलर अजय कुमार सिंह, मनीष कुमार, कुंदन कुमार सिंह, राकेश पाठक और डॉ आरएस डे ने छात्रों को कैरियर की दिशा में मार्गदर्शन दिया। शिविर के समापन सत्र में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में डॉ धनेश्वर महतो, नर्मदेश्वर मिश्र, लाल अशोक नाथ शाहदेव, विनोद सिंह और उपप्राचार्या मीना कुमारी सहित समिति के कई सदस्य मौजूद थे।

बोकारो में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प तीन आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएस सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर 3 में सोमवार शाम दो गुटों के बीच हथियार से लैस होकर हुई हिंसक झड़प की सूचना पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह को मिली त्वरित कार्रवाई की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने नगर डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में पुलिस टीम को घटनास्थल पर भेजा। जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, झगड़ा कर रहे युवक इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने दो युवकों, मनु राय उर्फ मनु भुमिहार एवं हर्षित कुमार को मौके से गिरफ्तार किया। जब पुलिस इन्हें थाने ला रही थी, तभी लगभग 8-10 युवक तीन-चार बाइकों पर सवार होकर थाना गेट के पास पहुंचे। पुलिस को उन पर संदेह हुआ और उन्हें रोकने की कोशिश की गई, लेकिन सभी भागने लगे। इस दौरान एक युवक मुकुल ठाकुर को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान मुकुल ठाकुर के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक धारदार भुजाली बरामद हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह मनु भुमिहार और अमन यादव के कहने पर हथियार लेकर आया था ताकि गिरफ्तार साथियों को पुलिस से छुड़ाया जा सके। इस पूरे मामले को लेकर बीएस सिटी थाना में कांड संख्या 159/25, दिनांक 30.07.25 के तहत बीएनएस की धाराएं 132/162/163 और आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-इ)(̇)/26 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी:
मनु राय उर्फ मनु भुमिहार (उम्र 23) - पिताः मुकेश राय, पताः सेक्टर 12ऊ क्वार्टर नंबर-1233, हर्षित कुमार - पिताः मनोज कुमार, पताः को-ऑपरेटिव कॉलोनी, प्लॉट नंबर-168, मुकुल ठाकुर (उम्र 19) - पिताः संजय ठाकुर, पताः सेक्टर 8ऊ क्वार्टर नंबर-1609, नियर राय चौक

बरामद सामग्रीः
एक देशी कट्टा,एक जिंदा कारतूस, एक धारदार भुजाली, बुलेट मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या जे एच 09 ए बी 1007)

मनु राय का आपराधिक इतिहासः
वह पहले भी कई मामलों में आरोपी रह चुका है, जिनमें हत्या के प्रयास, मारपीट और आर्म्स एक्ट की धाराएं शामिल हैं। उस पर पहले दर्ज कांडों में बीएस सिटी थाना कांड संख्या 384/23, 259/24 और 237/24 शामिल हैं। एसपी हरविंदर सिंह ने प्रेस वार्ता में कहा कि किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा और शहर की शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एक नजर

जेपीएससी परीक्षा में सफल रहे मनीष को कोडरमा विधायक डॉ नीरा ने दी बधाई

कोडरमा : कोडरमा जिले के सतगावां निवासी मनीष कुमार के झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफलता अर्जित करने पर विधायक डॉ नीरा यादव ने सम्मानित करते हुए बधाई दी। बुधवार को अपने आवास पर विधायक ने मनीष का मुंह मीठा कराया साथ ही पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि यह सफलता मनीष की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर इच्छाशक्ति प्रबल हो, तो सफलता जरूर मिलती है। यह उपलब्धि संपूर्ण समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ नीरा यादव ने मनीष के पिता उमेश सिंह को भी सम्मानपूर्वक धन्यवाद दिया और कहा कि माता-पिता की भूमिका हर बच्चे की सफलता में अहम होती है। इस अवसर अन्य लोग भी उपस्थित रहे। सभी ने मनीष को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना किया। विधायक डॉ नीरा यादव ने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के होनहार बच्चों को आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहायता और प्रोत्साहन दिया जाएगा, ताकि वे आने वाले समय में कोडरमा जिला, राज्य और देश का नाम रोशन करें। ज्ञात हो कि साधारण परिवार में जन्मे सेवानिवृत शिक्षक उमेश प्रसाद सिंह के पुत्र मनीष कुमार ने साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत और लगन से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

पत्रकारों के लिए पेंशन योजना की मांग, धनंजय पुटूस ने सीएम को सौंपा मांग पत्र

कोडरमा : लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों के कल्याण की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक मांग पत्र सौंपा है। इस मांग पत्र के माध्यम से उन्होंने राज्य में झारखंड पत्रकार सम्मान पेंशन योजना लागू करने की मांग की है। उन्होंने अपने मांग पत्र में उल्लेख किया है कि पत्रकार आम नागरिक और शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा अपनी पूरी जिंदगी पत्रकारिता को समर्पित कर देते हैं। इसके बावजूद वृद्धावस्था में कई पत्रकार आर्थिक असुरक्षा का सामना करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हाल ही में बिहार सरकार ने वरिष्ठ पत्रकारों के लिए 15,000 प्रतिमाह की पेंशन और आश्रित जीवनसाथी को 10,000 प्रतिमाह की पेंशन देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जो अनुकरणीय है।

कसमार में बोकारो उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई

बोकारो : सहायक आयुक्त उत्पाद उमाशंकर सिंह के मार्गदर्शन में उत्पाद विभाग द्वारा कसमार थाना क्षेत्र के दांतू गांव में एक छापेमारी की गई। कार्रवाई का नेतृत्व निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल के नेतृत्व में किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित एक मकान से विभिन्न ब्रांडों की अवैध विदेशी शराब एवं शराब निर्माण सामग्री भारी मात्रा में बरामद की गई। जांच क्रम में यह जानकारी सामने आई कि कुंडौरी निवासी विनोद साव द्वारा इस स्थल पर अवैध रूप से विदेशी शराब का भंडारण किया जा रहा था।

ओल्ड जेवेरियन्स एसोसिएशन द्वारा रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेंट जेवियर्स स्कूल, बोकारो की 60वीं वर्षगांठ तथा संत इग्नाशियुस ऑफ लोयोला के पर्व के पावन अवसर पर, बोकारो ओल्ड जेवेरियन्स एसोसिएशन द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन स्कूल परिसर में किया गया। इस सामाजिक पहल में सदर अस्पताल, बोकारो का सहयोग प्राप्त है, जो जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों को निःशुल्क रक्त प्रदान करता है। बोक्सा के अध्यक्ष कृष्ण चंद ने कहा की इस शिविर का उद्देश्य थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चों, दुर्घटनाग्रस्त रोगियों और उन गरीब मरीजों के लिए रक्त एकत्र करना है जो महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सकते। यही सच्चा जश्न और यही इग्नाशियन भावना है। संत जेवियर्स स्कूल के प्रिन्सिपल फादर अरुण मिंज ने कहा कि इस आयोजन की प्रेरणा इग्नाशियन मूल्यों से मिली है, जो सेवा, न्याय, करुणा और दूसरों का सहयोग करने की शिक्षा देते हैं। इस भावना को साकार करते हुए, सेंट जेवियर्स स्कूल के पूर्व छात्र न केवल शिक्षा में बल्कि समाजसेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। यह रक्तदान शिविर उनके उस संकल्प का प्रमाण है। बोक्सा के सचिव साजन कपूर ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ स्कूल का 60वां जन्मदिन मनाना नहीं है, बल्कि अपने समाज को कुछ लौटाना भी है।

नई शिक्षा नीति के तहत अंग्रेजी शिक्षकों के लिए योग्यता निर्माण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पटना रिजन की ओर से नई शिक्षा नीति के तहत अंग्रेजी विषय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए योग्यता निर्माण निर्माण पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के नवाचार अपनाकर आसान तरीके से बच्चों को भाषा व साहित्य की शिक्षा देनी चाहिए। श्रवण, वाचन, पठन-पाठन, लेखन योग्यता आधारित प्रश्न वर्ग के अलावा विविध गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को शामिल कर व्यावहारिक ज्ञान दें। कहा कि अंग्रेजी भाषा का वैश्विक स्तर पर महत्व है। यह संचार का माध्यम है। साथ ही शिक्षा, व्यापार व करियर के अवसर के लिए जरुरी है। अंग्रेजी भाषा के ज्ञान से विभिन्न देशों की संस्कृतियों का अनुभव करना आसान हो जाता है। इसलिए विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना चाहिए। रिसोर्स पर्सन सैम्फर्ड स्कूल बोकारो की रिया मुखर्जी ने कहा कि अंग्रेजी सीखने से ज्ञान व सूचना तक बच्चों की पहुंच आसान हो जाती है। अंग्रेजी सीखना आज के दौर में एक महत्वपूर्ण कौशल है।, जो व्यक्तिगत विकास में सहायता करता है। साथ ही वैश्विक अवसर व अनुभव के लिए द्वार खोलता है। रिसोर्स पर्सन एमजीएम स्कूल की चंदा कुमारी ने अंग्रेजी में कहानी व कविता लेखन, कविता वाचन एवं सस्वर वाचन को सृजनात्मक तरीके से तैयार करने की कला बताया। शिक्षकों को समूह में बांट कर योग्यता आधारित प्रश्न पूछे गए। मौके पर उप प्रधानाध्यापक राखी बनर्जी, शैक्षणिक निदेशक जार्ज जोसफ, प्रशिक्षक समन्वयक चंचल कुमार आदि उपस्थित थे।

एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में आज बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय कोडरमा स्थित जिला न्याय सदन सभागार में पोक्सो एक्ट, जे जे एक्ट, ए डी आर, नालसा स्कीम एवं नये आपराधिक कानून 2023 से सम्बंधित एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया क मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित कुमार वैश, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार, प्रभारी जज इन्चार्ग ज्योत्सना पाण्डेय, एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया कयह कार्यक्रम कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी के कुशल मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया क इस एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता, मध्यस्थ, एल ए डी सी एस के अधिवक्तागण, विभिन्न थानों के पुलिस पदाधिकारीगण एवं पारा लीगल वोलेनटियर सहित अन्य लोगो ने उपस्थित होकर इस कार्यशाला में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की क कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए प्रधान जिला जज बाल कृष्ण तिवारी ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुचाने की दिशा में अधिवकता, पुलिस, पी एल वी की भूमिका अति महत्वपूर्ण है और इसके लिए सबो को कानून में निरंतर किये जा रहे बदलाव एवं अद्यतन नियमो की जानकारी होना आवश्यक है और इस कड़ी में इस प्रकार की कार्यशाला मील का पत्थर साबित होगा ।

डीपीएस में तरंग उत्सव का रंगारंग नृत्य संगम, छात्रों ने नवरस भावों से मोहा मन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो की सीनियर इकाई में चल रहे चार-दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव तरंग के दूसरे दिन बुधवार को छात्र-छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट नृत्य कौशल का परिचय दिया। अंतर सदन समूह-नृत्य प्रतियोगिता में सभी छह सदनों के विद्यार्थियों ने मानव जीवन के नवरस की अलग-अलग भावनाओं के जीवंत प्रस्तुतीकरण से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीआरपीएफ के उप महानिरीक्षक अमित कुमार सिंह, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार, वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण एवं उप प्राचार्या शालिनी शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। नृत्य प्रस्तुतियों की श्रृंखला जमुना सदन की टीम ने नवरस में से एक रौद्र रस पर आधारित नृत्य से शुरू की, जिसमें उन्होंने सती-बलिदान एवं शिव तांडव के माध्यम से क्रोध-भाव को प्रदर्शित किया। इसके बाद चेनाब हाउस के विद्यार्थियों ने शांत-रस पर आधारित अपनी प्रस्तुति में राजकुमार सिद्धार्थ के बुद्ध बनने की यात्रा को दशार्या। झेलम सदन की टीम ने भयानक रस पर आधारित नृत्य में मां काली द्वारा रक्तबीज-संहार, तो गंगा सदन के छात्र-छात्राओं ने श्रृंगार रस के तहत भगवान श्रीकृष्ण और राधा के प्रेम को दशार्या। वहीं, रावी हाउस की टीम ने अपने नृत्य में अद्भुत रस को प्रदर्शित करते हुए भगवान विष्णु के दशावतार, हिरण्यकश्यप-वध आदि का बेहतरीन मंचन कर सबकी भरपूर तालियां बटोरीं। अंत में सतलज हाउस की टीम ने वीर रस पर आधारित अपने नृत्य में छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य को दिखाया।

रोटरी क्लब कोडरमा का 67वां पदस्थापना समारोह भव्यता के साथ संपन्न, संतोष सिन्हा बने नए अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : रोटरी क्लब कोडरमा का 67 वा पद स्थापना समारोह शिव वाटिका झुमरी तिलैया में बड़े ही भव्य रूप से किया गया सत्र 25- 26 के अध्यक्ष संतोष सिन्हा एवं सचिव संदीप सिन्हा ने विधिवत रूप से रोटरी का चार्टर लेकर कॉलर पहनकर अपना पदभार संभाला सत्र 24 -25 के अध्यक्ष अमित कुमार ने अपना कार्यभार संतोष कुमार सिन्हा सोपा सेक्रेट्री प्रवीण मोदी ने अपना दायित्व सचिव संदीप सिन्हा को दिया मंच संचालन रोटेरियन अजय अग्रवाल ने किया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट अनु नारंग धनबाद थी विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय विधायक डॉ नीरा यादव जी थी पूर्व जिला गवर्नर संदीप नारंग धनबाद मुख्य रूप से अतिथि के रूप में उपस्थित थे मंच संचालन पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अजय अग्रवाल ने किया सर्वप्रथम राष्ट्रगान के साथ सभा की शुरूआत हुई मंच पर बैठे सभी पदाधिकारी ने दीप प्रज्वलित किया मॉडर्न पब्लिक स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया सत्र 24-25 अध्यक्ष अमित कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी प्रथम महिला शिल्पी गुप्ता ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अनु नारंग जी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया 25-26 के अध्यक्ष संतोष सिन्हा एवं उनकी धर्मपत्नी प्रथम महिला रूपा रानी ने डॉ नीरा यादव जी को पुष्प गुच्छ भेंट किया 24 - 25 सत्र की असिस्टेंट गवर्नर संगीता शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया आज के कार्यक्रम के परियोजना निदेशक पब्लिक रिलेशन के डायरेक्टर नवीन जैन थे जिन्होंने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की पद स्थापना समारोह में विशेष रूप से आमंत्रित नवादा से आए असिस्टेंट गवर्नर नवीन सिन्हा हजारीबाग जागृति क्लब के अध्यक्ष सचिव डोमचांच सैटेलाइट रोटरी क्लब अध्यक्ष सचिव को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया सचिव प्रवीण मोदी ने सत्र 24-25 के 1 वर्ष में किए जाने वाले सभी सामाजिक सेवा कार्यों को बताया 24-25 के अध्यक्ष अमित कुमार ने अपने स्वागत भाषण के द्वारा पूरे वर्ष में सेवा के क्षेत्र में अच्छे कार्य किए जाने वाले चयनीत रोटेरियन के नाम की घोषणा की गई मुख्य अतिथि अनु नारंग विशिष्ट अतिथि विधायक नीरा यादव जी एवं अमित कुमार के द्वारा सभी को अवार्ड दिया गया अवार्ड की घोषणा का मंच संचालन रोटेरियन मोहक सुल्तानिया एवं प्रवीण मोदी ने किया मुख्य अतिथि अनु नारंग ने सत्र 25-26 के अध्यक्ष और सचिव को मंच पर उनका पदभार ग्रहण और शपथ दिलाया अध्यक्ष संतोष सिन्हा ने नए सत्र 25-26 का स्वागत भाषण देते हुए कहां की रोटरी इस वर्ष सेवा के सभी क्षेत्र शिक्षा स्वास्थ्य स्वच्छता पर्यावरण के क्षेत्र में बृहद रूप में कार्य करेगी उन्होंने अपने टीम डायरेक्टर की घोषणा की सभी को रोटरी का पिन पहनाया गया और इस वर्ष समाज सेवा के क्षेत्र में अच्छे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया यूथ विंग रोटरी के सदस्य शैलेश दारूका ने मुख्य अतिथि अनु नारंग का परिचय दिया पूर्व अध्यक्ष रितु सेठ ने विशिष्ट अतिथि नीरा यादव का परिचय दिया मुख्य अतिथि अनु नारंग धनबाद ने अपने संबोधन में कहा की अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना ही रोटरी क्लब की पूंजी है समाज सेवा के क्षेत्र में हमेशा जरूरतमंद व्यक्ति को लाभ मिले तभी मानवता की सेवा का सच्चा कार्य होता है।

संक्षिप्त खबरें

गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल,बोकारो के प्रांगण में छात्र परिषद का भव्य प्रदर्शन

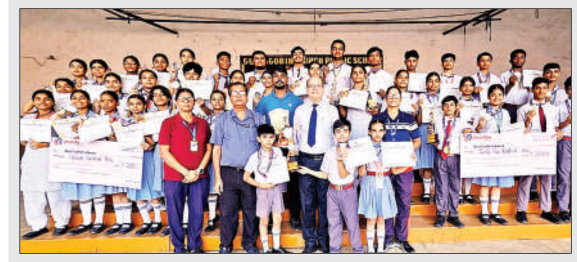

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल,बोकारो के प्रांगण में एक विशिष्ट प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ जिसके अंतर्गत छात्र परिषद के छात्रों द्वारा भव्य प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन छात्र परिषद में चुने गए छात्रों के द्वारा संपन्न हुआ जिसमें सभी सदनों के चुने गए कैप्टन तथा बाकी सदस्यों ने अपना-अपना झंडा लेकर बैंड की ध्वनि पर सधे हुए कदमों से संपूर्ण विद्यालय की परिक्रमा की। साथ ही डी.ए.वी. सेक्टर 6 (बोकारो) में आयोजित जूडो की प्रतियोगिता में गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल,बोकारो के बच्चों ने सेकंड रनर की उपाधि प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। इन उपलब्धियों में 18 गोल्ड, 10 सिल्वर तथा 20 ब्रांज मेडल से बच्चों को सम्मानित किया गया है। कुल 48 मेडल जीतकर बच्चों ने द्वितीय रनर की उपाधि प्राप्त की। पांच बेस्ट प्लेयर्स अवार्ड भी मिला जिसमें अनुष्का एवं दीपशिखा को 2500.00 नगद तथा तस्मिया, चंद्रशेखर और सुनिधि को 1500.00 नगद इनाम की प्राप्ति हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य, सौमेन चक्रवर्ती ने बच्चों को आशिर्वाद देते हुए कहा कि आप हमेशा तरक्की करते रहिए और जो बच्चे इन खेलों में भाग नहीं ले रहे हैं वह भी आगे आएं । विद्यार्थी परिषद को भी प्रधानाचार्य ने बधाई दी एवं आगे सुचारू रूप से अपने कार्य को करने की प्रेरणा भी दी। जी.जी.ई.एस, अध्यक्ष, श्रीमान तरसेम सिंह जी ने विद्यार्थी परिषद को बधाई दी एवं जूडो वाले बच्चों को भी बहुत-बहुत साधुवाद दिया।

सभी ट्रेड युनियनों ने बीएसएल विस्तारीकरण के लिए पीएम को पत्र लिखकर अभियान को दिया समर्थन

बोकारो : स्टील प्लांट के सभी ट्रेड यूनियनों ने इसके विस्तारीकरण परियोजना को प्रारंभ करवाने एवं बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनवाने के लिए प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख कर इसके लिए चलाए जा रहे महाहस्ताक्षर अभियान का समर्थन किया है। अभियान के संयोजक कुमार अमित के पहल पर इंटक के वीरेंद्रनाथ चौबे, श्री किम्स के राजेन्द्र सिंह, श्री एटक के श्री विद्यासागर गिरी एवं श्री रामाश्रय प्रसाद, बीएमएस के रंजय कुमार, बीडू के श्री संदीप कुमार, बीएकेएस के श्री हरिओम एवं बोकारो कर्मचारी पंचायत के रामाकान्त वर्मा, बोकारो मजदूर समाज के राजेश महतो आदि ने प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिखा। इनके अलावे रोटरी क्लब के श्री नरेन्द्र सिंह, प्लांट होल्डर एसोसिएशन के राजेन्द्र विश्वकर्मा, सिटी सेंटर ट्रेडर्स एसोसिएशन के ज्योति प्रकाश द्विवेदी एंव बैंकर्स एसोसिएशन के सिद्धेश नारायण दास ने भी प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख कर बोकारो के विकास के लिए इस अभियान में अपने संगठन का समर्थन दिया। इसके पूर्व होमगार्ड, पूर्व सैनिकों, निजी विद्यालयों का एसोसिएशन सहोदया एवं अयप्पा सेवा संगम ने भी इस अभियान का समर्थन किया है। कुमार अमित ने सभी को आगामी 03 अगस्त को सेक्टर 2 कला केन्द्र में इस अभियान के समर्थन में आयोजित होने वाले संगोष्ठी कार्यक्रम में आने का आमंत्रण दिया है। सभी ने इस संगोष्ठी मे शामिल होने की बात कही है। कुमार अमित ने बताया कि बोकारो के विकास और यहाँ के बेरोजगार एवं विस्थापित युवाओं के रोजगार हेतु विस्तारीकरण और बीजीएच के बेहतरी के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के तहत सामाजिक संगठनों से मिलने का क्रम जारी रहेगा।

एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

कोडरमा : जिले के के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोडरमा अंतर्गत आने वाले क्षेत्र की सभी सहिया साथी/सहिया का जिला भीड्डवीड्डडीड्ड पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार के निदेर्शानुसार एवं डॉ आरड्ड पीड्ड शर्मा ,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक दिवसीय भीड्डवीड्डडीड्ड री-ओरिएंटेशन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सहिया साथी/ सहिया को अपने क्षेत्र में वेक्टर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू ,फाइलेरिया आदि रोगों से बचाव एवं बुखार से पीड़ित मरीजों का आरड्डडीड्डकेड्ड के माध्यम से मलेरिया जांच की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। बुखार पीड़ित मरीज का रक्त पट्ट तैयार करना एवं स-समय प्रयोगशाला मे जांच हेतु भेजना साथ ही एम-1 एम-2 फॉर्मेट का संधारण प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के उपरांत भीड्डवीड्डडीड्ड पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने निर्देश दिया कि सभी सहिया साथी/सहिया को अपने-अपने क्षेत्र में भीड्डवीड्डडीड्ड से संबंधित कार्यो को स-समय पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगी। ताकि उक्त मरीज को उचित उपचार प्रदान किया जा सके एव समय रहते भीड्डवीड्डडीड्ड से होने वाले रोगों के प्रसार को रोका जा सके।

बोकारो में ज्वेलर्स लूटकांड का पदार्फाश पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार किए आरोपी

बोकारो : जिले के चास थाना क्षेत्र के बाईपास रोड स्थित आस्था ज्वेलर्स में 23 जून, 2025 की शाम करीब 6 बजे डेढ़ करोड़ रुपये की लूट की वारदात का पुलिस ने बड़ा खुलासा कर दिया है। इस लूटकांड को चार हथियारबंद अपराधियों ने महज कुछ मिनटों में बेहद व्यस्त इलाके में अंजाम दिया था। अपराधी दो बाइकों पर आये और दुकान मालिक व स्टाफ को पिस्तौल दिखाकर सोने-चांदी के जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। घटना के तुरंत बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम बनाई गई और छानबीन शुरू की गई। सीसीटीवी व तकनिकी साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर छह अपराधियों को बिहार के अलग-अलग जिलों से गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से लूटे गए गहने , करीब 13,820 रुपये नकद, एक डिजायर कार, चोरी की बाइक और मोबाइल जब्त किए गए हैं।

एक नजर

झारखंड विश्वविद्यालय विधेयक- का अभाविप ने किया विरोध

हजारीबाग : बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हजारीबाग द्वारा हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें उक्त विधेयक कुलपति एवं विश्वविद्यालयों की नियक्ति प्रणाली में प्रस्तावित संशोधनों पर गहरी आपत्ति जताई गई है। परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि यह विधेयक राज्य सरकार को विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक, प्रशासनिक और नियुक्ति संबंधी मामलों में असीमित अधिकार देने का प्रयास है, जिससे न केवल शिक्षा की स्वायत्तता पर आघात होगा, बल्कि विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। परिषद ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि कुलपति, शिक्षक और अन्य शैक्षणिक पदों की नियुक्ति पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में आ जाएगी।

पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के तहत हो रहे विकास कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बुधवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में रामगढ़ जिले में पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत संचालित विभिन्न कार्यकारी एजेंसीयों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली एवं सभी कार्यकारी एजेंसियों को उनके तहत किए जा रहे हैं योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। डीएमएफटी के माध्यम से संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने

अब तक हुए कार्यो की विस्तार से जानकारी ली एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत योजनाओं को पूर्ण कराने का निर्देश दिया वहीं बैठक के दौरान उपायुक्त ने उपस्थित सभी सहायक अभियंता को योजनाओं का समय-समय पर निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। पर्यटन विकास की दिशा में जिले में हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पर्यटन स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की एवं उन्हें जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त ने जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अलग-अलग स्थलों पर ट्रेकिंग साइट, इको टूरिज्म साइट चिन्हित करने को लेकर चर्चा के क्रम में आवश्यक निर्देश दिए। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने रामगढ़ जिले के अलग-अलग क्षेत्र में जिला व प्रखंड स्तरीय खेल स्टेडियम निर्मित करने, सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अखरा निर्माण करने को लेकर भी चर्चा के क्रम में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त रामगढ़ आशिष अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद, गोपनीय प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं, सहायक अभियंताओं, प्रखंड विकास पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

झारखंड में मॉब लिंचिग घटना लगातार जिम्मेदार कौन : रंजन यादव

अनगड़ा : झारखंड प्रदेश समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि झारखंड प्रदेश ने मुसलमानों के साथ में लगातार मॉब लिंचिग की घटना हो रही और विशेष तौर पर निशाना बनाया जा रहा है जो सरकार की लचर शासन व्यवस्था का यह परिचय हैं सवाल अहम है कि आए दिन पूरे प्रदेश मे कोई ना कोई जिला से मॉबलिंचिग घटना की खबरें सामने आती हैं और किसी तरह का आरोप लगाते हुए हत्या कर दी जा रही है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से विफल नजर आ रही हैं और इस तरह की घटना एक समुदाय को निशाने पर लेना भाजपा के साजिश के साथ साथ हेमंत सरकार की भी नाकामी है। समाजवादी पार्टी इस तरह की घटना को लेकर पहले भी माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप चुकी है और साथ ही मृतक परिवार के साथ पार्टी गहरी संवेदना रखती हैं और मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को विशेष तौर से जानकारी देते हुए पार्टी अपराधियों के विरोध कड़ी कार्रवाई करने की मांग करती हैं।

कांवरिया शिविर का हुआ आयोजन

सिल्ली : जेनरिक फॅमिली फाउंडेशन सेंट्रल कमिटी के अभय कुमार मांझी चैयरमेन सोशल एंड मीडिया के दिशा निर्देश पर जेनरिक फॅमिली फाउंडेशन बरहरवा जोन के पी यू मेडिकल एजेंसी और बी आर फार्मा बसंत कुमार महतो उपाध्यक्ष जीएफएफ सेंट्रल कमिटी के सौजन्य से कांवड़ यात्रियों के सेवा में कांवरिया शिविर का आयोजन किया गया जो प्रत्येक सप्ताह के शनिवार एवं रविवार को सेवा दी जाती है जिसमें यात्रियों को दवा के साथ शर्बत, पानी की व्यवस्था भी की जा रही है। बरहरवा जोन द्वारा मानवहित में की जा रही इस कार्य को जीएफएफ सेंट्रल टीम के सभी पदाधिकारियों ने काफी सराहा है।

मानव तस्करी को संगठित होकर ही रोका जा सकता है : प्रखंड विकास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के सभा कच्छ में रेलवे सुरक्षा बल तथा वनवासी विकास आश्रम के संयुक्त प्रयास से मंगलवार को मानव तस्करी विरोध दिवस पर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें कई रेल यात्री अधिकारी सामान्य लोग तथा बुद्धिजीवी उपस्थित हुए। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिया ललित नारायण तिवारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव तस्करी सभ्य समाज के लिए एक कलंक के रूप में है जो पूरे विश्व में फैला हुआ है। इसके रोकथाम के लिए आम जनमानस को शिक्षित तथा जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि मानव तस्करी एक संगठित

अपराध है इसकी रोकथाम संगठित होकर ही किया जा सकता है। इन्होंने कहा कि इसे रोकने के लिए विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। आज इस धंधे से जुड़े लोग लोगों को बल प्रयोग कर या अपहरण धोखाधड़ी कर ले जाते हैं ।उन्हें उचित शिक्षा तथा नौकरी दिलाने के नाम पर यौन शोषण भीख मांगना बाल विवाह अंग निकालना जैसी निकृष्ट कार्य किए जाते है। इसमें अधिकतम महिलाएं तथा बच्चे इसके शिकार होते हैं इस प्रकार की घटनाएं पिछले दिनों कोडरमा स्टेशन में भी घट चुकी है। ऐसे में इस प्रकार के अपराध को रोकने में रेलवे पुलिस की भूमिका बढ़ जाती है। वहीं मानव तस्करी को रोकने में मीडिया सोशल मीडिया सामाजिक राजनीतिक संगठन सरकारी गैर सरकारी कर्मियों को आगे आने की आवश्यकता है। वहीं लोगों को संबोधित करते हुए आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने कहा कि मानव तस्करी कई रूप हैं।

गिरिडीह में 30 अगस्त, 2025 को मासिक व विशेष लोक अदालत का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : माननीय झालसा, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह, मार्तंड प्रताप मिश्रा के मार्गदर्शन में 30 अगस्त, 2025 को व्यवहार न्यायालय परिसर, गिरिडीह में मासिक लोक अदालत के साथ-साथ एनआई एक्ट, परिवारवाद, भू-राजस्व, भूमि अधिग्रहण और मोटर दुर्घटना क्लेम मामलों पर विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल आयोजन हेतु बुधवार को विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अष्टम रवि शंकर मिश्रा और सप्तम मधुरेश कुमार वर्मा ने अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन पर जोर दिया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सफदर अली नैयर ने बताया कि आमजनों और पक्षकारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत में एनआई एक्ट, परिवारवाद, भू-राजस्व, भूमि अधिग्रहण और मोटर दुर्घटना वाद से संबंधित मामलों का निष्पादन पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जाएगा। इसके लिए सुलहनीय मामलों को चिन्हित कर पक्षकारों को नोटिस जारी करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। श्री नैयर ने मीडिया से अपील की कि वे लोक अदालत के प्रचार-प्रसार में सहयोग करें ताकि यह आयोजन सफल हो सके।

धर्मांतरण पर बवाल: झामुमो की शिकायत पर गुंजन यादव का पलटवार, मिशनरी एजेंडे का विरोध तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा जिला के उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने और कार्रवाई की मांग पर भाजपा जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। गुंजन यादव ने झामुमो पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग ईसाई मिशनरी के एजेंडे को हवा देने में लगे हैं, उनके मंसूबे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिए जाएंगे। मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में गुंजन यादव ने कहा कि विभिन्न सोशल मीडिया स्त्रोत से जानकारी मिली है कि झामुमो के नेताओं ने उनकी शिकायत जिले के उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक से की है। गुंजन यादव ने आगे कहा कि जमशेदपुर एक शांतिप्रिय औद्योगिक नगरी है, यहां सर्व समाज के लोग रहते हैं। हम किसी की पूजा-

पद्धति के खिलाफ नहीं हैं। ईसाई समाज अपने चर्च में प्रार्थना करें, किसी को आपत्ति नहीं है। लेकिन हिंदू बहुल बस्तियों में धर्मांतरण का एजेंडा लेकर प्रार्थना सभा के नाम पर भोले भाले लोगों माइंड वाश किया जाएगा तो उसका विरोध हर हाल में किया जाएगा। उन्होंने झामुमो पर हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा इस राज्य को विदेशी ताकतों के हाथों सौंपना चाह रही है। आदिवासी और दलित इलाकों में मिशनरियों की चादर फैलाकर लोगों का धर्मांतरण कराना एक सुनियोजित षड्यंत्र है जिसे भाजपा कत्तई बर्दाश्त नहीं करेगी। ये चादर और फादर सरकार के मंसूबे धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर सफल होने नहीं देंगे, जिन्होंने ईसाई मिशनरियों और धर्मांतरण का आजीवन विरोध किया। पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन यादव ने जोर देकर कहा कि झारखंड में धर्मांतरण निषेध कानून लागू है लेकिन अबुआ सरकार में कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है। वे हर हाल में धर्मांतरण का सख्ती से विरोध करेंगे, चाहे इसके लिए उनके ऊपर कितनी भी कार्रवाई क्यों न हो। वहीं, अटल मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलने के निर्णय पर भाजपा युवा मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर विरोध किये जाने पर झामुमो की शिकायत को लेकर उन्होंने कहा कि झामुमो एक पुतला दहन से घबरा गई है जो खुद को आंदोलन की उपज की संज्ञा देती है।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह ने सोल्लास मनाया मधुश्रावणी उत्सव सह सखी दिवस

बोकारो : सखी बहिनपा मैथिलानी समूह बोकारो इकाई द्वारा मंगलवार अपराह्न सेक्टर 4 सिटी सेंटर में मधुश्रावणी उत्सव सह सखी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। सखी बहिनपा, बोकारो इकाई अध्यक्ष अमिता झा, महासचिव उषा झा, सांस्कृतिक प्रभारी जयंती पाठक, कोषाध्यक्ष सुजाता झा, मीडिया प्रभारी संजीता भुवनेश व रेखा झा सहित अन्य सदस्याओं की सक्रिय सहभागिता से आयोजित इस कार्यक्रम में गीत, संगीत, नृत्य व गेम के साथ ही कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। महासचिव उषा झा ने स्वागत भाषण में सभी को मधुश्रावणी उत्सव व सखी दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ इंदिरा झा, अमिता झा, किरण मिश्रा, लीला झा व मंजू कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ। सभी ने महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना गोसाओनिक गीत जय जय भैरवि... की सुमधुर प्रस्तुति की।

सपने में दर्शन के बाद जमीन के भीतर से प्रकट हुआ था शिवलिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : सावन माह में भगवान भोलेनाथ की पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। पूरे सावन बड़ी संख्या में भक्त कांवर पदयात्रा और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। चंदवारा के पूतो स्थित दोमुहानी नदी के तट पर बने शिव मंदिर, दोमुहानी धाम जो बैकुंठ धाम के नाम से भी काफी विख्यात है। सावन के पहले दिन से लेकर यहां अखंड हरिकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। जो सावन के अंतिम दिन तक जारी रहेगी. धाम परिसर में शिवलिंग के अलावे भगवान शंकर और माता पार्वती, गणेश जी, संतोषी माता, विष्णु जी, लक्ष्मी जी, राम जी, लक्ष्मण जी, सीता माता, हनुमान जी, गायत्री माता समेत अन्य कई देवी-देवताओं की प्रतिमा धाम प्रांगण में स्थापित हैं। सपने में दिखा था शिवलिंग, खेत में खुदाई के बाद प्रकट हुए थे भोलेनाथ

धाम परिसर में पूजा करने के लिए पहुंचने वाले लोगों के लिए पीतल का लोटा एवं पुरुषों के लिए निःशुल्क गमछा की व्यवस्था की गई है। मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 1972 में झरिया देवी ने एक कलश रखकर इस मंदिर की स्थापना की थी। इसके बाद बैकुंठ धाम का निर्माण रेवल कुम्हार और भागू यादव ने किया। मंदिर कमेटी के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार पांच दशक पहले रेवल कुम्हार को सपने में भगवान भोले शंकर ने दर्शन दिया था और खेत में जमीन के नीचे पड़े शिवलिंग को स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू करने का आदेश दिया था। जिसके बाद सपने में मिली जानकारी के आधार पर जमीन की खुदाई के दौरान शिवलिंग के दर्शन हुए जिसके बाद इसे दोमुहानी नदी के तट पर शिवलिंग को स्थापित कर इसकी पूजा अर्चना शुरू किया गया जो आज भी अनवरत जारी है।

समस्याओं के समाधान और संतान प्राप्ति के लिए कई महीनों तक धरना देते हैं लोग

दिन प्रतिदिन बैकुंठ धाम पर लोगों की बढ़ती आस्था के परिणाम स्वरूप जिले के विभिन्न इलाकों के अलावा दूसरे राज्यों से भी कई लोगों ने दान स्वरूप सहयोग राशि देकर मंदिर परिसर को भव्य एवं आकर्षक रूप प्रदान किया है। इस धाम में लोग अपनी समस्याओं के समाधान एवं मन्नत पूरी होने के लिए कई महीनों तक मंदिर परिसर में धरना देते हैं। मंदिर से जुड़े पुजारी ने बताया कि कई बार लोगों की मन्नत एक महिनें में पूरी हो जाती है कई बार लोग एक साल तक भी मंदिर में मन्नत पूरा होने के लिए धरना देते हैं। पुजारी ने बताया कि यदि कोई एक बार धरना में बैठ जाता है तो उसे मन्नत पूरी होने से पहले घर जाने की इजाजत नहीं होती है। बैकुंठ धाम में खासकर निसंतान दंपतियों का तांता लगा रहता है। इसके अलावा अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी लोग बैकुंठ धाम में धरना देते हैं। धरना के दौरान लोगों के द्वारा मंदिर परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस दौरान लोग बैकुंठ धाम परिसर में स्थापित विभिन्न देवी देवताओं की भक्ति में लीन रहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

दुष्कर्म पीड़िता बच्ची से मिलीं विधायक, इलाज और न्याय की मांग तेज

जमशेदपुर : परसुडीह क्षेत्र में पांच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म की घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही मंगलवार को जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू सदर अस्पताल पहुंचीं और पीड़िता एवं उनके परिवारजनों से मिलकर बच्ची का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने सिविल सर्जन से भी मुलाकात की और बच्ची के बेहतर इलाज, सुरक्षा और मानसिक काउंसलिंग के अस्पताल में ही तत्काल व्यवस्था करने की बात कही। इस दौरान विधायक पूर्णिमा साहू ने इस जघन्य अपराध को समाज और मानवता के लिए कलंक बताते हुए कहा कि पांच साल की बच्ची के साथ इस प्रकार की घटना होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उससे भी ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि स्थानीय थाना ने प्रारंभ में इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। पुलिस की ऐसी निष्क्रियता और संवेदनहीनता बेहद चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के माता-पिता को थाना की ओर से बार-बार दबाव दिया जा रहा है कि वे बच्ची को अस्पताल से डिस्चार्ज करा लें। इस पर नाराजगी जताते हुए विधायक ने कहा कि डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर से बात हुई है जब तक बच्ची पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाती और उनके परिजन इलाज से संतुष्ट नहीं हो जाते हैं तब तक उसे अस्पताल से डिस्चार्ज नहीं किया जाएगा। बच्ची के मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अस्पताल में ही काउंसलिंग की व्यवस्था की जा रही है। विधायक पूर्णिमा साहू ने बताया कि घटना के बाद भाजपा कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के दबाव के बाद ही पुलिस हरकत में आई और शुक्रवार की इस घटना पर रविवार रात को मामला दर्ज किया गया।

हेमजापुर को नए प्रखंड का दर्जा मिले- बलदेव प्रसाद सिंह

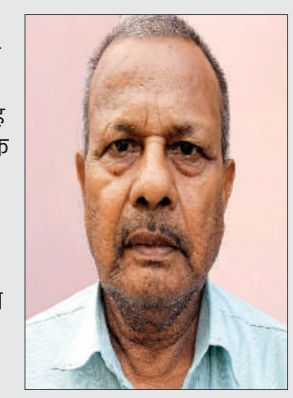

धरहरा : हेमजापुर को नए प्रखंड का दर्जा मिले। उक्त बातें नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन बिहार के प्रदेश संरक्षक बलदेव प्रसाद सिंह ने कही। साथ ही उन्होंने कहा कि मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड अंतर्गत हेमजापुर को नए प्रखंड की दर्जा देने की मांग पिछले दो दशकों से हेमजापुर पंचायत के अगल बगल क्षेत्र के निवासियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कर चुके हैं। नए प्रखंड का निर्माण क्षेत्र निर्माण का कारण क्षेत्र का विकास के साथ-साथ प्रखंड मुख्यालय की दूरी है। इसके लिए बताया जाता है कि धरहरा प्रखंड के 13 पंचायत में 10 पंचायत पहाड़ी इलाका है और तीन पंचायत हेमजापुर, बाहाचौकी, शिवकुंड गंगा के किनारे है दोनों का बसावट अलग-अलग है इसलिए इस गंगा किनारे के क्षेत्र का विकास नहीं हो पाता है।

राधारमण महोत्सव के अवसर पर भव्य नगर कीर्तन सह आमंत्रण यात्रा

मुरी : आगामी श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर एक,दो,तीन और चार अगस्त को नगर संकीर्तन सा आमंत्रण यात्रा नगर के प्रमुख चौराहों,बाजारों व मंदिरों से प्रारंभ किया जाएगा जिसका नेतृत्व दास गदाधर प्रभु, सुबल प्रभु,करूणावतार प्रभु, भद्रंग प्रभु,मथुरा मोहन प्रभु,चारु प्रभु,सचिसूत प्रभु एवं नटराज प्रभु समेत 200 से अधिक भक्ति वेदांत विद्या भवन गुरुकुल कुटाम के ब्रह्मचारी बालक इस पवित्र यात्रा में संकीर्तन व झांकी स्वरूप सहभागी होंगे। यात्रा के दौरान विशेष आकर्षण के रूप में हर नगर में झांकियां,नृत्य संकीर्तन,भक्ति की झलक, संस्कृति की झंकार इत्यादि रहेगा। महोत्सव का मुख्य आयोजन 9 अगस्त से नौ दिवसीय यज्ञ श्री कृष्ण कथा, भगवान का अभिषेक,पुष्पाभिषेक और हरि नाम संकीर्तन के साथ संपन्न होगा। प्रभु द्वारा बताया गया कि यह यात्रा भक्तों द्वारा आयोजित की जा रही है जिससे अधिक से अधिक जनमानस को श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं राधा रमन महोत्सव के निमंत्रण से जोड़ा जा सके।

कार्यालयः—वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल, गुमला
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115 Pin Code - 835207

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि M/s Twenty First Century Mining Private Limited द्वारा Tokisud II Coal Mines परियोजना हेतु वनभूमि अपयोजन के बदले गुमला जिला अन्तर्गत मौजा—धनगांव, अंचल—गुमला, थाना—गुमला, जिला—गुमला के खतियानी रैयत (1.) श्री बलभद्र नन्द उर्फ बलभद्र नंदा, पिता—स्व0 राजकेश्वर नंदा उर्फ राजकिशोर नन्द, ग्राम—तेपरी बसा, बांसजोर, थाना—बांसजोर, जिला—सिमडेगा (2.) श्री सत्यानाराण नन्दे, पिता—स्व0 ऋशिकेश नन्द, ग्राम—धनगांव, पो0—करौंदा, थाना—गुमला, जिला—गुमला (3.) श्री प्रभात नन्द उर्फ प्रभात कुमार नंदा, पिता—स्व0 अनंत नंदा उर्फ अनंतद नन्द, ग्राम—धनगाँव, पो0—करौंदा, थाना—गुमला, जिला—गुमला (4.) श्री अजीत कुमार नंद, पिता—स्व0 अनंत नंदा, ग्राम—डी0एस0पी0 मार्ग, जवाहर नगर, गुमला, (5.) श्री अश्विनी नन्द उर्फ अश्विनी कुमार नन्दा, पिता—स्व0 अनंत नंदा उर्फ अनंत नन्द, ग्राम—धनगांव, थाना—गुमला, जिला—गुमला (6.) निशि नन्द, पति—स्व0 उदय कुमार नन्द, ग्राम—किसेंट टावर, एस ई—3, साउथ ऑफिस पारा, डोरंडा, जिला—राँची से क्षतिपूरक वनरोपण हेतु वन विभाग को उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से उपयुक्तता प्रमाण—पत्र प्राप्त करने के उपरांत वर्णित रैयत से भूमि क्रय करने के उपरांत निबंधन केश सं0—2025/Gum/685/BK1/670, 2025/Gum/686/BK1/671 एवं 2025/Gum/687/BK1/672 तथा नामांतरण केस सं0—364/R27 2025-26, 365/R27 2025-26 एवं 366/R27 2025-26 द्वारा रैयती भूमि का खाता सं0—58, प्लॉट सं0—1222, 2089 एवं 2090 का कुल रकबा—14.51 एकड़ को अपने पक्ष में करा लिया है जो निम्नवत है:—

क्र0सं0	ग्राम का नाम	थाना / थाना सं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा (एकड़ में)
1.	धनगांव	गुमला / 86	58	1222	1.00
2.				2089	2.68
3.				2090	10.83
				कुल रकबा:—	14.51 एकड़

तदोपरांत M/s Twenty First Century Mining Private Limited द्वारा उपरोक्त भूमि का कुल रकबा 14.51 एकड़ को वन विभाग के पक्ष में निबंधन, नामांतरण एवं हस्तांतरण की कार्रवाई किये जाने हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आवेदन समर्पित किया गया है।

उपरोक्त भूमि को वन विभाग के पक्ष में निबंधन नामांतरण एवं हस्तांतरण होने से खतियानी रैयत के संबंधी / रिश्तेदार को यदि किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के कार्यालय में कार्य दिवस की कार्यालय अवधि (10:00 बजे पूर्वाहन से 5:00 अपराह्न तक) में अपना आपत्ति / शिकायत संबंधी आवेदन आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के अन्दर समर्पित करेंगे, अन्यथा यह माना जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है। 07 दिनों की अवधि समाप्ति के उपरांत आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

:—वन है,तो जीवन है—:

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल, गुमला।

PR 358590 (Forest, Environment and Climate Changes) 25-26 (D)

यूपी में नए मुख्य सचिव के लिये तीन नामों पर जोरदार चर्चा

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव (चीफ सेक्रेटरी) मनोज कुमार सिंह का 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने का समय निकट आ रहा है, और इस समय उनके उत्तराधिकारी के चयन को लेकर राजनीति और प्रशासन में चर्चा का माहौल गर्म है। मनोज कुमार सिंह ने राज्य सरकार के प्रशासनिक तंत्र में लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनके कार्यकाल को लेकर राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से सेवा विस्तार का प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव की स्वीकृति अभी बाकी है, और यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो मनोज कुमार सिंह का कार्यकाल छह महीने के लिए और बढ़ सकता है। हालांकि, यदि सेवा विस्तार नहीं मिलता, तो राज्य सरकार को नया मुख्य सचिव नियुक्त करना होगा। जिसको लेकर चर्चा भी शुरू हो गई है। खासकर तीन आईएएस अधिकारियों के नाम की चर्चा सबसे अधिक हो रही है।

1. एसपी गोयल - 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी
एसपी गोयल का नाम इस समय मुख्य सचिव के पद के लिए सबसे प्रमुख नामों में शुमार है। वे 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं। उनकी प्रशासनिक कड़ी पकड़ और मुख्यमंत्री के साथ करीबी संबंधों को देखते हुए उनका नाम चर्चा में है। उत्तर प्रदेश के प्रशासन में एसपी गोयल की मजबूत स्थिति और मुख्यमंत्री के साथ उनके संबंधों ने उन्हें इस पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार बना दिया है।एसपी गोयल की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कई महत्वपूर्ण मामलों पर मिलकर काम कर चुके हैं और प्रशासनिक फैसलों के संदर्भ में उनका दृष्टिकोण हमेशा प्रासंगिक और सटीक रहा है। इस कारण से, उनके बारे में यह माना जा रहा है कि वे अगर मुख्य सचिव बनते हैं, तो यह प्रशासन में स्थिरता और सशक्त नेतृत्व ला सकते हैं। उनके अनुभव और कामकाजी शैली के कारण वे इस पद के लिए मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं।

2. दीपक कुमार - 1989 बैच के एक अन्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारी
दीपक कुमार भी 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और उनका नाम भी मुख्य सचिव के पद के लिए संभावित उम्मीदवारों में लिया जा रहा है। हालांकि, एसपी गोयल के मुकाबले उनका नाम उतना चर्चित नहीं है, फिर भी दीपक कुमार की कार्यशैली और उनकी प्रशासनिक क्षमता को सराहा जाता है। वे राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं और उनके प्रशासनिक दृष्टिकोण को लेकर उन्हें एक कुशल और योग्य अधिकारी माना जाता है।दीपक कुमार का नाम इस समय चर्चा में है, क्योंकि उनका प्रशासनिक दृष्टिकोण ठोस और प्रभावी रहा है। हालांकि उनके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उतने करीबी संबंध नहीं हैं, जितने एसपी गोयल के हैं, फिर भी उनकी कार्यशैली में सटीकता और व्यावसायिकता रही है, जो उन्हें इस पद के लिए एक मजबूत विकल्प बना सकती है।

3. देवेश चतुर्वेदी
कुछ स्थानों पर आईएएस अधिकारी देवेश चतुर्वेदी का नाम भी मुख्य सचिव के लिए चर्चा में आया है। वे एक योग्य और प्रभावी प्रशासनिक अधिकारी हैं और उन्होंने कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। हालांकि, उनकी तुलना में एसपी गोयल और दीपक कुमार अधिक चर्चित नाम हैं, फिर भी देवेश चतुर्वेदी के बारे में यह माना जाता है कि वे यदि मुख्य सचिव बनते हैं, तो प्रशासन में नयापन और एक संतुलित दृष्टिकोण ला सकते हैं। उनके प्रशासनिक निर्णयों की दिशा और कार्यशैली को लेकर सकारात्मक समीक्षाएं रही हैं। मनोज कुमार सिंह की सेवानिवृत्ति के पहले राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से उनके सेवा विस्तार का प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव को यदि केंद्र से मंजूरी मिलती है, तो मनोज कुमार सिंह का कार्यकाल छह महीने के लिए और बढ़ सकता है।

सूडोकु नवताल- 7507

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7506 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन : बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

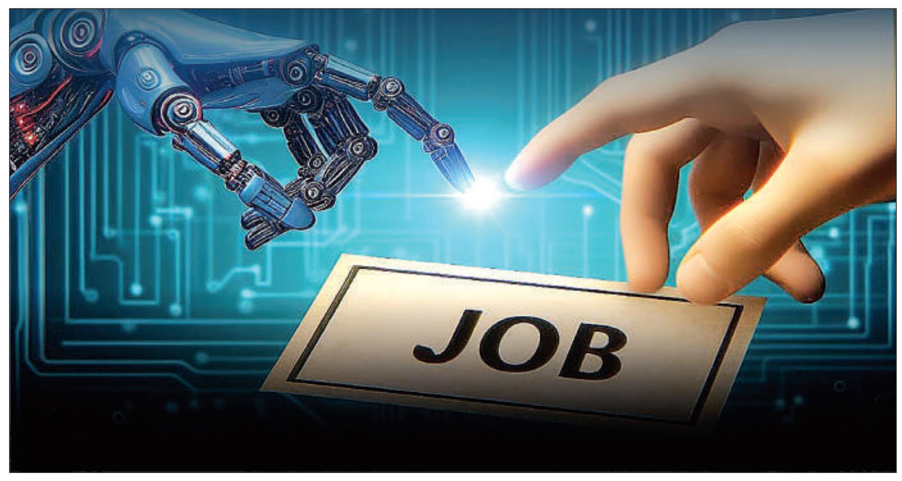

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दशार्ता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरूआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है? इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैंन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है।

टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, ह्यएआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है। निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुनःकौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे।

असम से पूर्वांचल तक डेमोग्राफिक चेंज जनसंख्या की उथल-पुथल का सच

संजय सक्सेना

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के हालिया बयान ने असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल (उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों) में पिछले कुछ दशकों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने इन परिवर्तनों को एक टाइम बम करार दिया, जिसने न केवल राजनीतिक हलकों में बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मंचों पर भी बहस छेड़ दी है। यह बयान भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में जनसांख्यिकी, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक स्थिरता जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करता है। राज्यपाल के टाइम बम वाले बयान के निहितार्थ, इसके ऐतिहासिक संदर्भ, और इसके सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभावों पर गहराई से विचार करने पर भविष्य में डेमोग्राफिक चेंज को लेकर कई गंभीर चुनौतियां नजर आती हैं।

दरअसल, भारत की जनसांख्यिकी हमेशा से एक जटिल और गतिशील विषय रही है। असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल जैसे क्षेत्रों में जनसंख्या की संरचना में बदलाव का इतिहास लंबा और बहुआयामी है। इन क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन मुख्य रूप से प्रवास, आर्थिक गतिविधियों, और सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित हुए हैं। उदाहरण के लिए, असम में 19वीं सदी से ही बंगाल और बांग्लादेश (पूर्वी पाकिस्तान) से प्रवास का लंबा इतिहास रहा है। ब्रिटिश शासनकाल में चाय बागानों के लिए श्रमिकों को लाया गया, जिसने असम की जनसांख्यिकी को प्रभावित किया।

स्वतंत्रता के बाद, विशेष रूप से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान, बड़े पैमाने पर प्रवास ने इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक संरचना को बदल दिया। पश्चिम बंगाल में भी, सीमा पार से प्रवास और शहरीकरण ने जनसांख्यिकी को प्रभावित किया है। पूर्वांचल में, आर्थिक अवसरों की कमी और बेहतर रोजगार की तलाश में अन्य क्षेत्रों से प्रवास ने जनसंख्या की गतिशीलता को बढ़ाया है।

राज्यपाल का यह बयान कि क्या कोई भविष्यवाणी कर सकता है कि अगले 50 वर्षों में इन क्षेत्रों में ह्यराष्ट्र विभाजनह्व नहीं होगा, एक गंभीर चेतावनी है। यह 1947 के भारत विभाजन की याद दिलाता है, जब धार्मिक और सांस्कृतिक आधार पर देश का बंटवारा हुआ था। उनके शब्दों में निहित है एक डर कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर सकते हैं और क्षेत्रीय या सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकते हैं। हालांकि, इस बयान ने विवाद भी खड़ा किया है, क्योंकि यह एक विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने के रूप में देखा जा सकता है। कुछ आलोचकों का मानना है कि यह बयान उन क्षेत्रों में रहने वाली विभिन्न समुदायों के बीच अविश्वास को बढ़ा सकता है, खासकर जब इसे राष्ट्रीय एकता के विपरीत देखा जाता है।

इन क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलावों की चिंता केवल सांख्यिकी तक सीमित नहीं है। यह सांस्कृतिक पहचान, भाषाई विविधता, और सामाजिक एकता जैसे गहरे मुद्दों से जुड़ा है। इसी के चलते असम में असमिया पहचान की रक्षा के लिए लंबे समय से आंदोलन चल रहे हैं, जैसे कि असम आंदोलन (1979-1985) जो अवैध प्रवास के खिलाफ था। इसी तरह से पश्चिम बंगाल में, बंगाली संस्कृति और भाषा की प्रमुखता को बनाए रखने की चिंता समय-समय पर उठती रही है। पूर्वांचल में, हिंदी भाषी आबादी और अन्य समुदायों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक टकराव देखा गया है। इन सभी क्षेत्रों में, जनसांख्यिकीय परिवर्तन को अक्सर स्थानीय समुदायों द्वारा अपनी पहचान और संसाधनों पर खतरे के रूप में देखा जाता है।

कहने का तात्पर्य यह है कि तमिलनाडु राज्यपाल का यह बयान राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। तमिलनाडु में, जहां द्रविड़ विचारधारा का प्रभाव रहा है, राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय स्वायत्तता के बीच तनाव समय-समय पर देखा गया है। आरएन रवि का यह बयान, जो पहले से ही राज्य सरकार के साथ कुछ मुद्दों पर मतभेदों के लिए चर्चा में रहे हैं, इसे एक राष्ट्रीयवादी दृष्टिकोण के रूप में देखा जा सकता है। उनके शब्दों में वन नेशन, वन लैंग्वेज जैसी विचारधारा का संकेत मिलता है, जो तमिलनाडु जैसे भाषाई और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य में विवादास्पद हो सकता है। यह बयान उन क्षेत्रों में भी तनाव पैदा कर सकता है, जहां पहले से ही सांप्रदायिक या क्षेत्रीय संवेदनशीलता मौजूद है।

इसके अलावा, जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का मुद्दा सामाजिक और आर्थिक नीतियों से भी जुड़ा है। इन क्षेत्रों में संसाधनों का असमान वितरण, बेरोजगारी, और शिक्षा तक सीमित पहुंच जैसे कारक प्रवास को बढ़ावा देते हैं। यदि सरकारें इन मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहती हैं, तो सामाजिक तनाव और बढ़ सकता है। उदाहरण के लिए, असम में अवैध प्रवास को रोकने के लिए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (छत्ब) जैसे कदम उठाए गए हैं, लेकिन इनके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां सामने आई हैं। पश्चिम बंगाल में, प्रवास से संबंधित नीतियां अक्सर राजनीतिक दलों के बीच विवाद का कारण बनती हैं।

इस बयान का एक और पहलू है इसका भविष्य पर प्रभाव। राज्यपाल ने अगले 50 वर्षों में राष्ट्र विभाजन की आशंका जताई है, जो एक गंभीर चेतावनी है। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि इस तरह की चेतावनियों को सावधानीपूर्वक संभाला जाए, ताकि सामाजिक सौहार्द बिगड़े नहीं। भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है, और जन जतनेजे को मजबूत करने के लिए समावेशी नीतियों की आवश्यकता है। शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने वाली नीतियां इन चिंताओं को कम कर सकती हैं।

अंत में, आरएन रवि का बयान एक गंभीर मुद्दे को उजागर करता है, लेकिन इसे संबोधित करने के लिए एक संतुलित और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक वास्तविकता है, लेकिन इसे टाइम बम के रूप में देखने के बजाय, इसे समझने और प्रबंधन करने की जरूरत है। भारत जैसे देश में, जहां विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय एकीकरण को बनाए रखने के लिए संवाद और सहयोग आवश्यक है।

अपने अपमान की महिलायें स्वयं जिम्मेदार

निर्मल रानी

हमारे देश में अनेकानेक स्वयंभू संत, प्रवचनकर्ता,ज्योतिषी व धर्मगुरु टी वी स्क्रीन की 'शोभा' बढ़ा हैं। ऐसे कई स्वयंभू संत व प्रवचनकर्ता जब कैमरे के सामने 'प्रकट ' होते हैं तो उनका साज श्रृंगार,मेकअप उनकी निराली अदाएं सब कुछ देखने लायक होती हैं। ऐसे ही एक 'कथावाचक' व आध्यात्मिक गुरु कहे जाने वाले अनिरुद्धाचार्य का नाम अक्सर किसी न किसी विवाद को लेकर चर्चा में रहता है। रुपहले पर्दे पर नजर आने का शौक रखने वाले अनिरुद्धाचार्य लाफ़्टर शेफ़्स में एक अतिथि के रूप में देखे जा चुके हैं। वे बिग बॉस 18 में शो के ग्रैंड प्रीमियर के दौरान अतिथि के रूप में भी शोभायमान हो चुके हैं। परन्तु वे अपनी कई टिप्पणियों व अंधविश्वास पूर्ण बातों के लिये विवादों में भी रह चुके हैं। कभी कभी शब्दों को तोड़मरोड़कर पेश करने के लिये भी वे हास्य का पर्याय बन चुके हैं। जैसे उन्होंने बिस्किट को विष -की-किट यानी जहर का पैकेट परिभाषित कर दिया। तो कभी पीज्जा में पड़ने वाले चीज (पनीर) को गोंद कहकर उसका मजाक उड़ाते सुने गये। एक बार उन्होंने यह भी कहा था कि' महिलाओं को पीछे की ओर नहीं सोना चाहिए क्योंकि इससे उनके स्तन अशुद्ध हो जाएंगे'। एक बार एक टी वी शो के दौरान उन्हें कुछ तार्किक व वैज्ञानिक सोच रखने वाले कुछ शिक्षित लोगों का सामना करना पड़ा। उस समय टी वी एंकर द्वारा उन्हें उनके प्रवचन का वह अंश याद दिलाया गया जिसमें उन्होंने यह कहा था कि गाय के गोबर में से गेंहू चुनचुन कर निकालकर उस गेंहू का पिसा आटा खाने से पुत्र रत्न प्राप्त होता है?

परन्तु पिछले दिनों अपने एक तथाकथित प्रवचन में तो अनिरुद्धाचार्य ने महिलाओं का अपमान करने की सभी सीमायें पार कर दीं। यही महिलाएं जो ऐसे स्वयंभू संतों व प्रवचन कताओं का प्रवचन शुरू होने से पहले सज संवरकर, अपने सिरों पर भारी क्लश रखकर शहर में संतों व प्रवचन कताओं की शोभा यात्रा निकालकर नगर में इनके प्रवचन में भीड़ जुटाने के लिये माहौल तैय्यार करती हैं। यही महिलायें जो इनके प्रवचन में कभी तालियां बजाकर तो कभी नृत्य कर कभी अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर झूम झूम कर इनके समागम में समां बांधती हैं। यहीं महिलायें जो इनके प्रवचन सुनाने अपने पति व अन्य पड़ोसियों को भी साथ लाती हैं। जो इन्हें दान देती हैं,जो रोज सुबह मंदिरों में सबसे पहले पहुँचती हैं। जो महिलायें श्रद्धा पूर्वक मंदिरों व आश्रमों में सेवा करती हैं। इन्हें महिलाओं व उनकी पुत्रियों को लेकर जिस तरह के विकार पिछले दिनों अनिरुद्धाचार्य के मुख से निकले उसने न केवल आम लोगों को बल्कि स्वयं इनके भक्तों को भी आश्चर्य चकित कर दिया। जो शब्द उन्होंने महिलाओं के लिए इस्तेमाल किये शायद इससे अधिक घटिया शब्दों का चयन हो भी नहीं सकता है।

उन्होंने अपने एक प्रवचन के दौरान कुंवारी लड़कियों की शादी की उम्र को लेकर अत्यंत विवादित व आपत्तिजनक बयान दे डाला। उन्होंने कहा कि 'लोग विवाह के लिये लड़की लाते हैं पच्चीस साल की। अब 25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होती है। सब नहीं पर बहुत,और वह पच्चीस साल की जब आती है तो पूरी जवान होकर आती है। जब जवान हो कर आएगी तो स्वाभाविक है कि वह अपनी जवानी कहीं न कहीं वह ,उसकी जवानी फिसल जाएगी'। साथ ही उन्होंने 14 साल की उम्र में लड़की की शादी को जायज ठहराया। गौर तलब है कि भारत में बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत इस उम्र में शादी अवैध है। इस बयान के बाद तो गोया पूरे देश में भूचाल सा आ गया। मथुरा में भी महिलाएं व अन्य संगठनों ने इनके विरुद्ध प्रदर्शन किया । जगह जगह उनके पुतले फूंके गये। कई जगह से उनके विरुद्ध महिला संगठनों द्वारा एफ आई आर करने की खबरें सुनीं गयीं।

उधर एक बार फर इस विवादित बयान को लेकर भी टी आर पी की दौड़ में जुटे मीडिया समूहों को मसाला खबरें बेचने की सामग्री हासिल हो गयी । अनिरुद्धाचार्य ने अपने बयान को लेकर उपजे विवाद व हंगामे के बाद एक वीडियो जारी कर यह कहा है कि 'मेरी कुछ बहनें प्रसारित हो रहे वीडियो से आहत हैं। कहना चाहता हूं कि कुछ लड़कियां ऐसी होती हैं कि लिव इन में रहकर चार जगह मुंह मार के किसी के घर जाएंगी, तो क्या वे किसी रिश्ते को निभा पाएंगी। इसलिए लड़की हो या फिर लड़का दोनों को चरित्रवान होना चाहिए।' यह कहकर मुआफी मांगनी तो क्या उन्होंने अपनी 'चार जगह मुंह मारने ' जैसी सड़क छाप 'भाषा शैली ' का फिर से इस्तेमाल किया। शायद वे सोच रहे हों कि बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगा ? जरा सोचिये कि किरण बेदी व कल्पना चावला के देश में जहाँ लड़कियां चाँद पर पहुँचने की होड़ में लगी हुई हैं। जिस देश में प्रतिभावान युवतियां सिविल सेवाओं में व डॉक्टर इंजीनियर व उद्यमी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जहाँ सेनाओं में उच्च पदों पर अपनी सेवाएं देकर देश का गौरव बढ़ा रही हों, उस देश की महिलाओं को यह अशिक्षित रहकर शिक्षा ग्रहण करने की उम्र में शादी रचाने की सलाह देते हैं। गोया एक अनपढ़ मां की परिकल्पना को साकार करने की कोशिश करते हैं ।

दैनिक पंचांग

31 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.47 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	08.59 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	11.10 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.24 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.40 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.45 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.32 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.05 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.35 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	00.15 बजे से
		मिथुन	02.13 बजे से
		कर्क	04.27 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 212 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि सप्तमी 04.59 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 00.42 बजे रात्र को समाप्त। **योग** साध्य 04.32 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** गर 15.49 बजे तदनन्तर वणिज 04.59 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872422
जूलियन दिन 2460887.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 05
विशेष तुलसीदास जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की बैठक आहूत की गई, जिसमें समितियों के द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं विभिन्न बीमारियों से ग्रसित अनुसूचित जनजाति 04, अनुसूचित जाति 04 एवं 29 पिछड़ी जाति वर्ग एवं कुल 38 लाभुकों के आवेदन पत्रों की स्वीकृति दी गई। ज्ञातव्य हो कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य आरोग्य हेतु पौष्टिक आहार प्रदान करना है। इस योजना के तहत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा, जो विभिन्न बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित है। इसके तहत व्यस्क लाभुकों को 3 से 5 हजार तक, अव्यस्क लाभुकों को 1500 से लेकर 2500 रुपये एवं कैंसर पीड़ित व्यस्क लाभुकों को 25 हजार रुपये एवं अव्यस्क लाभुक को 15 हजार तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके लिए लाभार्थी वर्ग के लोगों को आवेदन करने के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इस दौरान परियोजना निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, जिला शिक्षा अधीक्षक एवं एलडीएम, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

अज्ञात चोरों ने हटिया से मोटरसाइकिल की चोरी, थाना में कराई प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के केलाबाड़ी हटिया परिसर से देर शाम को एक बाइक चोरी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के केलाबाड़ी निवासी प्रकाश शाह की काले रंग की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन संख्या जेएच 18जे, 9758 हटिया परिसर से गायब हो गई। प्रकाश शाह ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 7 बजे वह अपनी बाइक लेकर केलाबाड़ी मंगल हटिया गए थे। उन्होंने हटिया परिसर में अपनी बाइक खड़ी कर सब्जी खरीदना शुरू किया। जब वे सब्जी खरीदकर वापस लौटे, तो देखा कि बाइक वहां से गायब थी। उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कहीं भी सुराग नहीं मिल सका। उन्हें आशंका है कि किसी अज्ञात चोर ने उनकी बाइक चुरा ली है। पीड़ित प्रकाश शाह ने इस संबंध में राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक व्यक्ति हुआ घायल, रेफर

साहिबगंज : जिले के सदर अस्पताल में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्कूटी दुर्घटना में घायल हुए एक व्यक्ति जिसका नाम सुबोध कुमार मंडल उम्र 32 वर्ष रहने वाला मदन शाही पिता का नाम रामचंद्र मंडल सुबोध मंडल अपने बच्चों को साक्षरता मोड़ के निकट स्कूल में छोड़कर वापस आने के दरमियान स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमे की सुबोध मंडल को सर पर काफी चोट आई है। पुलिस ने जब दुर्घटनाग्रस्त सुबोध मंडल को देखा तो तत्परता दिखाते हुए उसे साहिबगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर मौजूद डॉक्टर केशव कृष्णा ने प्राथमिक उपचार के बाद सुबोध मंडल को हायर सेंटर रेफर कर दिया था। उनका कहना था कि सर के बीच पर चोट लग जाने के कारण इनको उच्च इलाज हेतु बाहर भेजा जा रहा है।

राजमहल न्यायालय के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी, युवक ने किया हंगामा

साहिबगंज : जिले के राजमहल न्यायालय परिसर के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल की चोरी हो जाने से अफरा तफरी मच गई। मोटरसाइकिल मालिक ने सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार लखीपुर निवासी इब्राहिम शेख अपना टीवीएस अपाची मोटरसाइकिल से निजी कार्य के लिए न्यायालय आया था। कार्य समाप्ति के बाद जब वह बाहर निकला तो मोटरसाइकिल मौके से गायब मिली। काफी देर तक खोजबीन करने के बाद भी मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर इब्राहिम ने न्यायालय परिसर के बाहर सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

राशन लेने के दौरान हुए विवाद में वृद्ध महिला मारपीट में हुई घायल

साहिबगंज/राजमहल : थाना क्षेत्र अंतर्गत कसआ गांव में बुधवार को राशन लेने के दौरान हुई विवाद में हुए मारपीट में एक वृद्ध महिला घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार कसवा निवासी लखी देवी 60 वर्ष घर से कुछ दूरी पर राशन डीलर मनोज प्रमाणिक के राशन दुकान में राशन लेने के लिए कतार में खड़ी थी। पहले से ही गांव के दो-तीन महिला का राशन डीलर के साथ राशन संबंधित किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था।

स्थानीय लोगों से बिना अनुमति के खोदा गया गड्ढा, दर्जनों ग्रामीणों ने बीडीओ को सौंपा आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत उधवा प्रखंड क्षेत्र के कटहलबाड़ी मोमिन टोला गांव से श्रीधर ब्रिज जाने वाली सड़क किनारे स्थानीय लोगों से बिना अनुमति के गड्ढा खोदने का आरोप लगाते हुए दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर बीते मंगलवार को बीडीओ सह सीईओ जयंत कुमार तिवारी को लिखित आवेदन दिया। लिखित आवेदन में उन्होंने बताया कि लगभग 25 दिन पूर्व, चंडी घोष (पिता निरेन घोष) नामी एक व्यक्ति द्वारा लोगों के घर के सामने बिना किसी स्थानीय लोगों की अनुमति के जेसीबी मशीन से गहरी खुदाई करवाई गई। साथ ही कहा गया कि नाला बनाया जाएगा, परंतु इतने दिन बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इस खुदाई से बना जानलेवा गड्?ढा अब वर्षा का पानी से पूरी तरह भर चुका है, जिससे आम राहगीरों सड़क पर आवागमन करना एवं उस सड़क किनारे गड्ढे होने का अनुमान लगाना मुश्किल हो गया है। इसके अतिरिक्त वहां स्थित अशरफ कोचिंग सेंटर, कटहलबारी के विद्यार्थियों और बुजुर्गों के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। इस दौरान अशरफ अंसारी ने कहा कि हमारे ही घर का एक 5 वर्षीय बालक, जो स्कूल जाते समय गड्ढे में फिसलकर गिर गया, जिससे उसका हाथ टूट गया। इलाज पर लगभग (5) हजार रुपए खर्च हो चुका है, और बच्चा अब भी पीड़ा में है। अशरफ अंसारी ने आगे यह भी लिखा कि, गड्ढे खुदाई के दौरान घरों में जलापूर्ति हेतु बिछाई गई बोरिंग पाइप लाइन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जिससे आस पास के लगभग 25 घरों में पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। लोग पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं।ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग को लेकर आवेदन की प्रतिलिपि अनुमंडल पदाधिकारी, डीसी अंचल अधिकारी उधवा और थाना प्रभारी राधानगर को भी प्रेषित किया है। उचित कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों के कहने पर अशरफ अंसारी ने कई बार चंडी घोष से फोन कॉल के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश भी की, लेकिन चंडी घोष से संपर्क ना हो सका।

मानव दुव्यार्पार विरोधी दिवस पर रेलवे स्टेशनों पर चला व्यापक जनजागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्व मानव दुव्यार्पार विरोधी दिवस के अवसर पर मंथन संस्था की पहल पर साहिबगंज जिले में एक प्रभावी जनजागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें बाल तस्करी और बाल अधिकारों से जुड़े सभी प्रमुख हितधारकों ने एकजुट होकर भागीदारी निभाई। यह अभियान 1 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक उन रेलवे स्टेशनों पर संचालित किया गया, जहां से बच्चों की तस्करी की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। इस क्रम में साहिबगंज, राजमहल, तीनपहाड़ और बरहरवा रेलवे स्टेशनों पर जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य आम यात्रियों और नागरिकों को बाल तस्करी की पहचान, उसकी रोकथाम और उससे जुड़ी कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करना था। बुधवार को अभियान के अंतिम दिन साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई स्टेशन अधीक्षक राज हंश पाठक ने की। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, आरपीएफ इंस्पेक्टर गुलाम सरवर, जीआरपी प्रतिनिधि मंगल हसदा, चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम,

मंथन संस्था के प्रतिनिधि और अन्य बाल संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी के संयुक्त प्रयास से यात्रियों के बीच मानव तस्करी के विरुद्ध व्यापक जागरूकता फैलाई गई। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों, स्टेशन परिसर में मौजूद दुकानदारों, कुलियों और प्लेटफॉर्म पर आने-जाने वाले लोगों को यह संदेश दिया गया कि यदि उन्हें किसी बच्चे की गतिविधि, हालत या व्यवहार संदिग्ध लगे—जैसे कि डर, घबराहट, किसी के दबाव में रहना, या बिना किसी संरक्षक के यात्रा करना, तो वे तुरंत रेलवे सुरक्षा बल, चाइल्ड हेल्पलाइन, स्टेशन मास्टर या मंथन संस्था को सूचना दें। यात्रियों को यह भी बताया गया कि बच्चों की तस्करी केवल बाल श्रम या घरेलू कामकाज तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण तक की जटिलताओं में बदल सकती है। अपने संबोधन में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने कहा कि यदि हमें बाल तस्करी जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करना है तो इसके लिए मजबूत कानूनी कार्रवाई, तेज न्याय प्रक्रिया, और संगठित प्रशासनिक तंत्र की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब तक बच्चों के दुव्यार्पार में शामिल अपराधियों को शीघ्र और सख्त सजा नहीं मिलेगी, तब तक उनके अंदर कानून का भय उत्पन्न नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ह्लरोकथाम अभियानों की सफलता के लिए जरूरी है कि प्रशासनिक समन्वय को और अधिक मजबूती दी जाए, ताकि तस्करी करने वाले संगठनों के नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।अभियान में मंथन संस्था, चाइल्ड हेल्पलाइन, रेलवे पुलिस बल, गवर्नमेंट रेलवे पुलिस और जिला बाल संरक्षण इकाई के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला।

साइबर ठगी के आरोपी को पुलिस ने विराज होटल से गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को एसपी अमित कुमार सिंह साहिबगंज को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की लोन दिलाने के नाम पर कुछ लोगों के द्वारा साइबर ठगी की जा रही है एवं कई लोगों से लाखों रुपए की ठगी की गई है। लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला अपराधी साहिबगंज में छुपे हुए हैं। साइबर ठगों की गिरफ्तारी हेतु एसपी साहिबगंज के द्वारा एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी के द्वारा गुप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नगर थाना अंतर्गत होटल विराज पैलेस में छापामारी की गई जहां से दो अभियुक्त मो. हेलाल अख्तर उम्र 39 वर्ष, पिता मो. अलीमुद्दीन, साकिन धूमनगर, थाना आजमनगर, जिला कटिहार व सैयद फारूक अब्दुल्ला उर्फ फारूक आलम उर्फ फारूक अब्दुल्ला उम्र 48 वर्ष, पिता स्वर्गीय मसीउर रहमान, साकिन सुंदरगाछी मीनापुर, थाना बलिया बेलोन, जिला कटिहार, को पकड़ा गया। जांच से ज्ञात हुआ कि दोनों सोनी फाइनेंस नाम की फर्जी कंपनी बनाए हैं। जिसका विज्ञापन सोशल मीडिया के द्वारा कर रहे हैं तथा कई लोगों से ठगी भी किए हैं। इस संबंध में नगर थाना कांड संख्या 115/25, दिनांक 30 जून 2025, धारा 316(2)/318(4)/319(2) बीएनएस एवं 66 डी आईटी एक्ट अंकित कर अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। अभियुक्तों के खाता का ज्ञात करने पर पता चला कि विगत दो महीने में 6 लाख 50 हजार रुपए की ठगी की गई है।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 38.74 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। मंगलवार को नागपंचमी पर तड़के 04:06 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान रहा। सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे थे। कांवरिया सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं। जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अबतक कुल 38 लाख 74 हजार 899 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जर्लापण किया है। जलार्पण शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से रात तक गुंजयमान रहा। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे हैं।

विश्व मानव दुव्यार्पार विरोधी दिवस पर कार्यक्रम सह रैली का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के डूमरचीर पंचायत भवन में बुधवार को मानव दुव्यार्पार विरोधी दिवस के अवसर पर झारखण्ड विकास परिषद अमड़ापाड़ा द्वारा कार्यक्रम सह रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वर किस्कू ग्राम प्रधान मलीपाड़ा, महेश मुर्मू ग्राम प्रधान बड़ासालघाटी, रायसेन माजी ग्राम प्रधान डूमरचीर, पंचायत समिति सदस्य डूमचीर मक्कू मुर्मू द्वारा किया गया। मौके पर संस्था के मनोरंजन सिंह ने ग्राम प्रधान से दलालों की पहचान करने की अपील गई, जिन्हें तस्करी के माध्यम से दूसरे स्थान पर बाल श्रम, घरेलू काम या किसी अन्य शोषणात्मक उद्देश्य से ले जाया जा रहा हो। वहीं समन्वयक जशीनता मिंज ने बताया गया कि गांव में कोई भी संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो उससे पूछताछ करें अगर संदेह हो तो तुरंत इसकी जानकारी संस्था या चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098, 112 या पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 100 पर दें। वहीं प्रखंड समन्वयक अजय मुर्मू ने बताया कि अगर बच्चों की ट्रैफिकिंग रोकना है तो कानूनी कार्रवाई जरूरी है। बाल दुव्यार्पारियों को जब शीघ्र और सख्त सजा मिलेगी, तभी हम उनमें कानून का भय पैदा कर पाएंगे और यह भय ट्रैफिकिंग की रोकथाम के लिए सबसे असरदार उपाय साबित होगा। रोकथाम अभियानों की सफलता के लिए पंचायत में मजबूत समन्वय और समयबद्ध प्लान एवं कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। इस तरह से काम कर हम न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा बल्कि उन ट्रैफिकिंग गिरोहों के नेटवर्क का भी खात्मा कर सकेंगे जो बच्चों का शिकार करते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों में जागरूकता फैलाना और मानव तस्करी जैसी गंभीर समस्या के प्रति संवेदनशील बनाना था और मानव तस्करी के प्रति सतर्क रहने की अपील की गई। मौके पर संस्था के कार्यकर्ता फूलमानी सोरेन, मिनी सोरेन, मार्टिना हेंब्रम, अनीता मरांडी, कैलाश कुमार, दामू पहाड़िया, किरानी मुर्मू, रतन मरांडी, साइमन सोरेन एवं प्रेमलाल मुर्मू तथा अन्य कर्मियों ने कार्यक्रम आयोजन में अपनी अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने चौपाल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत नरोत्तमपुर पंचायत के रामचंद्रपुर संथालिया गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों के समस्याओं की जानकारी ली। शासन की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी, गांव में कराए गए कार्यों की प्रगति आदि की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने कहा सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ जरूरतमंद पात्रों को हर हाल में दिया जाए। किसी भी दशा में अपात्रों को लाभ न दिया जाय। लाभपरक योजनाओं व विकास कार्यों के क्रियान्वयन में पूरी तरह से पारदर्शिता रखी जाय। वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन, पारिवारिक लाभ से लेकर अन्य योजनाओं के बारे में भी लोगों को जानकारी दी गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी लेकर उसका प्राथमिकता पर समाधान कराया जाय। उपायुक्त ने लाभुकों से अपील किया कि वे अपने लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूरा करें। साथ ही ग्रामीणों को दीदी बाड़ी योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई

साहिबगंज : शहर के विद्या भारती विद्यालय,जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,साहेबगंज के वंदना कक्ष में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई। जयंती समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने गोस्वामी तुलसीदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया। जयंती समारोह को संबोधित करते हुए सुनील पंडित ने बताया कि तुलसीदास 16 वीं शताब्दी के एक महान भारतीय कवि और संत थे,जो भगवान राम के भक्त थे। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के जरिए भगवान राम की भक्ति को घर-घर तक पहुंचा है। आचार्य श्यामा प्रसाद ने बताया कि तुलसीदास ने शास्त्रों, वेदों और पुराणों का गहन अध्ययन किया।उन्होंने संस्कृत,अवधि और ब्रज भाषा में कई रचनाएं की। उन्होंने हनुमान चालीसा लिखी जो हनुमान जी की स्तुति का एक प्रसिद्ध भक्ति रचना है। उन्होंने विनय पत्रिका कवितावली, गीतावली आदि अनेक रचनाएं की। जयंती समारोह का संचालन आचार्य अमित कुमार ने किया।जयंती समारोह में विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु भगिनी एवं भैया/बहन उपस्थित थे।

बोरियो बाजार पंचायत भवन के सामने गंदगी का अंबार

साहिबगंज/बोरियो : बोरिया बाजार पंचायत भवन के सामने गंदगी का अंबार लगा है,साफ सफाई का घोर अभाव है। प्रत्येक शनिवार व मंगलवार हाट के दिन पंचायत भवन के सामने अवैध देशी शराब की बिक्री जारी रहती है। पंचायत भवन खुलता ही नहीं है। प्रत्येक गुरुवार को पंचायत दिवस पर ना तो पंचायत सचिव ना रोजगार सेवक ही आते हैं। ग्रामीणों की शिकायत है की बोरियो बाजार पंचायत सचिवालय खुलता ही नहीं है। जॉब कार्ड, जन्म मृत्यु पंजीकरण आदि के लिए ग्रामीणों को भटकना पड़ रहा है। मुखिया, उप मुखिया, एवं वार्ड सदस्य कभी कभार पंचायत भवन आते है। आधार पंजीकरण का कार्य भी पंचायत भवन में बंद है। ग्रामीण अमर कुमार, अटल दत्ता, मनोज कुमार, स्वप्न कुमार, आदि ने डीसी से बोरियो बाजार पंचायत भवन नियमित रूप से खोलने की गुहार लगाई है।

तालझारी व पतना प्रखंड में निमार्णाधीन योजनाओं का निरीक्षण

साहिबगंज : नीति आयोग तथा अनाबद्ध निधि के सहयोग से तालझारी एवं पतना प्रखंड अंतर्गत संचालित निमार्णाधीन योजनाओं का संयुक्त निरीक्षण जिला उद्यान पदाधिकारी एवं नीति आयोग के फेलो के द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों प्रखंडों में चल रही योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। विशेष रूप से नीति आयोग द्वारा निर्मित पॉलीहाउस पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्देश्य जलवायु-संवेदनशील खेती को बढ़ावा देना है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि पॉलीहाउस संरचना तैयार है और अब इसे उत्पादकता के चरण में लाने की आवश्यकता है। इसको देखते हुए, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं जेएसएलपीएस के क्लस्टर समन्वयकों को पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी तैयार करने एवं उत्पादन कार्य प्रारंभ करने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। इस पहल से महिला समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त करने में मदद मिलेगी, साथ ही स्थानीय स्तर पर सब्जी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। पॉलीहाउस तकनीक जलवायु अनुकूल खेती का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो न्यूनतम संसाधनों में अधिक उत्पादन की संभावना प्रदान करता है।

यौन शोषण के आरोप में एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण किए जाने का मामला आया है। मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के मनिहारी टोला निवासी एक युवक के विरुद्ध पीड़िता के पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ हुए यौन शोषण की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता के पिता के बयान पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत कांड संख्या 290/25 दर्ज किया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

महंगाई कम, फिर भी जोखिम बरकरार: आरबीआई को ब्याज दरों पर लेना होगा सावधानीपूर्वक निर्णय

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए ब्याज दरों पर सावधानीपूर्वक विचार करना जरुरी है, भले ही हाल ही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई है। यह कमी काफी हद तक खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.7 प्रतिशत ही, जो आरबीआई के 2.9 प्रतिशत के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई मुद्रास्फीति के औसतन 3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 में दर्ज 4.6 प्रतिशत से काफी कम है। यह जुलाई-सितंबर की अवधि में लगभग 2.5 प्रतिशत और अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में 2.6 प्रतिशत तक हो सकती है।

हालांकि मौजूदा स्थिति अनुकूल दिख रही है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं रहेगी। इस साल की तेज गिरावट अगले वित्त वर्ष के लिए एक प्रतिकूल आधार प्रभाव पैदा करेगी। अनुमान है कि अप्रैल-जून 2026 में मुद्रास्फीति बढ़कर 5 प्रतिशत होगी, और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2026 के संभावित औसत 3 प्रतिशत से काफी अधिक है।

अतीत में भी ऐसा देखा गया है कि कम मुद्रास्फीति की अवधि के बाद इसमें तेजी से वृद्धि हुई है। नवंबर 2018 से जनवरी 2019 तक सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत थी, लेकिन एक साल बाद आधार प्रभाव और बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण यह 7.5 प्रतिशत से अधिक हो गई। जून 2017 में सीपीआई मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई थी, लेकिन 2018 के मध्य तक यह करीब 5 प्रतिशत हो गई।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए निहितार्थ

इस पृष्ठभूमि में, एमपीसी को संयम बरतना होगा। यदि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मुद्रास्फीति 5 प्रतिशत तक बढ़ जाती है और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहती है, तब वास्तविक ब्याज दर कम होकर 50-100 आधार अंक होगी। यदि रेपो दर में और कटौती करके 5 प्रतिशत कर दिया जाता है,वास्तविक दर और घटकर शून्य तक हो जाएगी, जो मध्यम अवधि की व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए आदर्श स्थिति नहीं हो सकती है।

टाटा मोटर्स कर रही एलविको से डील! निवेशक हुए निराश, गिरे कंपनी के शेयर

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स यूरोप की जानी-मानी ट्रक निर्माता कंपनी एलविको को करीब 4.5 अरब डॉलर यानी करीब 37,000 करोड़ रुपए में खरीदने की तैयारी कर रही है। यह सौदा टाटा ग्रुप का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा होगा। इससे पहले 2007 में टाटा स्टील ने कोरस ग्रुप को 12 अरब डॉलर में खरीदा था। इस डील ने टाटा मोटर्स के निवेशकों को निराश किया है। कंपनी के शेयर करीब पौने चार फीसदी टूट गए। टाटा मोटर्स के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई से 45 फीसदी से ज्यादा टूटे जबकि मार्केट हरे निशान पर है और सेंसेक्स-निफ्टी में भी बढ़त है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि टाटा मोटर्स और एलविको के बोर्ड इस प्रस्ताव पर मुहर लगा सकते हैं। इसके बाद सौदे की औपचारिक घोषणा की जाएगी। टाटा मोटर्स, इटली के ट्यूरिन स्थित एलविको में फिलहाल एक्सॉर की 27.1 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। एक्सॉर, इटली की प्रतिष्ठित फैमिली की निवेश कंपनी है, जिसके पास एलविको में 43.1 फीसदी वोटिंग राइट्स भी हैं। यह डील टाटा मोटर्स के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। 2008 में कंपनी ने जगुआर-लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में खरीदा था, लेकिन एलविको अधिग्रहण उससे भी बड़ा होगा।

इस सौदे के बाद टाटा मोटर्स का वाणिज्यिक

वाहन कारोबार तीन गुना तक बढ़ सकता है अनुमान लगाया जा रहा है कि इसका रेवेन्यू 75,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2 लाख करोड़ से अधिक हो जाएगा। एलविको इस अधिग्रहण से पहले अपने डिफेंस डिवीजन को अलग कर रही है, जो इस डील का हिस्सा नहीं होगा। इटली सरकार के लिए एलविको का डिफेंस बिजनेस संवेदनशील है, इसलिए इसे रणनीतिक रूप से बाहर रखा गया है।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धिदर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 और 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। दोनों ही आंकड़ों में थोड़ा संशोधन किया गया है, जो अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में ज्यादा अनुकूल बाहरी वातावरण को दर्शाता है। आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अपने अनुमान को 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को भी 10 आधार अंक (बीपीएस) बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में वैश्विक विकास दर 3.0 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो अप्रैल 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य से ऊपर की ओर संशोधन है। यह टैरिफ से पहले अग्रिम भुगतान, कम प्रभावी टैरिफ दरों, बेहतर वित्तीय स्थितियों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में राजकोषीय विस्तार को दर्शाता है।

रिपोर्ट में आगे कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी मुद्रास्फीति के लक्ष्य से ऊपर रहने का अनुमान है। संभावित रूप से उच्च टैरिफ, बढ़ी हुई अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव से नकारात्मक जोखिम बना हुआ है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, 2025 में विकास दर 4.1 फीसदी और 2026 में 4.0 फीसदी रहने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति 2025 में 4.2 फीसदी और 2026 में 3.6 फीसदी गिरने की उम्मीद है, जो अप्रैल में अनुमानित दर के समान है।

आईएमएफ रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूईओ के लिए जोखिम नकारात्मक दिशा में बने हुए हैं, जैसा कि अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में था। प्रभावी टैरिफ दरों में उछाल से विकास दर कमजोर हो सकती है। बढ़ी हुई अनिश्चितता गतिविधियों पर भारी पड़ सकती है, साथ ही अतिरिक्त टैरिफ की समय सीमा भी समाप्त हो रही है, जबकि ठोस, स्थायी समझौतों पर प्रगति नहीं हो रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक विखंडन की चिंताओं के साथ वित्तीय बाजारों में अस्थिरता फिर से पैदा हो सकती है।

जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगा अंबानी परिवार

बैठक में होगा इसका फैसला

मुंबई ।

देश का दिग्गज कारोबारी परिवार अंबानी जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकता है। घटनाक्रम के जुड़े शख्स ने बताया कि कंपनी का प्रवर्तक अंबानी परिवार जियो वित्तीय सेवा में अपनी हिस्सेदारी 5 फीसदी तक बढ़ा सकता है। इससे कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी मौजूदा 47 से बढ़कर 51 फीसदी से अधिक होगी। नए शेयर का भाव 320 से 325 रुपये के बीच रह सकता है। हालांकि यह कंपनी बोर्ड और नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर जियो वित्तीय का शेयर बुधवार को 321 रुपये पर बंद हुआ जिससे इसका कुल बाजार पूंजीकरण 2.03 लाख करोड़ रुपये रहा। अंबानी परिवार अपनी वित्तीय सेवा इकाई में ताजा पूंजी डालने वाला अकेला नहीं है। इस महीने की शुरुआत में अदार पूनावाला के स्वामित्व वाली कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प ने 1,500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिससे इसकी नेटवर्थ बढ़कर 9,700 करोड़ रुपये हो गई और खुदरा ऋण कारोबार में कंपनी की विस्तार की रणनीति को भी बल मिला। टाटा संस की गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी टाटा कैपिटल इस साल सितंबर से पहले 2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना तैयार कर रही है। आईपीओ से मिलने वाले पैसों का उपयोग कंपनी तेजी से बढ़ते भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए करेगी। जियो वित्तीय जुलाई 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग कंपनी बनी थी। यह तेजी से ऋण, बीमा और परिसंपत्ति प्रबंधन में अपना विस्तार कर रही है और भारतीय वित्तीय सेवा बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए जियो वित्तीय को नई पूंजी की आवश्यकता है। बैंकरों ने कहा कि बीमा सहित व्यापक बाजार में प्रवेश से पहले ताजा पूंजी निवेश से कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होने की उम्मीद है। 19 जुलाई को जियो वित्तीय सर्विसेज ने म्यूनिख के आलियांज समूह के साथ इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी आलियांज यूरोप बी.वी. के माध्यम से पुनर्बीमा क्षेत्र में 50-50 फीसदी हिस्सेदारी वाला संयुक्त उपक्रम बनाने का समझौता किया है।

टॉप टूरिज्म डेस्टिनेशन सूची में न्यूजीलैंड टॉप पर भारत ने पाया तीसरा स्थान

मेहमान नवाज़ी और लग्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

नई दिल्ली।

भारत ने पर्यटन के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। ब्रिटेन के एक अखबार की टॉप टूरिज्म डेस्टिनेशन लिस्ट में भारत तीसरे नंबर पर है। इस सूची में न्यूज़ीलैंड पहले और जापान दूसरे नंबर पर है, जबकि अमेरिका और चीन जैसे बड़े देश भारत से भी पीछे हैं। भारत की मेहमान नवाज़ी और लग्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है। ओबेरॉय होटल्स को दुनिया का नंबर 1 होटल ब्रांड और ताज होटल को तीसरा स्थान मिला है। 2024 में अब तक 50 नए होटल लॉन्च किए हैं और 2030 तक 700 होटल्स का लक्ष्य है। इसी दौड़ में फ्रांस का एकॉर ग्रुप भी शामिल है, जो अपने होटल्स को तीन गुना तक बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।

भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 3,000 डॉलर पार कर चुकी है, जिससे देश में ट्रैवल हैबिट्स तेजी से बदले हैं। लोग अब साल में कई बार देश और विदेश की यात्राएं कर रहे हैं। इससे घरेलू पर्यटन को मजबूती मिल रही है। भारत में इस समय करीब दो लाख ब्रांडेड होटल रूम्स हैं, जो आबादी के अनुपात में काफी कम हैं।

जानकारी के मुताबिक डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अब सिलीगुड़ी नई पसंद बनता जा रहा है। बिहार और बंगाल के कई परिवार इस शांत हिल स्टेशन को विवाह स्थलों के रूप में चुन रहे हैं। मेफेयर के बाद अब ताज, आईटीसी और हयात जैसे बड़े ब्रांड्स भी यहां होटल्स खोलने की योजना बना रहे हैं। करोड़ों रुपए खर्च करने वाले परिवारों के लिए 100 कमरों वाले होटल भी पर्याप्त नहीं रह गए हैं। भारत का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर अब केवल विकास नहीं बल्कि बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.45 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संशय को देखते हुए निवेशकों की धारणा कमजोर रहने से आई है। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87 के स्तर से नीचे पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों की ओर से माह के अंत में डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी रुपये पर दबाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया नकारात्मक रुख के साथ खुला और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.15 के निचले स्तर तक पहुंच गया। इसका पिछला बंद भाव 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को चार महीने से भी अधिक के निचले स्तर पर खिसक गया था। यह 21 पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.91 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ ही 98.77 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 72.59 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 63 प्रतिशत बढ़ी

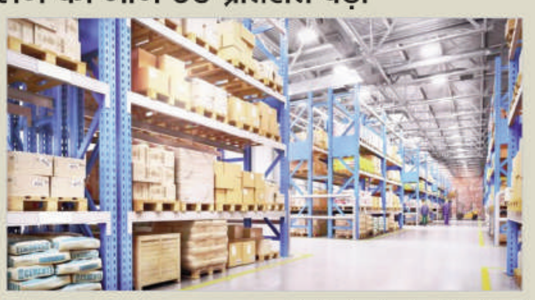

मुंबई । देश के आठ प्रमुख शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों की बेहतर मांग के कारण औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 2025 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट हुई है। रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली एक फर्म ने बताया कि वर्ष जनवरी-जून के दौरान पट्टे पर दिए गए कुल स्थानों में से 32 प्रतिशत स्थान 'थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों को दिए गए जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। फर्म से जुड़े जानकार ने कहा, ''3पीएल और ई-कॉमर्स का प्रभुत्व दिखाता है कि किस प्रकार तेजी से विकसित हो रही उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास की अगली लहर प्रीमियम, टिकाऊ और प्रौद्योगिकी-सक्षम सुविधाओं द्वारा परिभाषित होगी। फर्म के अनुसार, जनवरी-जून 2025 के दौरान औद्योगिक स्थानों और गोदामों की आपूर्ति 1.67 करोड़ वर्ग फुट रही। इस अवधि में कुल आपूर्ति में बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का योगदान 57 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट सलाहकार ने 2025 की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन के साथ उम्मीद जाहिर की हैं कि दूसरी छमाही में भी मांग मजबूत बनी रहेगी।

डिजिटल भुगतान इस साल मार्च तक 10.7 प्रतिशत बढ़ा: आरबीआई आंकड़ा

मुंबई । देश में इस साल मार्च तक डिजिटल भुगतान में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। आरबीआई के सूचकांक से इसकी जानकारी मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक जनवरी, 2021 से डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) प्रकाशित कर रहा है। इसमें देश भर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को दिखाने के लिए मार्च, 2018 को आधार वर्ष माना गया है। आरबीआई ने कहा कि मार्च, 2025 के लिए सूचकांक 493.22 है, जबकि सितंबर, 2024 में यह 465.33 और मार्च, 2024 में 445.5 था। छमाही आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई-डिजिटल भुगतान सूचकांक बढ़ने का कारण देशभर में भुगतान बुनियादी ढांचाज आपूर्ति-पक्ष कारक और भुगतान प्रदर्शन जैसे मापदंडों में उल्लेखनीय वृद्धि है।'' आरबीआई-डिजिटल भुगतान मंच में पांच व्यापक मानदंड शामिल हैं जो विभिन्न समय अवधि में देश में डिजिटल भुगतान की गहनता और पहुंच को मापने को सक्षम बनाते हैं।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई है। दिन के कारोबार के अंत तक 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 140 अंक ऊपर आकर 81481 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 24,800 के करीब बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर भी लाभ में रहे। टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, और इन्फोसिस के शेयर नुकसान में रहे। आज बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर लगभग 80,000 करोड़ रुपये बढ़कर 452.24 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले कारोबारी दिन को 451.44 लाख करोड़ रुपये रहा था। इससे साफ है कि निवेशकों की संपत्ति में लगभग 80,000 करोड़ रुपये की बढ़त आई है। आज वैश्विक संकेतों में सुधार और निवेशकों की सकारात्मक धारणा से भी बाजार को लाभ हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट बंद हुए। वहीं आईटी , मेटल, फार्मा सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं ऑटो, रियल्टी, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में दबाव देखने को मिला। अमेरिकी फे रिजर्व की बैठक को लेकर निवेशकों में सतर्कता थी, जिससे ग्लोबल स्तर पर भी अनिश्चितता देखने को मिली। इसके साथ ही भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में संभावित टैरिफ को लेकर चिंता का माहौल बना रहा, जिससे विदेशी निवेशकों की धारणा थोड़ी कमजोर रही। जिससे भी बाजार पर दबाव आया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथा खुला। आज सुबह सेंसेक्स 168 अंक बढ़कर 81,506 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 55 अंक ऊपर आकर 24,877 पर खुला। एलएंडटी के अच्छे तिमाही परिणामों के कारण शुरुआती कारोबार में इन्फ्रा शेयरों में बढ़त रही है और निफ्टी इन्फ्रा इंडेक्स 0.61 फीसदी ऊपर आया।

आज एशिया के अधिकतर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल में शेयर हरे निशान में थे, जबकि हांगकांग और जकार्ता में नुकसान के साथ हीलाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली का सिलसिला जारी रखते हुए 4,636 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

अगस्त में बैंक 14 दिन रहेंगे बंद, जानें 5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा कौन-कौन हैं अवकाश के दिन

नई दिल्ली। अगले माह यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन के लिए बैंक में काम-काज नहीं होगा। अगस्त माह में 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन ऐसे हैं जो अलग-अलग जगहों पर बैंकों में अवकाश रहने वाला है।अब यदि अगस्त माह में आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम-काज करना है तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। दरअसल अगस्त माह में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे यहां देखें- रविवार- 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त और 31 अगस्त को होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। वहीं दूसरे और चौथे शनिवार यानी 09 अगस्त और 24 अगस्त को बैंक में काम-काज नहीं होगा।

15 से 17 तक 3 दिन बैंक बंद

देश की ज्यादातर जगहों पर 15 से 17 अगस्त तक लगातार 3 दिन बैंकों में कारोबार नहीं होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को जन्माष्टमी/कृष्ण जयंती और 17 अगस्त को रविवार के चलते बैंकों में काम-काज नहीं होगा। वहीं असम में 23 से 25 अगस्त तक बैंकों में अवकाश रहेगा।

ऑनलाइन बैंकिंग से निपटाएं काम

बैंकों में अवकाश के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के माध्यम से पैसे का लेन-देन या अन्य काम किए जा सकते हैं। इस तरह से ऑनलाइन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

सेबी ने दी मंजूरी....भारत में भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए

मुंबई ।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत में आंशिक (फ्रैक्शनल) शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए एक स्टार्टअप के प्रस्ताव को मंजूर किया है। यह निर्णय भारतीय इक्विटी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि निवेशक अब पूरे शेयर खरीदने के बजाय उसके एक या कुछ हिस्से का व्यापार कर सकते है। दरअसल आंशिक शेयर ट्रेडिंग वह व्यवस्था है जहाँ निवेशक एक पूरे शेयर की खरीद-फरोख्त के बजाय उसके एक छोटे हिस्से का व्यापार कर सकते हैं। यह प्रणाली अमेरिका जैसे देश में काफी लोकप्रिय रही है। यह उन निवेशकों के लिए फायदेमंद है जो अधिक महंगे शेयरों में निवेश करना चाहते हैं लेकिन उनके पास पूरे शेयर खरीदने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं होती।

इसके लिए सेबी ने एक बड़ा कदम उठाकर भारत में आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए मंजूरी दी है। यह निर्णय सेबी के 2021 के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दिखाता है, जब सेबी ने इसी तरह के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जनवरी 2021 में, ज़ीरोधा और स्टॉक हिस्सा डॉट कॉम ने आंशिक शेयर ट्रेडिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन उनके आवेदन को नियामक ने खारिज कर दिया था। उस समय, उनका मॉडल एक होल्डिंग इकाई पर निर्भर था जो पूरे शेयर खरीदती और फिर उसका हिस्सा बेचती, जिससे नियामकीय और संरचनात्मक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती थीं। लेकिन इस महीने की शुरुआत में, बेंगलूरु की जॉल्ट्स भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग का परीक्षण करने के लिए सेबी के इनोवेशन सैंडबॉक्स में शामिल हुई थी। जॉल्ट्स के सह-संस्थापक नीरज सिंह ने बताया कि अगले 3 से 4 महीनों में कंपनी सेबी और बाजार के अन्य भागीदारों के समक्ष विभिन्न उपयोग-मामलों का प्रदर्शन करेगी।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि उनके सफल आवेदन का मूल आधार संरक्षण का ढांचा था, जिसमें आंशिक शेयर ब्रोकर के पास रहने की बजाय डिपॉजिटरी में रखे जाएंगे।

बैंकों में 5 दिन काम-काज को लेकर बोली सरकार- फैसला अभी नहीं

नई दिल्ली।

बैंकों के काम-काज दिवस को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल बैंक कर्मचारियों की लंबे समस से मांग रही कि बैंक के काम-काज सप्ताह में 5 दिन ही हों, ऐसे में वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि फैसला अभी नहीं लिया गया है। बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए यह खबर इसलिए भी अहम है, क्योंकि लंबे समय से बैंक कर्मचारियों की मांग रही है कि सप्ताह में 5 दिन बैंकिंग काम-काज हो। इसे देखते हुए सरकार ने सदन में एक बड़ा ऐलान कर दिया है। सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में 28 जुलाई 2025 को बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) ने सभी शनिवार को बैंक में अवकाश रखने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन अभी इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। फिलहाल यह प्रस्ताव विचाराधीन है। इस संबंध में ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन (एआईबीओसी) का कहना है कि सभी शनिवार बैंक बंद रखे जाते हैं तो कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी, वेल-बीइंग और कार्यसंस्कृति में सुधार होगा। वर्तमान में सरकारी बैंकों में महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है। जबकि पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को बैंकों में काम-काज होता है।

ऑनर जल्द ही एक नया फ्लैगशिप फोन कर सकती है लॉन्च

नई दिल्ली । स्मार्टफोन निर्माण करने वाली कंपनी ऑनर जल्द ही एक नया फ्लैगशिप फोन लॉन्च कर सकती है। इसका नाम हॉनर मैजिक 8 अल्ट्रा होने की संभावना है। एक नई लीक ने बाजार में हलचल मचा दी है। टेक टिपस्टर फिक्स्ड फोकस डिजिटल के मुताबिक, कंपनी एक ऐसा स्मार्टफोन ला रही है जिसमें दो 200 मेगापिक्सल के कैमरे होंगे। इसमें एक मेन कैमरा और एक पेरिस्कोप टेलिफोटो लेंस शामिल हो सकता है, जो लो-लाइट फोटोग्राफी और टेलिस्कोपिक जूम के लिए शानदार अनुभव देगा। ऑनर का यह डिवाइस सीधे तौर पर सैमसंग गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा, शाओमी 16अल्ट्रा, वीवो एक्स300 अल्ट्रा और ओप्पो फाइंड एक्स9 अल्ट्रा जैसे हाई-एंड स्मार्टफोन्स को टक्कर देगा। इससे पहले भी ऑनर मैजिक 7 आरएसआर पोर्श एडिशन जैसे फोन में पेरिस्कोप लेंस देखने को मिला है। ऑनर की सुपर जूम तकनीक और 100 एक्स एआई-पावर्ड डिजिटल जूम इसे प्रतिस्पर्धियों से अलग बनाती है।

पति की हत्या, अस्मिता के जेल में 48 घंटे ट्यूशन टीचर बॉयफ्रेंड को याद करती है

समस्तीपुर। में ट्यूशन टीचर बॉयफ्रेंड के प्यार में पति की हत्या करने वाली अस्मिता जेल में है। रविवार की शाम उसे यहां लाया गया था। पहले उसे महिला प्रवेश वार्ड में रखा गया। इसके बाद उसे कस्तूरबा वार्ड में शिफ्ट किया गया। इस वार्ड में 73 अंडर ट्रायल महिलाएं बंद हैं। जेल के एक कर्मचारी ने हमें बताया कि 'अस्मिता को पति का हत्या को कई पश्चाताप नहीं है। वो महिला कैदियों से हंस-हंसकर बातें कर रही है। उसने महिला कैदियों से अपने बॉयफ्रेंड का भी जिक्र किया।' 73 महिला कैदियों में से कुछ अस्मिता की तरह भी हैं। जो पति की हत्या के मामले में यहां आई हैं। अस्मिता उनसे अपनी कहानियां बता रही है। एक कैदी को उसने बताया कि 'पति शराब पीकर बहुत पीटता था। मैं उसकी यातनाओं से परेशान हो चुकी थी, इसलिए उसे मार दिया।' अस्मिता ने एक महिला कैदी से बेटे के ट्यूशन टीचर (अपने प्रेमी) के बारे में कहा कि 'मैं उसे जितना मिस कर रही हूं। वो भी मुझे कर रहा होगा। हम दोनों एक दूसरे को बहुत चाहते हैं। रात में सलाखों को देखती रही, डेढ़ घंटे सो पाई जेल के एक कर्मचारी ने बताया, 'सुबह करीब 4 बजे उसे नींद आई, लेकिन डेढ़ घंटे बाद ही यानी साढ़े 5 बजे उसे जेल के नियम के मुताबिक उठा दिया गया। उसे महिला प्रवेश वार्ड में 48 घंटे के लिए अकेला रखा गया है।' शाम 7 बजे के बाद उसे मंडल कारा के महिला प्रवेश वार्ड से कस्तूरबा वार्ड में शिफ्ट किया गया। इस वार्ड में 73 अंडर ट्रायल

अस्मिता कुमारी (27), पत्नी — सोनू कुमार झा (30), पति — हरि ओम झा (25), प्रेमी

महिलाएं बंद हैं।' जेल के कर्मचारी ने बताया, 'रात को अस्मिता को 2 रोटी, चावल, दाल दिया गया था। अस्मिता ने आराम से खाया, लेकिन जब सोने की बारी आई, तो उसके चेहरे पर टेंशन साफ दिख रही थी।' 'सुबह 5:30 बजे उठने के बाद उसे गुड़, चना, अंकुरित मूंग दिया गया। दोपहर में लंच के दौरान अस्मिता ने लाइन में लगकर खाना भी लिया। दिनभर आराम से वो अपने बैरक में अकेली पड़ी रही।''कभी जेल की सलाखों को देखती थी, तो कभी दीवारों को। कई बार बेचैनी में बिस्तर से उठकर उसने पानी पी। देर रात तक बैरक में ही इधर से उधर टहलती भी रही थी। आखिर में सुबह 4 बजे जब कर्मचारियों ने दबाव देकर उसे सोने को कहा तो वो अपने बिस्तर पर चली गई।' अस्मिता मंडल कारा में महिला प्रभारी की निगरानी में है। जेल के नियमों के मुताबिक, फिलहाल उसे कोई काम नहीं दिया गया है। नियम है कि सिर्फ सजायाफ्ता बंदी को ही काम दिया जाता है। विचाराधीन बंदी से काम नहीं कराया जाता है। दादा ने दोनों बच्चों को रखने से इनकार किया, नाना ले गए घर उधर, जेल भेजे जाने से पहले अस्मिता के दोनों बच्चों को उसके दादा टूनटून झा ने अपने पास रखने से इनकार कर दिया और बच्चों के नाना को कहा कि आप अपने नाती-नतिनी को ले जाइए। सोमवार सुबह दोनों बच्चों के नाना अस्मिता झा के ससुराल पहुंचे और उसकी 6 साल की बेटी और 4 साल के बेटे को अपने साथ ले गए। मंडल कारा के सुपरिटेंडेंट बोले- अस्मिता सामान्य है, खा-पी रही है मंडल कारा अधीक्षक प्रशांत ओझा ने बताया, '25 साल के प्रेमी हरिओम झा के साथ मिलकर 30 साल के पति सोनू कुमार झा की हत्या करने वाली 27 साल की अस्मिता झा को रविवार शाम करीब 7 बजकर 30 मिनट पर लाया गया था। उसे महिला प्रवेश वार्ड में रखा गया है।' पति की हत्या के बाद पुलिस ने अस्मिता को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ की तो पहले तो वो बचने की कोशिश करती रही। लेकिन, पुलिस की सख्ती के सामने वो टूट गई। उसने उस रात की पूरी कहानी बताई।

कभी मैथ्स में फेल हुए थे,म्युनिसिपल कमिश्नर हैं'

पटना।'मुझे न पढ़ाई में मजा आता था, न पिता और भाई की तरह डॉक्टर बनने का शौक था। हां, पिता चाहते थे कि मैं उनकी तरह, भाई की तरह डॉक्टर बनूं, लेकिन मेरा सपना इंजीनियर बनने का था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही

मंजूर था। प्री बोर्ड के एग्जाम में मैथ्स में फेल हो गया, लेकिन बाद में मेहनत और लगन से पढ़ाई की। फिर लगातार अपनी पढ़ाई को लेकर फोकस्ड रहा, 12वीं, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के बाद वढरउ के एग्जाम में बैठा और ऑल इंडिया 48वां रैंक आया।' कटिहार के रहने वाले कुमार अनुराग 2018 बैच के IAS अफसर हैं। उनके पिता दिलीप कुमार और भाई हिमांशु दोनों ही डॉक्टर हैं, जबकि पत्नी भी 2019 बैच की IAS अफसर हैं। अनुराग की मां हाउस वाइफ हैं। अपनी सफलता की शुरूआत की कहानी शेयर करते हुए अनुराग बताते हैं, 'कटिहार में ही घर के पास के स्कूल से शुरूआती पढ़ाई की।' 'इस स्कूल में छठी तक पढ़ाई के बाद सिलिगुड़ी के बोर्डिंग स्कूल में चला गया था। चूंकि मैंने छठी तक हिंदी मीडियम यानी बिहार बोर्ड से पढ़ाई की थी, लेकिन सिलिगुड़ी में मैं अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई करने लगा था, तो मुझे पढ़ाई में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।' चार साल तक मैंने इस बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई की थी। यहां नेपाल, भूटान के साथ-साथ बिहार के भी बच्चे पढ़ाई करते थे। 10वीं तक यहां पढ़ाई के बाद 12वीं की पढ़ाई के लिए दिल्ली शिफ्ट किया। यहां अच्छे मार्क्स से मैंने 12वीं पास की। इसके बाद दिल्ली के ही श्रीराम कॉलेज से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर्स भी किया। IAS अफसर के मुताबिक, स्कूल की जर्नी की बात करूं तो मैं आम बच्चों की तरह क्लास में पीछे बैठता था। लेकिन जब भी एग्जाम की बारी आई, तो मैंने फोकस तरीके से पढ़ाई की। सबकुछ ठीक रहा। लेकिन जब मैंने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा कर लिया तो किसी कंपनी को जॉइन न करते हुए UPSC की तैयारी शुरू की। चूंकि शुरूआत से मैंने इकोनॉमिक्स की पढ़ाई की थी, इसलिए UPSC में ऑप्शनल सब्जेक्ट में मैंने इकोनॉमिक्स को ही रखा था। उन्होंने कहा कि 'मेरे जैसे जो भी बिहार के बच्चे हायर एजुकेशन के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य राज्यों में पढ़ाई के लिए जाते हैं, उन्हें हर तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मुझे भी करना पड़ा था। मुझसे पहले जो बिहार के स्टूडेंट्स रहे हैं, उन्हें भी दिक्कतों को सामना करना पड़ा था।' 'मेरे साथ जो सबसे बड़ी दिक्कत थी, वो ये कि मैं पढ़ाई में ध्यान नहीं दे पाता था और शायद ये सब दोस्तों की वजह से था। ये भी रहता है कि पढ़ाई से ज्यादा आप एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में ध्यान देते हैं, तो उतने ज्यादा अच्छे मार्क्स नहीं आ पाते हैं।' लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप आगे किसी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छा नहीं कर सकते। ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन में मेरे मार्क्स अच्छे नहीं थे।' 'इससे पहले जब मैं बाहर गया तो मेरे लिए अंग्रेजी लैंग्वेज बैरियर के रूप में सामने आया था। मेरे साथ

पूर्व विधायक बीमा भारती के बेटे ने किया सरेंडरः 8 माह से पति अवधेश जेल में

पूर्णिया। के हाई प्रोफाइल गोपाल यादुका मर्डर केस में पूर्व मंत्री बीमा भारती के बेटे राजा ने 7 मार्च को पूर्णिया सिविल कोर्ट में सरेंडर किया। कोर्ट ने राजा को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गोपाल यादुका हत्याकांड में नाम सामने आने के बाद से ही राजा फरार था। इस मामले में पूर्व मंत्री के पति अवधेश मंडल ने पिछले साल 5 अगस्त को सरेंडर किया था, तब से वह केंद्रीय कारा पूर्णिया में हैं। वकील जय हिंद कुमार ने बताया कि 'गोपाल यादुका हत्याकांड में राजा और अवधेश मंडल को अप्राथमिक अभियुक्त बनाया गया है। इससे पहले अवधेश

मंडल भी मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद से फरार चल रहा था। सीजीएम कोर्ट ने दोनों के बेल पिटिशन को रिजेक्ट कर दिया है। अब वो सेशन कोर्ट में अपील करेंगे।' व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्या 2 जून 2024 को हुई थी। इस हत्याकांड के बाद पूर्णिया पुलिस ने साजिश रचने के आरोप में राजा और उसके पिता अवधेश मंडल की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही थी। हालांकि, दोनों फरार थे। इससे पहले दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पूर्व MLA बीमा भारती के घर पर कुर्की जब्ती का इश्तेहार चिपकाया था। वहीं, पुलिस ने हत्याकांड के आरोपी विकास कुमार, ब्रजेश यादव, संजय भगत और विशाल राय को गिरफ्तार किया। इसके बाद 48 घंटे की रिमांड पर लिया था। इन चारों आरोपियों से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने हत्याकांड में दोनों पिता-बेटे की संलिप्तता की बात स्वीकारी थी। हालांकि, बीमा भारती ने मीडिया के सामने आकर अपने पति और बेटे का बचाव किया था।

बिहार की लड़की 14 साल में 2 बार बेची गई यूपी के युवक ने खरीदा

पूर्णिया। की एक महिला ने पैसों के लिए 14 साल में अपनी भतीजी का दो बार बेचा। पहला मामला 2011 का जब उस महिला ने यूपी के एक शादीशुदा युवक को 2 लाख रुपए में बेचकर उसकी शादी करा दी। शादी के बाद उसे एक बेटी भी हुई, लेकिन पति भाग गया। इसके बाद 2019 में महिला ने अपनी भतीजी और उसकी दोनों नाबालिग बच्चों को 1 लाख रुपए में बेचकर उसकी दूसरी शादी करा दी। दूसरे पति से उसे बेटा हुआ। कुछ साल बाद उसका दूसरा पति भी भाग गया। अब महिला अपने दोनों बच्चों के साथ पूर्णिया में भटक रही है। पीड़ित महिला के मुताबिक, जिसने उसका दोनों बार सौदा किया, वो उसकी बड़ी मां है। पीड़िता की पहचान 27 साल की विभा देवी के रूप में हुई है। 13 साल की उम्र में बड़ी मां ने भतीजी को बेचा विभा का कहना है, '14 साल पहले जब मेरी उम्र मात्र 13 साल थी, तब मेरी बड़ी मां ने मुझे 2 लाख रुपए में यूपी के एक युवक को बेच दिया। उससे मेरी शादी भी कराई। पहले पति से मुझे एक बेटी हुई, लेकिन 8 साल बाद यानी 2019 में मेरा पति मुझे छोड़कर भाग गया।' 'इसके बाद मैं अपनी बेटी को लेकर बड़ी मां के

पास पूर्णिया आ गई, लेकिन मेरी बड़ी मां ने मुझे अपने पास रखने और मेरा दर्द समझने के बजाय फिर से मुझे मेरी बेटी समेत 1 लाख रुपए में एक युवक को बेच दिया।' 'दूसरी शादी से मुझे एक बेटा हुआ। अब 6 साल बाद एक बार फिर दूसरा पति मुझे छोड़कर भाग गया।' पीड़ित महिला ने बताया कि मैं मूल रूप से अररिया जिले के भरगामा थाना क्षेत्र के हरिपुर काला की रहने वाली हूं। विभा बताती है कि मैं जब 5 साल की थी, तब मेरे सिर पर से पिता झबरू राम का साया उठ गया।' 'मैं 7 भाई-बहनों में चौथे नंबर पर थी। पिता के गुजर जाने के बाद मां नीलम देवी, 4 बहन और तीन भाई मजदूरी करने लगे। विभा बताती हैं, 'पिता की मौत के साल भर बाद यानी जब मैं छह साल की थी, तब अच्छी परवरिश का हवाला देकर बड़ी मां कंचन देवी घर आई और उसे अपने साथ ले गई।

औरंगाबाद, शेखपुरा में तेज बारिश, पटना-बक्सर में छाए बादलः 8 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

किशनगंज में उफान पर कनकई नदी, कई शिक्षक फंसे

बिहार। के कई जिलों में बारिश का दौर जारी है। पटना, बक्सर, औरंगाबाद में बादल छाए हुए हैं। वहीं, औरंगाबाद, शेखपुरा में तेज बारिश शुरू हो गई है। जबकि, नालंदा, सुपौल में तेज धूप निकली हुई है। मौसम विभाग ने आज दक्षिण-पश्चिम बिहार के 8 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 40Kmph की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। बाकी 30 जिलों में मौसम आज सामान्य रहेगा। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। पटना में आज भी बादल छाए रह सकते हैं। हालांकि, बारिश की संभावन कम हैं। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान मानसून और ज्यादा मजबूत होगा। 1 अगस्त से अगले 6 दिनों में प्रदेश में भारी बारिश की संभावना बन रही है। इधर, नेपाल में भारी बारिश के चलते बिहार की नदियां एक बार फिर उफान पर आ गई हैं। किशनगंज में कनकई नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी शिक्षकों को हो रही है, जो पुल के अभाव में जान जोखिम में डालकर नदी पार कर पढ़ाने स्कूल जा रहे। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग सिर पर सामान रखकर नदी क्रॉस करते नजर आ रहे। बीती रात पटना के अलावा मधेपुरा, सीवान और बक्सर में बारिश हुई। बिहार में 474.2 बारिश होनी थी, लेकिन अब तक 272mm बारिश हुई है। यानी प्रदेश में अब भी 42% कम बारिश दर्ज की गई। सीतामढ़ी में 83 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं, पूर्वी चंपारण में 78% जबकि सहरसा

में 72% कम बारिश हुई है। पटना में 1 डिग्री तो वैशाली में 3 डिग्री बढ़ा तापमान पिछले 24 घंटे के दौरान वाल्मीकिनगर सबसे गर्म जिला रहा। यहां 35 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पटना में बीते दिन 1 डिग्री तापमान बढ़ा। इससे पहले सोमवार को राजधानी का तापमान 29.1 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं, वैशाली का तापमान 29.2 डिग्री से बढ़कर मंगलवार को 32.2 डिग्री पहुंच गया। नेपाल में भारी बारिश से कनकई नदी उफना गई है। नदी पर पुल नहीं होने के कारण लोग जान जोखिम में डाल कर पानी से होकर आ-जा रहे हैं। पटना में मंगलवार यानी दूसरे दिन भी मूसलाधार बारिश हुई। दिनभर में हल्की बारिश के बाद रात 8 बजे फिर से झमाझम बारिश हो गई। लगातार हो रही बारिश ने सावन में बारिश का रिकार्ड तोड़ दिया। सोमवार की रात से डेढ़ बजे से सुबह साढ़े आठ बजे तक 175.4mm बारिश हुई और दिनभर में 3.3 बारिश रिकार्ड की गई। लगातार हुई बारिश के बाद न्यू बाइपास के आसपास के मोहल्लों के 150 से अधिक घरों में पानी घुस गया है। यह स्थिति मेट्रो निर्माण एजेंसी की लापरवाही से हुई है। रामलखन पथ के पास रामकृष्णा नगर मेट्रो स्टेशन का निर्माण हो रहा है। निर्माण कार्य में सहूलियत के लिए एजेंसी ने मीठापुर से नंदलाल छपरा तक आने वाले कच्चे नाले को पाटकर उसमें ह्यूम पाइप डाल दिया। इसके चलते नाले से पानी के बहाव की क्षमता कम हो गई। 25 फीट से अधिक चौड़ा नाला संकरा हो गया। इससे रामलखन पथ के आसपास के इलाकों में पानी फैलने लगा। सड़क पर पानी भरने के बाद लोगों के घरों में घुस गया। इधर, अशोकनगर स्थित जीरो प्वाइंट संप हाउस व ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन से भी भरपूर मात्रा में पानी नहीं खींचा, क्योंकि पानी का अधिक दबाव बढ़ गया। इसके चलते भोजपुर कॉलोनी, इंदिरा नगर, संजय नगर, पोस्टल पार्क, नवरतनपुर गांव, सब्जी मंडी, अशोक नगर 3, 5, और 7 नंबर की सड़कों के साथ ही घरों में भी पानी प्रवेश कर गया। समस्तीपुर में मुख्य सड़क पर पानी जमा है। आधा किलोमीटर लंबी सड़क पर छोटी नदी की तरह पानी बह रहा है।

मामला खानपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रेवड़ा पंचायत के वार्ड एक का है। इस सड़क से प्रतिदिन हजारों लोग गुजरते हैं।

संक्षिप्त डायरी

सम्राट चौधरी पर प्रशांत किशोर बोले- हम भाई-भतीजावाद नहीं करते

औरंगाबाद। में प्रशांत किशोर ने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान इन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी के बारे में सच्चाई बोलने का प्रयास किया तो उनके कार्यकर्ता को झूठे केस में फंसाया गया है। लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। दिलीप जायसवाल का भंडाफोड़ हो चुका है। इस राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था में मंगल काल लाने वाले मंगल पांडेय का किस्तों में बढ़िया से पदार्फाश किया जाएगा। बिहार की जनता को उनके चाल चरित्र और चेहरे से अवगत कराया जाएगा। कल सम्राट चौधरी ने एक इंटरव्यू में बताया कि प्रशांत किशोर हमारे भाई हैं। इसका जनसुराज सूत्रधार ने जवाब देते हुए कहा कि हम आपके माध्यम से उन्हें बताना चाहते हैं कि हम भाई भतीजा वाद नहीं करते हैं, अगर भाई है, तब भी आपने जो गलती किया है वह छुपने वाला नहीं है। प्रेस के सामने रखा जाएगा। बिहार की जनता इस बार जब दिवाली और छठ मनाएगी तो उसके बाद से नाली गली, 5 किलो अनाज और रोजगार के लिए उसको दर-दर का ठोकर नहीं खाना पड़ेगा। यही मेरी सेटिंग है। पटना में मेट्रो रेल शुरू होने वाला है, लेकिन आधा पटना पानी में डूबा है। इस पर उन्होंने कहा कि जब पूरे देश में हर बड़े शहर में मेट्रो चालू हो गया, तो सबसे पीछे पटना में मेट्रो शुरू किया जा रहा है। विकास के सभी मानकों पर बिहार देश में सबसे पीछे है। इस तरह मेट्रो में भी सभी मानकों पर पटना और बिहार पीछे है। पटना में थोड़ी सी बारिश में लोगों के घर के सामने से नाली बह रहा है। घर में पानी घुस गया। आपने मेट्रो बनाया या एयरपोर्ट बनाया इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है। प्रशांत किशोर ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपने मोदी का चेहरा देख कर वोट दिया, तो चायवाला प्रधानमंत्री बन गया। लालू का चेहरा देखकर वोट दिया तो भैंस चराने वाला 30 साल से राजा बना हुआ है। नीतीश का चेहरा देखकर वोट दिया तो वैद्य का लड़का 20 साल से शासन कर रहा है। लेकिन आपने अभी तक अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट नहीं दिया पीएम मोदी बिहार के लोगों का वोट लेकर और देश भर का पैसा लेकर अपने राज्य गुजरात में फैक्ट्री लगवा रहे हैं। बिहार के युवा गुजरात जाकर उन्हीं फैक्ट्रियों में 10-12 हजार रुपए के लिए मजदूरी कर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने जनता से अपील की कि इस बार उन्हें और उनके बच्चों को लूटने वाले नेताओं को वोट नहीं दें। चाहे लालू हों, नीतीश हों या मोदी हों, इस बार नेताओं का चेहरा देखकर वोट न करें। इस बार अपने बच्चों के लिए वोट दें और बिहार में जनता का राज स्थापित करें। इस बार अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करें। प्रशांत किशोर ने औरंगाबाद की जनता से किया वादा प्रशांत किशोर ने कहा है कि छठ के बाद 50 लाख युवाओं को बिहार में ही मिलेगा 12 हजार रुपए तक का रोजगार, सभी बुजुर्गों को 2000 रुपए मासिक पेंशन, बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में मुफ्त शिक्षा मिलेगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि इस बार अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट कीजिए। इस साल बिहार की बदहाली की आखिरी दिवाली और छठ होगी। छठ के बाद औरंगाबाद के युवाओं को 10-12 हजार रुपए की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। बिहार भर के ऐसे 50 लाख युवाओं को वापस बुलाकर उन्हें यहीं 10-12 हजार रुपए का रोजगार दे दिया जाएगा। प्रशांत किशोर ने जनता से वादा करते हुए कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा ऐलान किया कि जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं हो जाएगा, तब तक आप अपने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं और उनकी फीस सरकार भरेगी ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सके।

गुजराती महिला नेताओं ने बिहारशरीफ का दौरा किया

पटना। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ महिला पदाधिकारी ज्योत्स्ना पंचाल व तृप्ति चतुवेर्दी गुजरात से नालंदा आई है। इसने मंगलवार को नालंदा में प्रेस वार्ता आयोजित की। इसमें बिहार

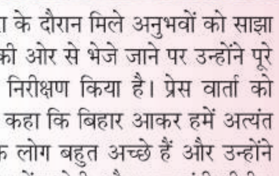

शरीफ विधानसभा क्षेत्र के व्यापक दौरा के दौरान मिले अनुभवों को साझा किया। दोनों नेत्रियों ने कहा कि पार्टी की ओर से भेजे जाने पर उन्होंने पूरे क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का गहन निरीक्षण किया है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ज्योत्स्ना पंचाल ने कहा कि बिहार आकर हमें अत्यंत सकारात्मक अनुभव मिला है। यहां के लोग बहुत अच्छे हैं और उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय महिलाओं से बातचीत के दौरान यह स्पष्ट हुआ है कि बीस साल पहले जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता था, आज वैसी कोई परेशानी नहीं रह गई है। लोगों में विकास काम को लेकर संतुष्टि का भाव दिखाई दे रहा है। स्थानीय विधायक के काम की सराहना क तृप्ति चतुवेर्दी ने बताया कि बिहार शरीफ विधानसभा के विधायक डॉक्टर सुनील कुमार के विकास काम की व्यापक चर्चा हो रही है। जनता ने हमें बताया कि वे लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। लोगों का कहना है कि 2025 के चुनाव में वे फिर से उन्हें जिताकर अपना विधायक और मंत्री बनाना चाहते हैं। दोनों नेत्रियों ने एक महत्वपूर्ण बात कही कि लोगों के दिलों में अभी भी पुराने दौर के 'जंगलराज' का खौफ जिंदा है।

होटल मेफेयर अग्निकांड की जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी बनाई गई

पटना। डाकबंगला चौराहा और पटना जंक्शन के बीच स्थित होटल मेफेयर में लगी भीषण आग की जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। जिला फायर अधिकारी मनोज नट की अध्यक्षता में बनी कमेटी में लोदीपुर, फुलवारी और कंकड़बाग

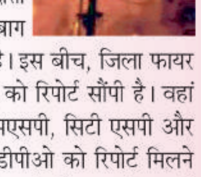

फायर स्टेशन के प्रभारी को शामिल किया गया है। इस बीच, जिला फायर अधिकारी ने विभाग की डीजी शोभा अहोटकर को रिपोर्ट सौंपी है। वहां से रिपोर्ट गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव, एसएसपी, सिटी एसपी और एसडीपीओ को जाएगी। सूत्रों के अनुसार, एसडीपीओ को रिपोर्ट मिलने के बाद होटल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होगी। जांच के बाद गिरफ्तारी भी हो सकती है। होटल को सील भी किया जा सकता है। रविवार की रात करीब 3 बजे होटल के बिजली पैनल में शॉट सर्किट से भीषण आग लगी थी। पांच लोग जान बचाने के लिए कमरे का शीशा तोड़ कर नीचे कूद गए थे। उस वक्त 15 कमरों में करीब 25 लोग सोए हुए थे। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 25 दमकलों ने आग पर काबू पाया था।

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थाानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा ड्यूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

बुमराह की अनुपस्थिति में सीरीज में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम चौथा टेस्ट साहसिक ढंग से ड्रा कराने के बाद नए उत्साह से इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है।

भारत और इंग्लैंड की टीमें गुरूवार को जब ओवल के मैदान पर उतरेंगी, तो बहुत कुछ दांव पर होगा। जहां पिछले मैच की ड्रॉ से उत्साहित भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपना बनाकर सीरीज को भी अपना बनाना चाहेगी। लॉर्ड्स और मैनचेस्टर टेस्ट का अंत बहुत नाटकीय ढंग से हुआ था और जिस तरह से ओवल में अभ्यास सत्र की शुरूआत हुई है, उससे इस मैच के भी बेहद ही रोचक होने की संभावना है।

मैनचेस्टर और ओवल टेस्ट के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर है, इसलिए वकर्लोड मैनेजमेंट के कारण भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेलेंगे और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। चूंकि पिछले मुकाबले में डेब्यू करते हुए अंशुल कम्बोज प्रभावित नहीं कर पाए थे, इसलिए उनकी जगह आकाशदीप ले सकते हैं, जो कि जांघ की चोट से वापस आ रहे हैं।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया है कि यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि मेडिकल टीम ने बुमराह, भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के साथ मिलकर यह फैसला किया था कि वह इंग्लैंड दौरे के दौरान पांच में से केवल तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे। बुमराह हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में खेले, एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर बैठे, जिसे भारत ने जीता, और उसके बाद लॉर्ड्स और पिछले हफ्ते ओल्ड ट्रैफर्ड में हुए अगले दो टेस्ट में खेले।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे दिन की सुबह से बुमराह ने कोई गेंदबाजी नहीं की थी और साथ ही आखिरी दो टेस्ट मैचों के बीच तीन दिन का ब्रेक भी है, ऐसे में भारत अपनी मूल योजना में बदलाव करने पर विचार कर सकता है, खासकर ओवल में जीत के साथ सीरीज 2-2 से बराबर करने की संभावना को देखते हुए।

उन्होंने 33 ओवरों में दो विकेट लिए, जो एक पारी में उनके द्वारा फेंके गए सर्वाधिक ओवर थे, और पहली बार उनके रनों का आंकड़ा 100 के पार पहुंचा। जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ी, प्रत्येक टेस्ट की पहली पारी में 140 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदें फेंकने की संख्या भी हेडिंग्ले में 42.7 से घटकर लॉर्ड्स में 22.3 और ओल्ड ट्रैफर्ड में 0.5 हो गई।

बुमराह वर्तमान में सीरीज में 14 विकेट लेकर मोहम्मद सिराज के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। मैनचेस्टर में ड्रॉ के बाद भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि बुमराह अंतिम टेस्ट के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन दो दिन बाद भारत ने उन्हें आराम देने का फैसला किया। बुमराह की जगह कौन लेगा, यह मंगलवार को भारत के वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र में स्पष्ट हो गया।

कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप ने हरी-भरी अभ्यास पिचों पर गेंद को अच्छी तरह से सीम करते हुए आसानी से अपनी लय पकड़ ली। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट में, जो दिसंबर में मेलबर्न के बाद उनका पहला टेस्ट था, आकाशदीप ने मैच में दस विकेट लिए, जिसमें इंग्लैंड की दूसरी पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ 99 रन देकर 6 विकेट लेना भी शामिल है, जिसमें उन्होंने एक हल्की पिच से मूवमेंट हासिल किया। हालांकि, लॉर्ड्स में अगले टेस्ट में, आकाश को निरंतरता बनाए रखने में दिक्कत हुई, खासकर पवेलियन एंड से ढलान पर गेंदबाजी करते हुए।

उन्होंने टेस्ट में सिर्फ एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियां आकाश को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। फिर भी, गिल और गंभीर को गेंदबाजी आक्रमण में सही संतुलन बनाने की चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती मुख्य रूप से तीन अन्य तेज गेंदबाजों, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज, के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण है, जिन्होंने अब तक श्रृंखला में हिस्सा लिया है।

प्रसिद्ध दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि ठाकुर और कंबोज को ओल्ड ट्रैफड में अपने पहले स्पैल के बाद बमुश्किल ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। बुमराह की अनुपस्थिति में, सभी टेस्ट खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज, सिराज, एक बार फिर तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे। सिराज ने इस श्रृंखला में तेज गेंदबाजों में चौथे सबसे अधिक ओवर - 139 - फेंके हैं, लेकिन उन्होंने अपनी तीव्रता कम नहीं होने दी है। भारत उनके कार्यभार और फिटनेस को लेकर चिंतित होगा, लेकिन उनके पास सिराज को खिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। फिर भी, भारत को तीसरे तेज गेंदबाज के बारे में फैसला करना होगा।

टीम इंडिया ने पाकिस्तान के साथ खेलनें से किया इंकार, भारत का टूर्नामेंट में सफर हुआ समाप्त

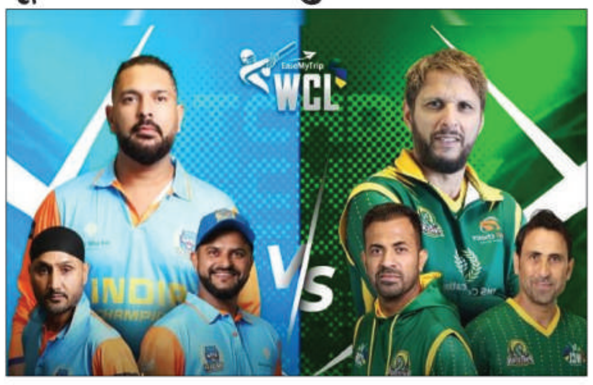

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) 2025 के बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला अब नहीं होगा। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा मैच में खेलने से इनकार करने के बाद यह फैसला लिया गया है। इस निर्णय के साथ ही भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में चार टीमों ने जगह बनाई थी। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका। सेमीफाइनल मुकाबला 31 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच बर्मिंघम में खेला जाना था, लेकिन अब यह मुकाबला नहीं होगा।

भारतीय खिलाड़ियों का खेलने से इनकार

पीटीआई के सूत्रों के अनुसार, भारत चैंपियंस लीग का प्रतिनिधित्व कर रहे पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान चैंपियंस लीग के खिलाफ सेमीफाइनल खेलने से इनकार कर दिया। इससे पहले ग्रुप स्टेज में भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं हो सका था। इस फैसले के पीछे भारतीय खिलाड़ियों की व्यक्तिगत और राष्ट्रीय भावना को अहम कारण माना जा रहा है, हालांकि आयोजकों की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है।

मुरली श्रीशंकर की नजरें विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर की नजरे अब सितंबर में टोक्यों में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। इसके लिए वह अगले माह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे । श्रीशंकर ने हाल ही में पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट में माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता था।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की छलांग के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर कीछलांग लगाई। तीसरी छलांग में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला तय किया। अगला प्रयास

फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। गौरतलब है कि घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की थी। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली

रविंद्र जडेजा विश्व के नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर, अभिषेक टी20 में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई(एजेंसी)। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक हरफनमौला के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जबकि अभिषेक शर्मा पहली बार टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे। आईसीसी टेस्ट क्रिकेटरों की ताजा रैंकिंग में जडेजा के पास 117 रेटिंग अंकों की बढ़त हो गई है जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर टी20 रैंकिंग में एक साल से शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़कर भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नंबर एक पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज शर्मा के अब 829 रेटिंग अंक हैं जबकि हेड 814 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'जडेजा ने 107 रन की नाबाद पारी और चार विकेट लेकर हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बढत बना ली है।' इसमें कहा गया, 'उसने 13 रेटिंग अंक हासिल किए है और कुल 422 अंक के साथ वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक आगे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह पांच पायदान चढ़कर 29वें और गेंदबाजों में एक पायदान चढकर 14वें स्थान पर हैं।'

वॉशिंगटन सुंदर आठ पायदान चढ़कर 65वें स्थान पर हैं जिन्होंने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी करके मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया था। टेस्ट क्रिकेट में जो रूट शीर्ष बल्लेबाज हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे स्थान पर है। गेंदबाजों में चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले जोफ्रा आर्चर 38 पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए हैं। क्रिस वोक्स एक पायदान ऊपर 23वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट दसवें और जाक क्रॉली 43वें स्थान पर आ गए हैं।

बेन स्टोक्स 5वें टेस्ट से बाहर, इंग्लैंड ने प्लेइंग 11 में किए बड़े बदलाव

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ द ओवल में होने वाले अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की प्लेइंग ड्ड में चार बदलाव हुए हैं। इंग्लैंड चयन समिति ने बुधवार को टीम में बदलावों की घोषणा की, जिसमें जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। स्टोक्स की अनुपस्थिति में कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप को सौंपी गई है। टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए सरे के गेंदबाज गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। जैकब बेथेल संभवत: छठे नंबर पर खेलेंगे, जिससे इंग्लैंड के मध्य क्रम में नई प्रतिभाएं जुड़ेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जेमी स्मिथ संभालेंगे, जो स्टंप के पीछे अपनी जगह बनाए रखेंगे। चोटिल बेन स्टोक्स की जगह ओली पोप को कार्यवाहक कप्तान नियुक्त किया गया है। बल्लेबाजी क्रम में जैक क्रॉली और बेन डकेट अपनी सलामी जोड़ी बनाए रखेंगे, उनके बाद पोप तीसरे और अनुभवी रूट चौथे नंबर पर होंगे।

सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, 'वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये।' उन्होंने साथ ही कहा कहा, 'मुझे अब भी लगता है कि वॉशिंगटन सुंदर की भूमिका ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, क्योंकि वह बहुत देर से गेंदबाजी के लिए आते हैं और बहुत कम गेंदबाजी करते हैं। गेंदबाज के तौर पर उन्होंने दो भी विकेट लिए हैं। वह एक अच्छे बल्लेबाज नजर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके पास आर अश्विन जैसा गेंदबाजी कौशल है। मुझे नहीं पता कि वह एक दिन उस जैसा गेंदबाज बनेगा या नहीं, लेकिन वह अभी जो कर रहा है वह काफी अच्छा है।

ओवल टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल का बयान, पिच क्यूरेटर से गौतम गंभीर की लड़ाई पर तोड़ी चुप्पी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला गुरुवार, 31 जुलाई से होने वाला है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ओवल मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से बहस के कारण चर्चा में हैं। इस मामले पर अब कप्तान शुभमन गिल की 5वें टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस बीच गिल ने गंभीर और क्यूरेटर के बहस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

शुभमन गिल ने गंभीर और पिच क्यूरेटर की बहस पर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आया कि क्यूरेटर ने हेड कोच के साथ बहस क्यों की। शुभमन गिल ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि कल क्या हुआ था और पिच क्यूरेटर ने ऐसा क्यों किया। हमने चार मैच खेले हैं और किसी ने हमें रोकने की कोशिश नहीं की। सभी ने बहुत क्रिकेट खेला है और कोच और कप्तान कई बार विकेट देखने गए हैं। मुझे नहीं पता कि इतना हंगामा किस बात का था।

गिल ने कहा कि, अगर कोई क्यूरेटर हमें विकेट को न देखने या तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहता है, तो ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। हम लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और जब तक आप रबर स्पाइक्स या नंगे पैर हैं, आपको विकेट को करीब से देखने की अनुमति है। ये कोच और कप्तान का काम है। इसलिए, मुझे नहीं पात कि क्यूरेटर ने हमें ऐसा करने की अनुमति क्यों नहीं दी।

ईस्पोर्ट्स शतरंज विश्व कप 2025 : क्वार्टर फाइनल में पहुँचे अर्जुन, फिरौजा, अरोनियन और कार्लसन

रियाद ,सऊदी अरब, । ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 में पहली बार शामिल शतरंज प्रतियोगिता के ग्रुप चरण पूरे हो चुके हैं और ग्रुप ए से यूएसए के लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट), ग्रुप बी से भारत के अर्जुन एरिगैसी (जेन जी ईस्पोर्ट्स), ग्रुप सी से फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा (टीम फाल्कन्स) और ग्रुप डी से मैगनस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत के अर्जुन एरिगैसी ने पहले हमवतन निहाल सरीन (एस8यूएल) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के दिग्गज जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को आर्मागेडन मुकाबले में 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। अब निहाल को क्वार्टर फाइनल में पहुँचने के लिए नीदरलैंड के अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) और मैक्सिम के खिलाफ लूज़र ब्रैकेट में जीत हासिल करनी होगी। कंपटीशन का समय नियंत्रण 10 मिनट प्रति खिलाड़ी है, जिसमें कोई इन्क्रिमेंट नहीं है। खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और अपनी पसंद का संगीत सुनने की अनुमति दी गई है ड्ड जो आधुनिक ईस्पोर्ट्स शतरंज के अनुरूप है। कुल पुरस्कार राशि 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि शतरंज खिलाड़ियों को उनकी ईस्पोर्ट्स टीमों के जरिए 27 मिलियन डॉलर के साझा इनाम का भी हिस्सा मिलेगा। इस बार ग्रुप्स को चार शीर्ष खिलाड़ियों ड्ड जीएम इयान नेपोमनियाची, जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, जीएम हिकारू नाकामुरा और जीएम मैग्नस कार्लसन ड्ड द्वारा चुना गया, जिन्होंने बाक़ी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट के ज़रिए किया।

आईपीएल 2026 में बदलेगी एलएसजी की किस्मत, भरत अरुण बनेंगे फ्रेंचाइजी के गेंदबाजी कोच

लखनऊ (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का दामन थाम लिया है। केकेआर से अलग होकर भरत अरुण अब एलएसजी के लिए गेंदबाजी कोच का जिम्मा संभालेंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अरुण पिछले कुछ सालों से केकेआर से जुड़े थे। साल 2025 में टीम आठवें स्थान पर रही। इसके चलते शाहरुख खान के स्वामित्व वाली ये फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है, जिसमें अभिषेक नायर और ड्वेन ब्रावो मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसी तरह चंद्रकांत पंडित और अरुण दोनों की अनुभवी जोड़ी अलग हो गई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भरत अरुण लखनऊ सुपर जाएंट्स के नए गेंदबाजी कोच नियुक्त किए हैं। फ्रेंचाइजी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया कि हां, अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

बता दें कि, पिछले सीजन में सातवें स्थान पर रहने के बाद एलएसजी अपने सहयोगी स्टाफ में बदलाव कर रही है। पिछले सीजन में एलएसजी की गेंदबाजी ने बेहतरीन प्रदर्शन नहीं किया था। मयंक यादव महज दो ही मैच खेल पाए। वहीं टीम के अन्य तेज गेंदबाज अपना प्रभाव छोड़ पाने में फेल रहे।

डेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं : सिद्धू

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है।

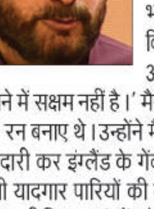

सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने में सक्षम नहीं है।' मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

शुभमन गिल पांचवें टेस्ट में बनाएंगे बड़ा रिकॉर्ड, 6000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से मात्र इतने रन दूर

लंदन (एजेंसी)। भारत 31 जुलाई से ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच की तैयारी कर रहा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 6000 रन पूरे करने से केवल 32 रन दूर हैं। गिल ने 112 मैचों में 46.62 की औसत और 79.92 के स्ट्राइक रेट से 5968 रन बनाए हैं। उन्होंने 25 अर्धशतक और 18 शतक लगाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रहा है।

भारतीय कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक खेले गए चार मैचों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 8 पारियों में 90.25 की औसत से 722 रन बनाए हैं। चौथे टेस्ट की तीसरी पारी में गिल ने 103 रनों की पारी खेली, जो इस सीरीज का उनका चौथा शतक था और यह पारी मुश्किल परिस्थितियों में खेली गई। इस शतक के साथ गिल डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर की बराबरी पर आ गए, जिन्होंने टेस्ट इतिहास में एक ही सीरीज में चार शतक जड़े हैं।

ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह कमाल किया था, जबकि गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में धमाल मचाया था। गिल ने यह उपलब्धि विदेशी धरती पर और कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में हासिल की। कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में किसी अन्य खिलाड़ी ने चार शतक नहीं लगाए हैं। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ तीन शतक थे, यह रिकॉर्ड खेल के पांच महान खिलाड़ियों वारविक आर्मस्ट्रांग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के नाम था।

गिल के 103 रन ओल्ड ट्रैफर्ड में 35 सालों में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया पहला शतक था जोकि 1990 में युवा सचिन तेंदुलकर के प्रतिष्ठित 119 रनों के बाद आया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के कुल आंकड़ों के लिहाज से गिल का रिकॉर्ड लगातार मजबूत होता जा रहा है। अब उनके पास WTC युग में नौ शतक हैं, जो रोहित शर्मा के बराबर है, हालांकि गिल ने रोहित के 69 की तुलना में 67 पारियों में ऐसा किया है।

ऑपरेशन शिवशक्ति के तहत दो आतंकवादियों को ढेर किया गया

पुंछ (एजेंसी)। पुंछ में भारतीय सेना ने ऑपरेशन शिवशक्ति के तहत घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। यह घटना नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मालदीवलन इलाके में हुई। सेना ने आतंकवादियों के पास से तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। इसके पहले सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत 3 पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों में पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी शामिल था। अन्य दो की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई, जिसमें जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट हमले में शामिल था। इन आतंकवादियों के पास से अमेरिकी एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड बरामद किए गए थे।

7 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, राष्ट्रपति करेंगी बुनकरों को सम्मानित

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में 7 अगस्त को 11वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन बुनकरों को संत कबीर पुरस्कार से सम्मानित करेंगी, जिन्होंने वर्षों से पारंपरिक बुनाई और शिल्प को सहेजने में अहम योगदान दिया है। कार्यक्रम के दौरान हैंडलूम उत्पादों की प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा, जिससे देश और दुनिया को भारतीय हथकरघा की विविधता और समृद्ध परंपरा से रूबरू कराया जाएगा। भारतीय हथकरघा उद्योग से आज देशभर में करीब 35 लाख से अधिक लोग जुड़े हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। यह क्षेत्र न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है, बल्कि पारंपरिक कला और संस्कृति को भी जीवंत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि भारतीय बुनकरों को वैश्विक मंच मिले और जो पारंपरिक कलाएं समय के साथ लुप्त होती जा रही थीं, उन्हें फिर से नई पहचान मिले। हम हथकरघा उद्योग के संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। सरकार भी बुनकरों को प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी और आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। आयोजकों का मानना है कि इस तरह के आयोजन बुनकरों को नई पहचान दिलाने के साथ-साथ युवाओं को भी इस परंपरा से जोड़ने में मदद करेंगे।

आंध्र प्रदेश में एसआईटी की कार्रवाई, 11 करोड़ नकदी समेत शराब की खेप जब्त

हैदराबाद(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में एसआईटी ने बुधवार को छापेमारी में 11 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। यह छापेमारी हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस पर की गई। यह कार्रवाई मामले के एक आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर की। कथित शराब घोटाले में ए-40 के रूप में सूचीबद्ध वरुण पुरुषोत्तम ने इसमें अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया और कई अहम जानकारियां दी। उस आधार पर एसआईटी ने बुधवार को यहां छापा मारा, जिसमें हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस में बक्सों में छिपाकर रखी गई नकदी से संबंधित विवरण का खुलासा हुआ। एसआईटी ने शमशाबाद मंडल के काचरम स्थित सुलोचना फार्म गेस्ट हाउस से 11 करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। यह नकदी 12 बॉक्सों में छिपाकर रखी थी। एसआईटी ने यह बरामदगी घोटाले के आरोपियों के घरों और दफ्तरों पर छापेमारी में की। जांच अधिकारियों ने उसी स्थान से शराब की बड़ी खेप भी जब्त की है।

नौकरानियों ने जीता बुजुर्ग का भरोसा, फिर 85.5 लाख के जेवरातों पर किया हाथ साफ

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में तीन नौकरानियों ने एक बुजुर्ग को झांसा देकर 85.5 लाख रुपए का सोना चुरा लिया। इन नौकरानियों ने तीन महीने तक इस चोरी को अंजाम दिया। इस दौरान सोने के आभूषण, बिस्किट और सिक्के चुराए। पुलिस ने तीनों नौकरानियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक नेरुल इलाके में एक बुजुर्ग के घर पर अप्रैल और जून के बीच चोरी हुई थी। तीनों महिलाएं इस दौरान उनके घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थीं। पुलिस के मुताबिक आरोपी महिलाओं ने भरोसे का फायदा उठाया। उन्होंने करीब 900 ग्राम सोने के आभूषण, बिस्किट और सिक्के चुरा लिए। इनकी कुल कीमत 85,50,000 रुपए है। पुलिस ने बताया कि दो आरोपी महिलाएं नेरुल की रहने वाली हैं जबकि तीसरी पड़ोसी में रहती है। तीनों महिलाओं ने अपने रोजमर्रा के काम करते हुए व्यवस्थित रूप से कीमती सामान चुराया। इस दौरान बुजुर्ग की नजरों में आने से बचती रहीं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और मामले की जांच जारी है।

बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस पहुंचे अभिनेता प्रकाश राज

हैदराबाद (एजेंसी)। अभिनेता प्रकाश राज से बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेटिंग एप के प्रमोशन से जुड़े एक मामले में हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ की। यह मामला अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने और इससे जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से संबंधित है। बता दें कि मार्च में साइबराबाद पुलिस ने प्रकाश राज और कुछ अन्य अभिनेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस पर प्रकाश राज ने अपनी सफाई में कहा था कि उन्होंने 2017 में एक एप को प्रमोट करने का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लेकिन बाद में यह सही नहीं लगने पर उन्होंने समझौते का आगे नहीं बढ़ाया।

धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के रहस्य से कैसे उठेगा पर्दा, न धनखड़ और न ही सरकार कुछ बोल रही

-पूर्व सीएम गहलोत ने कहा- यह मौन और रहस्य लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बुधवार को बीकानेर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर कहा कि यह कोई मामूली घटना नहीं है, लेकिन न तो खुद धनखड़ ने कुछ कहा और न ही सरकार ने कोई स्पष्टीकरण दिया। ऐसे में देश के सामने यह मामला एक रहस्य बन गया है। उन्होंने कहा कि धनखड़ का जो एपिसोड हुआ, उसके बाद से सरकार खुद डिफेंसिव हो गई है। यह साफ नहीं है कि उन्होंने खुद इस्तीफा दिया या उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। जब कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद से इस्तीफा देता है, तो उसे लेकर जनता को पूरी जानकारी होनी चाहिए, लेकिन न धनखड़ बोले, न सरकार। यह मौन और रहस्य लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

पूर्व सीएम गहलोत ने केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में ईडी, इनकम टैक्स, और सीबीआई जैसी एजेंसियों का भय का माहौल बनाने के लिए इस्तेमाल हो रहा है। ईडी ने 193 मामले रजिस्टर किए लेकिन सरकार के मुताबिक केवल दो मामलों में सफलता मिली। बाकी मामलों में क्या सिर्फ राजनीतिक उत्पीड़न हुआ? छापे मारे जाते हैं, घरों में घुसा जाता है, महिलाओं को परेशान किया जाता है। ये बहुत खतरनाक स्थिति है।

गहलोत ने पहलगाम घटना का हवाला देते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद कोई भी मंत्री या एजेंसी प्रमुख इस्तीफा नहीं देता। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर चूक हुई तो उसका जिम्मेदार कौन है? कोई रिपोर्ट नहीं आ रही, न कोई जवाब। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, गौरव गोगोई और अखिलेश यादव जैसे नेताओं ने जो सवाल उठाए, उनका कोई जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जब 'ऑपरेशन सिंदूर' खत्म हुआ था, तब विपक्ष की मांग थी कि संसद सत्र बुलाया जाए, लेकिन सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया। इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है, और मूल सवालों से जनता को भटकाया जा रहा है।

गहलोत ने छात्र संघ चुनाव को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि सरकार छात्र राजनीति खत्म करना चाहती है। अनेक नेता छात्र संघ चुनावों से निकले हैं। बीजेपी में अरुण जेटली से लेकर कई मंत्री तक छात्र राजनीति की उपज हैं। हमने सरकार में रहते चुनाव टाल दिए थे, लेकिन उम्मीद थी कि अगली सरकार बनते ही पहला काम छात्र संघ चुनाव कराना होगा लेकिन अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ।

अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री... अब तक 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म ब्लॉक

लोकसभा में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री पर कार्रवाई कर भारत सरकार ने अब तक 43 ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी। यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया, आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत की गई है, जिन्हें 25 फरवरी, 2021 को अधिसूचित किया गया था। इन नियमों के भाग-तीसरे में डिजिटल समाचार प्रकाशकों और ऑनलाइन क्यूरेटेड सामग्री (ओटीटी प्लेटफॉर्म) के प्रकाशकों के लिए एक आचार संहिता का प्रावधान है। ओटीटी प्लेटफॉर्म को ऐसी कोई भी सामग्री प्रसारित करने की अनुमति नहीं है जो वर्तमान में लागू कानून द्वारा निषिद्ध है। उन्हें नियमों की अनुसूची में दिए गए सामान्य दिशानिर्देशों के आधार पर सामग्री का आयु-आधारित स्व-वर्गीकरण करना अनिवार्य है। इसमें नग्नता, यौन और हिंसा से संबंधित चित्रण के प्रावधान शामिल हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए आयु-अनुचित सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए बाध्य हैं, जिसमें उचित पहुंच नियंत्रण उपाय भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 79(3)(बी) के तहत कार्रवाई की है, जो सरकारों को गैरकानूनी कार्य या सामग्री की सूचना देने और ऐसी सामग्री तक पहुंच को असक्षम करने का प्रावधान देती है। बीते सप्ताह, मोदी सरकार ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को उल्लू, एएलटीटी और देशीफ्लिक्स जैसे बड़े और लोकप्रिय नामों सहित 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म तक सार्वजनिक पहुंच को बंद करने का निर्देश दिया था। इस कदम का उद्देश्य ऐसी सामग्री के प्रसार पर अंकुश लगाना था, जिसे यौन रूप से स्पष्ट और भारतीय कानूनी व सांस्कृतिक मानकों का उल्लंघन करने वाला माना जाता है।

देश के कुछ हिस्सों में जनसंख्या में बदलाव टाइम बम की तरह है: राज्यपाल

-भाषा के नाम पर कटुता रखना भारत का चरित्र नहीं

गांधीनगर (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने असम और पश्चिम बंगाल समेत देश के कुछ हिस्सों की जनसंख्या में बदलाव को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ हिस्सों में आबादी का यह बदलाव टाइम बम की तरह है। इसका समाधान तलाशना होगा। वहीं महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे राज्यों में भाषा को लेकर छिड़े विवाद के बीच उन्होंने कहा कि भारत की यह संस्कृति नहीं है कि भाषा के नाम पर लड़ाई हो। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी पर भाषा थोपनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इस देश ने हमेशा बाहरी हमलों को झेला है, लेकिन जब हम अंदर की बात करते हैं तो देखना चाहिए कि इतिहास में क्या हुआ। गुजरात के गांधीनगर में मंगलवार को राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के छात्रों और फैकल्टी मेंबर्स को संबोधित करते हुए राज्यपाल रवि ने कहा कि क्या किसी को पिछले 30-40 सालों में असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल के कुछ हिस्से में जनसंख्या में हुए बदलावों की चिंता है? क्या आज कोई यह अंदाजा लगा सकता है कि आने वाले 50 सालों में इन इलाकों में देश के बंटवारे का काम नहीं होगा? पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि हमें कुछ इलाकों में बढ़ती संवेदनशील जनसांख्यिकी और उसके भविष्य पर एक अध्ययन करना चाहिए। यह समस्या एक टाइम बम की तरह है। हमें यह सोचना होगा कि भविष्य में हम इस समस्या से कैसे निपटेंगे। आज से ही इसका समाधान ढूंढना चाहिए। किसी देश की सैन्य शक्ति आंतरिक अशांति से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं होती। रवि ने तर्क दिया कि यदि सोवियत संघ की सैन्य शक्ति आंतरिक समस्याओं से निपटने के लिए पर्याप्त होती तो 1991 में उसका विघटन नहीं होता। महाराष्ट्र और कर्नाटक में भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच रवि ने कहा कि भाषा के नाम पर कटुता रखना भारत का चरित्र नहीं है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद हम आपस में लड़ने लगे। इसका एक कारण भाषा थी। उन्होंने इसे भाषाई राष्ट्रवाद कहा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने बार-बार स्पष्ट किया है कि सभी भारतीय भाषाएं समान स्तर की हैं और समान सम्मान की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई मौकों पर कहा है कि सभी भारतीय भाषाएं हमारी राष्ट्रीय भाषाएं हैं और हम उनमें से प्रत्येक का सम्मान करना चाहिए। पीएम मोदी भी ऐसा ही कहते हैं।

राज्यसभा में मनोज झा का सरकार पर तंज, नेहरू को दोष देना अब आदत बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर जारी चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के वरिष्ठ सांसद प्रो. मनोज झा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के वक्तव्य के बाद मनोज झा ने अपनी बात रखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा, कश्मीर, सेना और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर हो रही राजनीति को लेकर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि नेहरु को दोष देना इस सरकार की अब आदत बन गई है।

सांसद झा ने कहा, कि राष्ट्रीय सुरक्षा कोई नारा नहीं है, यह एक संवेदनशील मुद्दा है। इसे नारेबाजी में बदलना खतरनाक है। सेना और राजनीतिक नेतृत्व अलग-अलग चीजें हैं। हमें सेना के शौर्य का सम्मान करना चाहिए, लेकिन उसके नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा कि वहां सिर्फ जमीन नहीं, लोग रहते हैं। पहलगाम हमले के बाद जो दृश्य सामने आए, वे असाधारण थे। लोग मदद कर रहे थे, शोक मना रहे थे। कश्मीर ने भी कुर्बानियां दी हैं। कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिया जाना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू का जिक्र करते हुए मनोज झा ने चुटकी ली, नेहरू इस सरकार के लिए लाइफ वेस्ट बन चुके हैं। हर बार नेहरू को दोष देना अब सरकार की आदत बन गई है। मैं तो कहता हूं, एक मुकदमा कर दो और नेहरू को हाजिर करो। अगर इतने वर्षों बाद भी वह सरकार को परेशान कर रहे हैं, तो जरूर कुछ बात थी उस व्यक्ति में। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा और कहा, कि कल प्रधानमंत्री ने कहा कि वह भारत का पक्ष रखने आए हैं। लेकिन यह संसद खुद भारत है। यहां तो आपको सरकार का पक्ष रखना चाहिए। सरकार देश नहीं है, देश को देश रहने दीजिए।

सांसद मनोज झा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर दिए गए बयान का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी से अपील की कि वह खुद सदन में आकर इस पर स्पष्ट रूप से प्रतिक्रिया दें और ट्रंप को सदी का सबसे बड़ा झूठ व्यक्ति करार दें। सांसद झा की भावनात्मक और व्यंग्यपूर्ण टिप्पणी से सदन में माहौल गर्म हो गया। उनके भाषण को विपक्षी सांसदों ने तालियों से समर्थन दिया।

सुवेंदु अधिकारी ने लगाया ममता सरकार पर मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़ने का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी करने और चुनावी प्रक्रिया को दूषित करने का गंभीर आरोप लगाया है। बीजेपी नेता अधिकारी ने दावा किया कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा सभी जिला चुनाव अधिकारियों (जिलाधिकारियों) को भेजे गए एक हालिया मेमो से यह खुलासा हुआ है कि फॉर्म 6 के निस्तारण में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। बीजेपी नेता के अनुसार, सीईओ के पत्र में कहा गया है कि नमूना जांच में पाया गया कि मतदाता अधिनियम, 1960 का पालन नहीं किया गया। फॉर्म 6 के कई आवेदनों को बिना उचित सत्यापन के स्वीकार किया गया, इसके परिणामस्वरूप मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़े गए। उन्होंने आरोप लगाया हैं कि फॉर्म 6 के कई आवेदन बिना सही जांच-पड़ताल के स्वीकार कर लिए गए, जिससे फर्जी मतदाता सूची में शामिल हो गए। बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) से जल्दबाजी में दस्तावेज इकट्ठे करवाए गए। निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारियों (ईआरओ), जो पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारी हैं, ने अवैध रूप से सहायक निर्वाचन अधिकारी (एईआरओ), बीडीओ कार्यालयों में पदस्थ ओसी इलेक्शन और कैजुअल डाटा एंट्री ऑपरेटरों को मतदाता सूची से संबंधित कार्य सौंप दिए। इन अनुबंधित कर्मचारियों को फॉर्म 6, 7 और 8 सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों के निस्तारण की जिम्मेदारी दी गई, जो नियमों के खिलाफ है।

राजस्थान में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात, घरों, दुकानों और सड़कों पर 5-5 फीट तक पानी

मध्य प्रदेश से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में इनदिनों भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कोटा, टोंक, सवाई माधोपुर और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण घरों, दुकानों और सड़कों पर 5-5 फीट तक पानी भर गया है। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि राजस्थान का मध्य प्रदेश से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया है। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय से 12 किमी दूर बोदल गांव में नेशनल हाईवे-552 पर बनी औगाड़ पुलिया बह गई है, जिससे सवाई माधोपुर-श्योपुर मार्ग बंद हो गया है। लगातार बारिश के कारण कई घरों में पानी घुस गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बने राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर पटरियां पानी में डूब गई हैं, जिससे ट्रेनों की गति धीमी हो गई है और यात्री परेशान हैं। वहीं कोटा के इटावा क्षेत्र में पार्वती नदी उफान पर है और उस पर बना नया पुल भी पानी में डूब गया है। इटावा-खातोली मार्ग पर स्टेट हाईवे-70 (कोटा-ग्वालियर-श्योपुर मार्ग) पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, क्योंकि पुल पर एक फीट तक पानी बह रहा है, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है।

राज्य की राजधानी जयपुर में भी सुबह से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे सड़कों पर पानी भर गया है और यातायात प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ जिलों के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर को छोड़कर शेष जिलों के लिए येलो अलर्ट है। बारिश के अलर्ट को देखकर भजनलाल सरकार ने आज 15 जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। प्रशासन ने लोगों से घरों से बाहर न निकलने और सुरक्षित रहने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आया दबाव का क्षेत्र अब कमजोर होकर लो-प्रेशर में बदल गया है और यह वर्तमान में राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से पर सक्रिय है। मानसून की ट्रफलाइन श्रीगंगानगर से होते हुए दिल्ली की ओर जा रही है, जिसके चलते अगले 48 घंटे राज्य के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है, लेकिन तेज बहाव और लगातार बारिश के कारण कई जगहों पर बचाव अभियान में दिक्कत आ रही है।

तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को देगी आरक्षण!

-यह जातियां सामाजिक, शैक्षणिक और पिछड़ेपन का कर रहीं सामना

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण देने की तैयारी कर रही है। इन जातियों में करीब तीन लाख परिवार शामिल हैं, जो लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। अब तक इन जातियों को बीसी (ई) श्रेणी के अंतर्गत 4 फीसदी आरक्षण दिया गया था, लेकिन कानूनी विवादों और धार्मिक आधार पर आरक्षण को लेकर उठे सवालों के चलते यह नीति प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाई। सरकार का मानना है कि इन जातियों को धर्म नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर लाभ दिया जाना चाहिए।

सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक जाति सर्वे की रिपोर्ट फरवरी 2025 में सार्वजनिक हुई थी। इसमें सामने आया कि राज्य की कुल 12.58 फीसदी मुस्लिम आबादी में से 10.08 फीसदी पिछड़े हैं और सिर्फ 2.5 फीसदी मुस्लिक अन्य वर्ग में आते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि हैदराबाद के पुराने शहर में कई मुस्लिम महिलाओं ने गणनाकर्ताओं से बातचीत नहीं की, जिससे मुस्लिम आबादी में 1-2 फीसदी की संभावित कमी आंकी गई है। सर्वे के आधार पर तेलंगाना विधानसभा ने मार्च में एक विधेयक पारित कर पिछड़ा वर्ग आरक्षण को 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी कर दिया है। यह वृद्धि शिक्षा, सरकारी नौकरियों और स्थानीय निकाय चुनावों में लागू होगी। यह विधेयक अब राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजा गया है। राज्य सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ नेता मोहम्मद अली शब्बीर के मुताबिक करीब तीन लाख शिया परिवार न सिर्फ आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं, बल्कि उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वे के मुताबिक मुस्लिम समुदाय के 10.08 फीसदी लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और सहायता के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि सैयद, मुगल, पठान, अरब, कोज्जा मेमन, आगा खानी और बोहरा जैसे मुस्लिम समूह पेशे पर आधारित जातियां हैं, जैसे अन्य पिछड़ी वर्ग की जातियां होती हैं। यह धर्म आधारित आरक्षण नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन पर आधारित प्रस्ताव है। बीजेपी द्वारा इस प्रस्ताव पर धर्म आधारित आरक्षण का आरोप लगाए जाने पर शब्बीर ने कहा कि जब भी मुस्लिम आरक्षण की बात होती है तो सरकारों से पूछा गया डेटा कहां है? अब हमारे पास सर्वे के जरिए से ठोस आंकड़े हैं। ज्यादातर गरीब मुस्लिम फल-सब्जी विक्रेता, कबाड़ी, ड्राइवर जैसे काम करते हैं। उन्हें भी उतने ही अधिकार मिलने चाहिए जितने अन्य समुदायों को।

कोविड वैक्सीन से 90 फीसदी मौतों से हुआ बचाव, नई रिपोर्ट से हुआ खुलासा

-औसतन हर 5,400 वैक्सीन डोज से एक मौत को टाला गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस साल 2019 के अंत में चीन के वुहान से फैला था और देखते ही देखते दुनियाभर में फैल गया था। करीब 5 साल बाद भी कोविड पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इसके वेरिएंट कोविड संक्रमण फैलाते रहते हैं। साल 2020 में वैज्ञानिकों ने कोविड की वैक्सीन तैयार कर ली। इसके बाद बाजार में कई कंपनियों की वैक्सीन आ गईं। वैक्सीन बनने के बाद दुनियाभर में वैक्सीनेशन अभियान शुरू हुआ और कुछ ही महीनों में अरबों लोगों को वैक्सीन लगाई गई थी।

कई लोगों को कोविड वैक्सीन की दो डोज लगाई गई थीं, जबकि कुछ लोगों को कोविड वैक्सीन की बूस्टर डोज भी लगाई गई थी। कई बार कोविड वैक्सीन की प्रभावशीलता पर सवाल भी उठे और कहा गया कि इससे हार्ट अटैक के मामले बढ़ गए। हालांकि हेल्थ एक्सपर्ट्स ने इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया। अब कोविड वैक्सीन को लेकर एक नई स्टडी सामने आई है, जिसमें वैज्ञानिकों ने बताया कि वैक्सीन बनने के बाद से अब तक इससे कितने लोगों की जान बची।

एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 से 2024 के बीच कोविड-19 वैक्सीन ने दुनियाभर में करीब 25.33 लाख लोगों की जान बचाई है। यह जानकारी एक नई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट से सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक औसतन हर 5,400 वैक्सीन डोज से एक मौत को टाला गया। इस शोध को एक मेडिकल रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया है। रिसर्च में पाया गया कि कोविड वैक्सीन का सबसे बड़ा फायदा 60 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों को मिला। इस उम्र के लोगों में कोविड वैक्सीन से 90 फीसदी मौतों से बचाव हुआ। वैक्सीन से बचाए गए 1.48 करोड़ जीवन-वर्षों में से 76 फीसदी जीवन-वर्ष बुजुर्गों से जुड़े हैं। यह भी पता चला कि जिन लोगों को वायरस से संक्रमित होने से पहले वैक्सीन मिली थी, उनमें से 82 फीसदी की जान बचाई जा सकी। साथ ही ओमिक्रॉन वैरिएंट के समय यानी महामारी की एक अहम अवधि में ही 57 फीसदी मौतों से बचाव हुआ।

कोविड वैक्सीनेशन का फायदा बच्चों और किशोरों में बेहद सीमित पाया गया। 0 से 19 साल की उम्र के लोगों के लिए बचाई गई जानों की संख्या सिर्फ 0.01 फीसदी रही, जबकि जीवन-वर्षों के लिहाज से यह आंकड़ा 0.1 फीसदी रहा। इस तरह 20 से 29 साल के युवाओं में सिर्फ 0.07 फीसदी मौतों और 0.3 फीसदी जीवन-वर्षों को ही बचाया जा सका। इसका कारण यह है कि इन उम्र वर्गों में कोविड-19 से मौत का खतरा पहले से ही कम था।

इस शोध को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि यह पहला ऐसा अध्ययन है जो वैश्विक स्तर पर किया गया है और जिसमें पूरी महामारी 2020 से 2024 को शामिल किया गया है। इसमें ओमिक्रॉन वेरिएंट संक्रमण से पहले और बाद में वैक्सीन का असर और जिन लोगों को टीका लगा और नहीं लगा, उन सबका तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, साथ ही यह अध्ययन केवल मौतों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बताता है कि कितने वर्षों की जिंदगी भी बचाई गई।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902